{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 03 नवम्बर 2025
कार्तिक शुक्ल 13 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 41
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

वंदेभारत ट्रेन के खाने में निकले कीड़े

मेरठ । लखनऊ से मेरठ के बीच चलने वाली वंदेभारत ट्रेन में यात्री ने वीडियो शेयर कर खाने की ट्रे में कीड़े निकलने का दावा किया है। इसका 32 सेकेंड का वीडियो यात्री विक्रांत ने सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है। वीडियो में दिख रहा कि फूड ट्रे में सफेद रंग के कीड़े रेंग रहे हैं। विक्रांत ने वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा कि देखिए, ये वंदेभारत ट्रेन की फूड क्वालिटी है। उसने ये भी कहा कि जब मैंने इसकी शिकायत की तो रेलवे स्टाफ ने मुझे कोई सेटिस्फाई जवाब नहीं दिया। पोस्ट शेयर होने के 20 घंटे बाद भी रेलवे की तरफ से उनकी पोस्ट पर कोई रिप्लाई नहीं आया, अमूमन ऐसी शिकायतों पर रेलवे रिप्लाई करता है।

सबसे बड़े मॉल पर चला बुलडोजर

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ के सबसे बड़े मॉल में प्रशासन की तरफ से बुलडोजर एक्शन लिया गया है। रविवार सुबह ही इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 के नेक्सस एलांते मॉल के खिलाफ कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने 35,040 स्क्वॉयर फीट एरिया में बिल्डिंग वॉयलेशन करने पर शोकॉज नोटिस जारी किया था, जिसके बाद सुबह ही इस वॉयलेशन के खिलाफ कार्रवाई की गई है। एसडीएम ईस्ट कम असिस्टेंट एस्टेट ऑफिसर खुशप्रीत कौर ने यह नोटिस शनिवार को एलांते मॉल प्रबंधन (मैसर्स सीएसजे इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड) को भेजा। मॉल को पहले भी सुनवाई का मौका दिया गया था लेकिन पूरी वॉयलेशन नहीं हटाई गई। अब प्रशासन ने रविवार को कार्रवाई के आदेश जारी किए थे। इसमें बिल्डिंग वॉयलेशन हटाने के साथ सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है।

विक्रमशीला एक्सप्रेस में आतंकी और बम

अलीगढ़ । विक्रमशिला एक्सप्रेस को रविवार को अलीगढ़ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रोका गया। दिल्ली में रेलवे हेडक्वार्टर को एक अनजान कॉल आया। कॉल करने वाले ने कहा- हैलो...विक्रमशिला एक्सप्रेस में आतंकी और बम है। इसके बाद कॉल डिस्कनेक्ट हो गया। कॉल डिस्कनेक्ट होते ही हड़कंप मच गया। विक्रमशिला एक्सप्रेस रास्ते में थी। फोन की घंटियां घनघनाने लगी। पता चला, ट्रेन अलीगढ़ के पास पहुंचने वाली है। ट्रेन को स्पेशल मेमो जारी कर अलीगढ़ जंक्शन पर प्लेटफॉर्म नंबर-5 पर रोकने के लिए कहा गया। पहले से ही अलर्ट मोड में आरपीएफ, जीआरपी, लोकल पुलिस- इंटेलिजेंस मौजूद थे। बम और डॉग स्क्वायड भी पहुंचा। एक-एक बोगी में हर संदिग्ध चीज की तलाशी ली गई। करीब 40 मिनट चली जांच में कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला। इसके बाद ट्रेन को आगे रवाना कर दिया गया। विक्रमशिला एक्सप्रेस, भागलपुर से आनंद विहार जा रही थी।

देर रात हार्डकोर नक्सली सुनीता ने चौरिया कैम्प में हथियार डाले

इंसास रायफल और मैगजीन लेकर आत्मसमर्पण करने पहुंची, बालाघाट में 12 साल बाद आत्मसमर्पण, सीसीएम रामधेर की सुरक्षा गार्ड थीं

सिटी रिपोर्टर
पदमेश न्यूज़। बालाघाट।

अंतत: पहली महिला हार्डकोर नक्सली 23 वर्षीया इनामी माओवादी सुनीता ने सरेंडर कर दिया है. सुनीता वह नक्सली थी जिसने 12 साल तक अपराध की दुनिया में रहकर कई राज्यों की पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी , ने बीती रात एक इंसास रायफल और मैगजीन के साथ आत्मसमर्पण किया है। वह पूर्व में सेंट्रल कमेटी के प्रमुख सदस्य रामधेर की सुरक्षा गार्ड रह चुकी है। इसकी सूचना से माओवादी गतिविधियों में कमी की संभावना नजर आती है। यह भी सम्भावना है कि अब बड़े नक्सलियों के सरेंडर करने की योजना है।

इस तरह नक्सलवाद को खत्म करने की दिशा में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है, जहां 12 साल बाद एक महिला माओवादी ने आत्मसमर्पण किया है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की रहने वाली 23 वर्षीया इनामी महिला माओवादी सुनीता पिता विसरू ने शुक्रवार देर रात इंसास रायफल और 3 मैगजीन के साथ बालाघाट जिले के सुदूर जंगलों के बीच स्थित पितकोना पुलिस चौकी अंतर्गत चौरिया कैंप में हथियार डाल दिए हैं। सुनीता फरवरी 2025 से बालाघाट में सक्रिय थी और सेंट्रल कमेटी के प्रमुख सदस्य सीसीएम रामधेर की सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रही थी।

2013 में हुआ था पहला सरेंडर

इससे पहले साल 2013 में मलाजखंड टाडा दलम के माओवादी बीरसिंह उर्फ मुक्का ने बालाघाट पुलिस के सामने सरेंडर किया था। मिशन 2026 को लेकर यह बालाघाट पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। आईजी बालाघाट रेंज संजय कुमार ने महिला माओवादी के आत्मसमर्पण की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सुनीता एमएमसी मेंबर के रूप में दलम में सक्रिय थी और माओवादी एसीएम पद पर रहते हुए सेंट्रल कमेटी के प्रमुख सदस्य सीसीएम रामधेर की सुरक्षा गार्ड रह चुकी है।

बीजापुर की रहने वाली है सुनीता

सुनीता छत्तीसगढ़ के बीरमन इंद्रावती क्षेत्र के बीजापुर की रहने वाली है। माड़ क्षेत्र में छह महीने का प्रशिक्षण लेने के बाद उसने सेंट्रल कमेटी के सदस्य माओवादी रामधेर के सुरक्षा गार्ड के रूप में इंद्रावती और माड़ क्षेत्र में कार्य किया। सीसीएम माओवादी रामधेर की 11 सदस्यी टीम के साथ सुनीता दरेंकसा क्षेत्र पहुंची थी। बालाघाट पुलिस माओवादियों को सरेंडर कराने के लिए छत्तीसगढ़ के सरेंडर्ड टॉप लीडर्स की फोटो लगाकर प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहे है। इस रणनीति के तहत पुलिस को यह सफलता मिली है।

मिशन 2026 को लेकर पहली बड़ी सफलता

इस तरह छत्तीसगढ़ की तर्ज पर मध्य प्रदेश के बालाघाट में भी माओवादियों ने मुख्यधारा में लौटना शुरू कर दिया है। यह घटनाक्रम इस बात का संकेत देता है कि माओवादी गतिविधियों में कमी आ रही है और आत्मसमर्पण की प्रक्रिया तेज हो रही है। यह आत्मसमर्पण मिशन 2026 को लेकर बालाघाट पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता है। पुलिस इस सफलता को आगे भी जारी रखने के लिए प्रयासरत है। महिला माओवादी सुनीता के आत्मसमर्पण की प्रक्रिया अभी जारी है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, सुनीता बीजापुर निवासी है और साल 2022 में नक्सली संगठन से जुड़ी थी। संगठन में शामिल होने के बाद से वह कई गतिविधियों में सक्रिय रही और बालाघाट, मंडला और छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती इलाकों में काम कर रही थी। पुलिस के बढ़ते दबाव और लगातार चल रहे सरेंडर अभियान के चलते उसने आत्मसमर्पण करने का फैसला लिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुनीता का सरेंडर नक्सली संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि वह संगठन में एक महत्वपूर्ण पद पर थी। वह न केवल संगठन से सक्रिय रूप से जुड़ी थी, बल्कि नए भर्ती अभियानों में भी भूमिका निभा रही थी।

शेष पेज 2 भी देखें...

30 नवंबर से जनगणना का प्रथम चरण शुरू

12 राज्यों में एसआईआर ?

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत में 30 नवंबर से पहले चरण की जनगणना का काम शुरू होने जा रहा है। इस काम में केंद्र शासित प्रदेश और राज्य सरकारों के लाखों कर्मचारी जनगणना के आंकड़ों को जुटाने का काम करेंगे। केंद्र सरकार का गृह मंत्रालय एवं राज्य सरकारों के गृह मंत्रालयों को जनगणना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पहले चरण में 10 से 30 नवंबर तक गणनाकर्मी घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे।यह पहला ट्रायल फेस होगा।

जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया जाएगा। प्रथम चरण में सरकारी कर्मचारी प्रत्येक घर में जाकर 30 प्रश्न पूछेंगे। इसमें मकान नंबर,निर्मित क्षेत्रफल, घर किस तरह का बना हुआ है। परिवार के मुखिया का नाम, लिंग, घर में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या, पेयजल का स्रोत, बिजली कनेक्शन,शौचालयखाना पकाने का ईंधन, टीवी, कंप्यूटर, मोबाइल वाहन से जुड़ी जानकारी एकत्रित करेंगे।

गृह विभाग द्वारा जो अधिसूचना जारी की गई है। उसके अनुसार हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग जनगणना का यह प्री टेस्ट, चयनित क्षेत्र में किया जाएगा। इसके बाद नागरिकों को पोर्टल में ऑनलाइन प्रश्नावली भरने की जानकारी दी जाएगी।10 से 30 नवंबर के बीच गणनाकर्मी इसका परीक्षण करेंगे।

1 अप्रैल 2026 से 28 फरवरी 2027 के बीच में जनगणना का सघन कार्यक्रम चलाया जाएगा। केंद्र सरकार ने जाति आधारित जनगणना कराने की बात कही थी। प्रथम फेस का जो फॉर्मेट जारी हुआ है। उसमें जाति जनगणना से संबंधित कालम को अभी शामिल नहीं किया गया है।

एसआईआर और जनगणना साथ-साथ ?

केंद्रीय चुनाव आयोग ने 12 राज्यों में एसआईआर कराने की अधिसूचना जारी की है। वहीं गृह मंत्रालय द्वारा जनगणना की अधिसूचना जारी की है। शासकीयकर्मी बड़ी संख्या में जनसंख्या के काम में लगते हैं। ऐसी स्थिति में दोनों काम कैसे एक साथ होंगे इसको लेकर सरकारी कर्मचारियों के बीच में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

विमेंस वर्ल्डकप फाइनल

भारत ने 299 रन का टारगेट दिया

साउथ अफ्रीका ने 5 विकेट गंवाए, स्कोर 179/5

नवी मुंबई। एजेंसी। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका को 299 रन का टारगेट दिया। नवी मुंबई के DY पाटील स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। टीम से शेफाली वर्मा ने 87 और दीप्ति शर्मा ने 58 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका ने 34 ओवर के बाद 5 विकेट के नुकसान पर 179 रन बना लिए हैं। टीम से कप्तान लौरा वोल्वार्ट (83 रन) और अनेरे डेरेकसन (21 रन) पिच पर हैं। दीप्ति शर्मा ने सिनालो जाफ्ता को कैच कराया।

पार्ट टाइम स्पिन गेंदबाज शेफाली वर्मा ने सुने लुस और मारिजान कैप को पवेलियन भेज दिया। 10वें ओवर में अमनजोत कौर के डायरेक्ट हिट ने ताजमिन ब्रिट्ज को पवेलियन भेजा। श्री चरणी ने अनेके बॉश को LBW किया। ब्रिट्ज ने 23 रन बनाए, बॉश खाता भी नहीं खोल सकीं।

ऋचा घोष सबसे ज्यादा छक्के लगाने वालीं प्लेयर

भारत की विकेटकीपर बैटर ऋचा घोष ने फाइनल में 2 छक्के लगाए। इसी के साथ उनके नाम टूर्नामेंट में 12 सिक्स हो गए। उन्होंने एक विमेंस वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डॉटिन 2013 और साउथ अफ्रीका की लिजेल ली 2017 में 12-12 सिक्स लगा चुकी हैं। साउथ अफ्रीका की ही नदिन डी क्लर्क आज 3 छक्के लगाकर ऋचा के रिकॉर्ड को तोड़ सकती हैं।

विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल का दूसरा हाईएस्ट स्कोर

टीम इंडिया ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में पहले बैटिंग करते हुए 298 रन बना दिए। यह विमेंस

वर्ल्ड कप इतिहास में फाइनल का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर रहा। ऑस्ट्रेलिया की टीम 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ 356 रन बना चुकी है। तब दूसरी पारी में इंग्लैंड ने 285 रन बनाए थे, जो तीसरा बेस्ट स्कोर है। यह वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत का बेस्ट स्कोर भी रहा।

बिहार विधानसभा चुनाव पर लगेगी रोक ?

अधिसूचना के बाद मतदाताओं के खाते में पैसा ट्रांसफर, शिकायत से मचा हड़कंप

पटना। एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 अभी चल रहा है। चुनाव आयोग की आचार संहिता पर एक बड़ा सवालिया निशान लग गया है। पहली बार देश के चुनावी इतिहास में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद भी मतदाताओं के खातों में सीधा पैसा ट्रांसफर किया जा रहा है। शिकायत सामने आते ही चुनाव आयोग में हड़कंप मच गया है। विपक्ष के सांसद ने पूरे चुनाव को रद्द करने की मांग उठा दी है।

यह विवाद तब उभरा, जब राजद सांसद मनोज झा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक पत्र लिखकर गंभीर आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 17, 24 और 31 अक्टूबर को लाखों महिला मतदाताओं के बैंक खातों में 10,000-10,000 रूपये भेजे गए हैं। 6 अक्टूबर को आचार संहिता लागू हो चुकी है। झा ने पत्र में यह उल्लेख किया है, अगली किस्त 7 नवंबर को प्रस्तावित है। यानी मतदान के दौरान लाभार्थियों को धन हस्तांतरित किया जाएगा।

यह आरोप जांच मे सही साबित होते हैं, तो यह न सिर्फ आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। बल्कि चुनावी नैतिकता की जड़ों पर प्रहार है। भारत में अभी तक ऐसी कोई परंपरा नहीं रही। जिसमे चुनावी अधिसूचना के बाद मतदाताओं को नकद या किसी योजना के तहत लाभ दिया जाए। यहां तक कि पहले से चल रही योजना के लाभ का वितरण भी नहीं हो सकता है ऐसी स्थिति में यह कहा जा रहा है जिस तरह से विपक्ष आक्रामक है चुनाव आयोग पर यह दबाव बना रहा है ऐसी स्थिति में क्या बिहार विधानसभा के चुनाव स्थगित करना पड़ सकते हैं या इन पर रोक लग सकती है। इसकी आशंका बनने लगी है। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का चुनाव इलाहाबाद हाईकोर्ट से अवैध घोषित हुआ था। लगभग वही स्थिति अब बिहार विधानसभा चुनाव में पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में देखने को मिल रही है।

महागठबंधन की सरकार आएगी, तब यहां बेहतरीन शिक्षा व्यवस्था की जाएगी-राहुल गांधी

बेगुसराय। एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में फिर उतरे। इस दौरान उन्होंने बिहार के बेगुसराय में चुनावी सभा को संबोधित कर केंद्र और बिहार सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग दुनिया भर में आगे हैं लेकिन यहां पिछड़े हुए हैं। क्योंकि यहां की एनडीए सरकार नहीं चाहती है कि बिहार के लोग आगे बढ़ें। वे यहां के लोगों की मदद नहीं करते। वे चाहते हैं कि यहां के लोग सिर्फ मजदूरी करते रहें। उन्होंने कहा कि दुबई जैसा शहर बिहार के लोगों ने बनाया है, लेकिन वे यहां कुछ नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार

आएगी, तब यहां बेहतरीन शिक्षा व्यवस्था की जाएगी। हम ऐसा विश्वविद्यालय खोलने की तैयारी की जाएगी, जहां दुनिया के लोग पढ़ने आएंगे। यहां के लोग दुनिया में मेहनत कर उसे बनाते हैं।?

उन्होंने लोगों को भरोसा देकर कहा कि यहां जो महागठबंधन की सरकार बनने वाली है वह हर धर्म, हर जाति की सरकार होगी। इसमें हर वर्ग के लिए जगह होगी और सभी का सम्मान होगा। उन्होंने दावा कर कहा कि हम लोगों ने अतिपिछड़ा वर्ग के लिए एक स्पेशल मेनिफेस्टो बनाया है, जिसे हमारी सरकार बनने पर लागू किया जाएगा। हम सभी को लेकर आगे बढ़ने वाले है। किसी को यह सरकार पीछे नहीं छोड़ेगी। हमारी प्राथमिकता छोटे व्यापारी रहने वाले है।

उन्होंने केंद्र सरकार पर गलत जीएसटी लागू करने और नोटबंदी करने को लेकर निशाना साधकर कहा कि इससे छोटा व्यापार बंद हो गया। हमारी सोच है कि यहां छोटे-छोटे व्यापार शुरू हों और लोगों को रोजगार मिल सके। उन्होंने महागठबंधन की जीत का दावा करते हुए कहा कि बिहार में चुनाव आयोग ने महागठबंधन के वोटरों को काटकर बाहर निकाला है। उन्होंने लोगों से वोट चोरी रोकने की भी अपील करते हुए कहा कि ये लोग बिहार में भी वोट चोरी करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने लोगों को भरोसा देकर कहा कि चुनाव आते हैं और जाते हैं। इस चुनाव में कोई जीते, कोई हारे, लेकिन वे बिहार के लोगों की मदद के लिए आता रहूंगा।

चुनावी सभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले, न तेजस्वी मुख्यमंत्री बनेंगे, न राहुल प्रधानमंत्री

मुजफ्फरपुर। एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुजफ्फरपुर के बिशुनपुर सरैया में चुनावी सभा की। उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा- आपका वोट बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए होगा। ये लोग कपड़े और चेहरे बदलकर फिर जंगलराज लाएंगे। इन लोगों को वापस मत आने देना। शाह ने कहा कि लालू यादव और सोनिया गांधी को देश की कोई परवाह नहीं है। लालू अपने बेटे को मुख्यमंत्री और सोनिया अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। उनकी यह इच्छा पूरी होने वाली नहीं है क्योंकि जगह ही खाली नहीं है। यहां नीतीश कुमार सीएम हैं और दिल्ली में नरेंद्र मोदी पीएम हैं। वहीं वैशाली के महुआ में शाह ने कहा कि लोकतंत्र की जननी वैशाली की जनता

का उत्साह बता रहा है कि बिहार में एक बार फिर एनडीए सरकार ही आने वाली है। उन्होंने लालू यादव और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा किलालू-राबड़ी के जंगलराज में आए दिन बिहार में नरसंहार होते थे, हत्याएं होती थीं। अपहरण, फिरौती के उद्योग चलते थे और महिलाओं की अस्मिता भी लूटी जाती थी। कांग्रेस ने राम मंदिर को लटका-भटका कर रखा। अब वही जंगलराज नए चेहरों के साथ, नए कपड़ों में और नए भेष में आ रहा है। शाह ने कहा कि लालू एंड कंपनी और राहुल एंड कंपनी ने 12 लाख करोड़ रुपए के घपले-घोटाले और भ्रष्टाचार किए हैं। इन्होंने बाढ़ राहत में भी घोटाला किया है। आप फिर से एनडीए सरकार बनाइए, हम बिहार को बाढ़ मुक्त बनाने का काम करेंगे।

कुछ ना कहना

अंतरिक्ष से दुश्मनों पर रहेगी नजर

इसरो ने बाहुबली रॉकेट से लॉन्च किया नौसेना का सैटेलाइट

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भारतीय नौसेना के लिए सीएमएस-03 कम्युनिकेशन सैटेलाइट सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। ये सैटेलाइट नौसेना का अब तक का सबसे एडवांस्ड (उन्नत) सैटेलाइट है. इससे नौसेना की स्पेस-बेस्ड कम्युनिकेशन (अंतरिक्ष से संचार) और समुद्री इलाके की निगरानी (मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस) की क्षमता मजबूत हो जाएगी। इसरो ने रविवार शाम 5:26 बजे बाहुबली रॉकेट से 4400 किलो का सैटेलाइट लॉन्च किया। ये भारतीय जमीन से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट तक लॉन्च होने वाला सबसे भारी सैटेलाइट है। ये नौसेना की कम्युनिकेशन क्षमताओं को और मजबूत करेगा। जीटीओ एक अंडाकार ऑर्बिट है। रॉकेट जब इस ऑर्बिट में सैटेलाइट छोड़ देगा तो 3-4 दिन बाद सैटेलाइट इंजन फायर करेगा और ऑर्बिट को सर्कुलर कर लेगा। इसे जियोस्टेशनरी ऑर्बिट कहते हैं। इसमें सैटेलाइट 24 घंटे कवरेज दे सकता है। इससे पहले इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन में 3900 किग्रा पेलोड जीटीओ में भेजा था। जीटीओ में भेजा गया दुनिया का सबसे भारी सैटेलाइट इकोस्टार 24 (जुपिटर 3) है। इसका वजन लॉन्च के समय करीब 9,000 किलो था। इसे स्पेसएक्स के फाल्कन हैवी रॉकेट से लॉन्च किया गया था।

जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी दुलारचंद हत्याकांड

अनंत सिंह को 14 दिन की जेल

पटना । एजेंसी। मोकामा में जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी दुलारचंद की हत्या मामले में अनंत सिंह को रविवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल भेजा गया है। 3 महीने बाद वो फिर से बेऊर जेल में रहेंगे। इससे पहले 6 अगस्त को अनंत सिंह मोकामा गोलीकांड में बेऊर से बाहर आए थे। रविवार को ही पुलिस पेशी के लिए अनंत सिंह को ब्लैक स्कॉर्पियो में लेकर पटना सिविल कोर्ट पहुंची थी। इस दौरान अनंत सिंह की तस्वीर भी सामने आई थी। वो सफेद पैंट-शर्ट और काले चश्मे में दिखाई दिए।

पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने 150 पुलिस वालों के साथ अनंत सिंह को देर रात उनके बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना में कारगिल चौक स्थित घर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने अनंत सिंह को घर से उठाया और पटना लेकर आई। इसके बाद रात 2 बजे पटना डीएम और एसएसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी। 11 घंटे से अनंत सिंह रंगदारी सेल में थे। बताया जाता है कि वो रात भर सोए नहीं और पुलिस से कहते रहे कि घटना के वक्त में काफिले से आगे निकल चुका था, पीछे क्या हुआ मुझे पता नहीं।

दुलारचंद यादव के परिवार वालों ने उनकी हत्या का आरोप अनंत सिंह पर लगाया है, जिसके बाद उनके खिलाफ पुलिस एक्शन का दबाव बढ़ता जा रहा था। पुलिस मामले में सबूतों की पड़ताल कर रही थी और जांच आगे बढ़ने के साथ 1 नवंबर की रात अनंत सिंह की गिरफ्तारी हुई। घोसवरी थाने में अनंत सिंह समेत पांच लोगों के खिलाफ इस हत्याकांड के सिलसिले में एफआईआर दर्ज हुई है।

मोकामा विधानसभा क्षेत्र में दुलारचंद यादव की हत्या के बाद चुनाव आयोग ने 3 अधिकारियों का तबादला और 1 अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। बाढ़-1 क्षेत्र के एसडीओ और मोकामा विधानसभा सीट के रिटर्निंग ऑफिसर चंदन कुमार को हटा दिया गया है। उनकी जगह पटना नगर निगम के एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर आशीष कुमार को भेजा गया है।

दरभंगा पहुंचे सीएम डॉ. मोहन यादव का दावा...

हर बार एनडीए सरकार, हर बार नीतीश कुमार

दरभंगा/भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव रविवार को दरभंगा पहुंचे। इस दौरान दरभंगा एयरपोर्ट पर उन्होंने मीडिया से बातचीत की और बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि बिहार में इस बार भी एनडीए की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। हर प्रांत में एनडीए जीत रहा है और बिहार भी इससे अछूता नहीं रहेगा। 2005 से अब तक हर बार एनडीए की सरकार बनी है और इस बार भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता विकास के मुद्दे पर एकजुट है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक, भौगोलिक और आर्थिक रूप से लगातार आगे बढ़ रहा है। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कई जनकल्याणकारी कार्यों को धरातल पर उतारा है।

माता सीता की पावन धरती पर आया

मोहन यादव ने कहा कि मैं महाकाल की नगरी उज्जैन से माता सीता की पावन धरती बिहार आया हूं। अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बन चुका है, अब बिहार में माता सीता से जुड़े स्थलों का भी विकास हो रहा है। यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण का समय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की सोच हमेशा भगवान राम और हमारी सांस्कृतिक विरासत के खिलाफ रही है।

किरनापुर क्षेत्र में कटी फसल में अंकुर फूटने से किसानों को भारी नुकसान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में बीते दिनों हुई लगातार बारिश के बाद अब मौसम धीरे-धीरे साफ होने लगा है, किंतु इस बदलते मौसम ने किसानों की परेशानियां और बढ़ा दी हैं। किरनापुर क्षेत्र सहित आसपास के कई गांवों में धान की कटाई कर चुके किसानों के खेतों में पानी भर गया, जिससे खेतों में रखी कटी हुई धान की बालियों में अंकुर फूट आए हैं। इसके कारण किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। ग्रामीण किसानों ने बताया कि बीते सप्ताह हुई वर्षा से खेतों में जलभराव की स्थिति बन गई थी। कटाई के बाद खेतों में रखी फसल पूरी तरह भीग जाने से अब धान की बालियों में अंकुर निकल आए हैं। इससे फसल की गुणवत्ता पूरी तरह प्रभावित हो गई है और बाज़ार में इसकी कीमत भी नहीं मिल पाएगी। किसानों का कहना है कि अब उनके पास फसल बेचने का कोई विकल्प नहीं बचा है। इसलिए वे चाहते हैं कि कृषि विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारी जल्द से जल्द सर्वे कर नुकसान का आकलन करें और उन्हें उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। खेतों में अब तक पानी भरा हुआ है, जिससे बचे हुए फसल की कटाई भी संभव नहीं हो पा रही है। किसानों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि इस प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का त्वरित सर्वे कर उन्हें राहत दी जाए ताकि अगली फसल की तैयारी की जा सके।

बीते दिनों हुई लगातार बारिश ने जहां जिले का मौसम बदल दिया है, वहीं किसानों के चेहरों की मुस्कान छीन ली है। अब जब धीरे-धीरे आसमान साफ हो रहा है, तब भी खेतों में भरा पानी किसानों के लिए नई मुसीबत बन गया है। कई गांवों के खेतों में कटाई के बाद रखी गई धान की बालियों में पानी भरने से अंकुर फूट आए हैं, जिससे फसल पूरी तरह खराब हो गई है और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। पूरा मामला किरनापुर क्षेत्र के जराई और आसपास के गांवों का है। यहां के किसानों ने बताया कि बीते कुछ दिनों से लगातार हुई वर्षा ने उनके खेतों में पानी जमा कर दिया है।

खेतों में जलभराव के कारण धान की कटी हुई बालियां अब सड़ने लगी हैं और उनमें से अंकुर निकल आए हैं। किसानों का कहना है कि यह बारिश उनके लिए आफत बनकर आई है। वे पहले से ही फसल की कटाई और परिवहन को लेकर जूझ रहे थे, और अब यह अतिरिक्त नुकसान उनके लिए और परेशानी लेकर आया है। ग्रामीण किसान श्री टेंभरे और तोमेश्वर राहगडाले ने बताया कि उनके क्षेत्र के कई किसानों की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। खेतों में इतना पानी भरा हुआ है कि अब उनमें कोई भी कार्य करना संभव नहीं है। किसान अब बेबस हैं क्योंकि न तो उनके पास खेतों को फिर से तैयार करने की स्थिति है और न ही दूसरी फसल बोने के लिए पूंजी बची है। उन्होंने बताया कि खेतों में भरा पानी अब उनके लिए 15 से 20 दिनों तक किसी भी प्रकार की कृषि गतिविधि रोक देगा। किसानों का कहना है कि यदि प्रशासन जल्द से जल्द सर्वे कराकर मुआवजे की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं करता है, तो किसानों की आर्थिक स्थिति और बिगड़ जाएगी। उन्होंने बताया कि अब वे विभाग के अधिकारियों से लगातार संपर्क कर रहे हैं, लेकिन सुनवाई न होने से किसान हताश हैं। कुछ किसानों ने बताया कि अब वे अपने खेतों में खराब हो रही धान की बालियों और भरे पानी के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं, ताकि सरकार और संबंधित विभाग तक उनकी वास्तविक स्थिति पहुंच सके। किसानों का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि इस माध्यम से उनकी आवाज शासन-प्रशासन तक पहुंचेगी और उन्हें कुछ राहत मिलेगी। किसानों ने यह भी बताया कि बारिश के कारण न केवल फसल नष्ट हुई है बल्कि खेतों में जमा पानी से मिट्टी की गुणवत्ता पर भी असर पड़ा है। खेतों में लंबे समय तक पानी भरा रहने से मिट्टी में नमी अत्यधिक बढ़ गई है, जिससे अगली फसल बोने में दिक्कतें आ सकती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को चाहिए कि जल्द से जल्द राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त टीम बनाकर सर्वे कार्य शुरू करे, ताकि किसानों को मुआवजा मिल सके। साथ ही यह भी आवश्यक है कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए खेतों से पानी निकासी की उचित व्यवस्था भी की जाए। अब जबकि मौसम धीरे-धीरे खुलने लगा है, किसानों की उम्मीदें फिर से जाग रही हैं। लेकिन जब तक खेतों में भरा पानी सूख नहीं जाता, तब तक किसान पूरी तरह से असहाय हैं। वे अब प्रशासन की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं कि जल्द ही उन्हें राहत और मुआवजा मिलेगा ताकि वे फिर से अपनी मेहनत से खेतों में नई फसल बोने का सपना देख सकें।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्राम राशिमेटा और दुल्हापुर के युवा भी ओरिएंटेंशन कार्यक्रम में शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

आज 2 नवंबर 2025 संदीपनि विद्यालय बालाघाट के हाल में बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने की कलेक्टर मृणाल मीना की पहल पर जिला प्रशासन और स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से जो मुहिम प्रारंभ की गई है इस मुहिम को आगे बढ़ते हुए कंपनियों में जॉइनिंग के लिए जो बच्चे जाना चाहते हैं उन्हें बुलाकर उनका एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम किया गया। जिसे उन्हें जाब में जाने को लेकर कोई समस्या तो नहीं है, कंपनी की क्या-क्या फैसेलिटीज रहेगी, कितनी सैलरी मिलेगी और ऐसे बहुत से बच्चों के जो सवाल थे उनके जवाब दिए गए। इस अवसर पर सांसद श्रीमती भारती पारधी और पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने भी युवाओं को रोजगार के लिए आगे बढ़ने प्रोत्साहन दिया।

कलेक्टर मृणाल मीना और आशीष मिश्रा के माध्यम से बेरोजगार युवाओं के सवालों के जवाब दिए गए । इसी कड़ी में हमारे नेक्सल क्षेत्र के राशि मिटा और दूल्हापुर जैसे दूरस्थ क्षेत्र के बच्चों को भी टाटा मोटर्स और टाटा इलेक्ट्रॉनिक में जाब के लिए जा रहे हैं और बालाघाट जिले के कोने-कोने से आए बच्चों के रोजगार दिलाने की है कलेक्टर श्री मीना की महिम रंग ला रही है। जिस कारण हर सप्ताह 200 से 300 बच्चे ज्वाइन करने के लिए बड़ी कंपनियों में बेंगलुरु, अहमदाबाद, गुड़गांव में जा रहे हैं।

इस कड़ी में आज सांसद श्रीमती भारती पारधी

भी उपस्थित थी जिन्होंने बच्चों को मोटिवेट किया और बच्चों की समस्याएं सुनी और उनका खुलकर जवाब दिया। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन भी उपस्थित थे जिन्होंने बच्चों को जाने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें किसी भी प्रकार की प्रॉब्लम आने पर किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उनके साथ खड़े होने की बात कही। इसी कड़ी में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ ने भी उद्बोधन दिया ।

उन्होंने युवाओं से कहा कि जिस प्रकार जहाज बंदरगाहों में खड़े होने के लिए नहीं होती वह उनकी वैल्यू तभी होती है जब वह एक बंदरगाह से दूसरे बंदरगाह या दूसरे देश सामान लेकर जाते हैं और पूरी दुनिया घूमते हैं । इस प्रकार जब आप अपनी छोटी जगह से निकलते हैं और बड़ी जगह में जाते हैं तो वहां आपको बहुत सी नई चीज मिलती है सीखने के लिए आपका नॉलेज बढ़ता है आपका एक्सपीरियंस बढ़ता है । जिससे आप धीरे-धीरे अपने मुकाम की ओर बढ़ते हैं।

इसी कड़ी में आशीष मिश्रा जी ने कंपनी की सभी डिटेल्स जानकारियां उन्हें किस-किस कौन-कौन से डॉक्यूमेंट लगेंगे उनका कब रिजर्वेशन करवाया जाएगा । बेंगलुरु और अहमदाबाद आप किस गाड़ी से जाएंगे, किस डेट को जाएंगे इन सभी चीजों की जानकारियां दी । प्रशासन माइक्रो लेवल पर जाकर बच्चों को रोजगार दिलाने के लिए और उन्हें जाब में लगाने के लिए मॉनिटरिंग कर रहा है । जिस कारण पहली बार ऐसा हुआ है कि 6 माह के अंदर 4 से 5000 बच्चों को प्रशासन रोजगार दिलाने में सक्षम हो पाया है और इतने सारे युवा इतनी बड़ी मात्रा में रोजगार के लिए बड़ी कंपनियों में सेलेक्ट होकर जॉब कर रहे हैं । युवाओं ने भी कलेक्टर श्री मीना और जिला पंचायत सीईओ सराफ एवं आशीष मिश्रा का धन्यवाद अर्जित किया और उन्हें इतनी अच्छा रोजगार दिलाने के लिए दिल से धन्यवाद अर्जित किया । उनके पैरेंट्स जो बच्चों के साथ आए थे उन्हें उन्होंने भी सभी अधिकारी जनप्रतिनिधि और स्वयं श्री संस्था के पदाधिकारी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

पेज 1 का शेष...

टीम के कई सदस्य भी आत्मसमर्पण की तैयारी में

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सुनीता के आत्मसमर्पण के बाद टीम के कई अन्य सदस्य भी सरेंडर की तैयारी में हैं। पुलिस ने उनके खिलाफ चल रहे ऑपरेशन को और तेज कर दिया है।

बालाघाट पुलिस ने बताया कि राज्य और केंद्र सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सुनीता को सभी कानूनी लाभ दिए जाएंगे। उसके आत्मसमर्पण के बाद उसे सुरक्षा और पुनर्वास सहायता दी जाएगी, ताकि वह समाज की मुख्यधारा में लौट सके।

अब तक मध्यप्रदेश मूल के तीनों नक्सलियों ने नहीं किया सरेंडर

मध्य प्रदेश के और मूल रूप से बालाघाट जिले के रहने वाले तीन नक्सली सरेंडर नहीं कर रहे हैं, उधर सूत्रों की माने तो यहां के रहने वाले इन नक्सलियों की तलाश तेजी से की जा रही है। जबकि बीते एक अरसा पहले ?द एसपी आदित्य मिश्रा ने इन नक्सलियों के गाँव राशिमेटा जाकर एक शिविर में सीधे सीधे इन दोनों नक्सलियों संगीता और सम्पत को मुख्यधारा में लौट आने का आव्हान किया था।

इस तरह मूल रूप से मध्य प्रदेश के रहने वाले नक्सलियों में से अधिकांश अब सक्रिय नहीं हैं, या तो वे मारे गए हैं या दूसरे राज्यों में चले गए हैं.लेकिन बालाघाट जिले के रूपझर और किरनापुर थाना क्षेत्र के रहने वाले 3 नक्सली अब भी विभिन्न जगहों पर सक्रिय होने की सूत्रों की जानकारी हैं और वे नीति आने के बाद भी क्यों सरेंडर करने से बच रहे हैं। यह अलग विषय है. शासन ने इन पर लाखों रुपए का इनाम भी घोषित है। बताया जाता है कि मूल रूप से मध्य प्रदेश नके रहने वाले सिर्फ तीन नक्सली ही हैं और तीनों ही फरार हैं। इनमें दीपक नामक नक्सली निवासी ग्राम पालागोंदी, थाना रूपझर, संपत और संगीता नामक नक्सली जो रशिमेटा थाना किरनापुर के निवासी हैं। तीनों ही अभी सक्रिय माने जा रहे हैं। सरकार द्वारा इन पर इनाम भी घोषित है। सूत्र बताते है कि दीपक डिवीजनल कमेटी का मेंबर हैं। इसलिए इस पर ज्यादा राशि का इनाम घोषित है। वहीं जिले के नक्सली संपत और संगीता एरिया कमेटी के मैंबर हैं, इन पर भी इनाम की राशि हैं, किन्तु यह राशि भी लाखों रुपए में है।

नहीं रहे कभी ज्यादा नक्सली

नब्बे के दशक से मध्य प्रदेश में नक्सल आतंक की शुरूआत से अब तक यहां के मूल नक्सली ज्यादा संख्या में इसमें शामिल नहीं रहे हैं। बताया जाता है कि कभी भी यह संख्या 15 से ज्यादा नहीं रही। अब इनमें से कई की मौत हो चुकी है, उम्र के कारण न कुछ सक्रिय नहीं रहे हैं। बताते हैं कि अब ये तीन ही नक्सली शायद सक्रिय हैं।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के तीन जिले बालाघाट, मंडला और डिंडोरी नक्सल प्रभावित प्रभावित जिलों की सूची में शामिल रहे हैं। राज्य सरकार ने इन इलाकों में नक्सलियों के विरुद्ध सीआरपीएफ, हॉक फोर्स, कोबरा बटालियन, एसएएफ और जिला पुलिस बल की तैनाती कर रखी है। विशेषकर बालाघाट जिले में पुलिस लंबे समय से एरिया डॉमिनेशन ऑपरेशन चला रही है।

क्या है 28 साल पहले बनी थी पहली नीति

मध्यप्रदेश की पहली नक्सल आत्मसमर्पण नीति वर्ष 1997 में लागू हुई थी। इसके बाद नई मध्यप्रदेश नक्सली पुनर्वास सह राहत नीति 2023 को 22 अगस्त 2023 से प्रभावी किया गया। अब आत्मसमर्पण नीति बहुत ही प्रभावी बनाई गई है। मध्यप्रदेश नक्सली पुनर्वास सह राहत नीति 2023 के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली को सरकार की ओर से 33 लाख रुपये तक की सहायता मिल सकती है। इसमें लाइट मशीन गन या स्नाइपर राइफल के साथ आत्मसमर्पण करने पर 4.5 लाख रुपए, मकान निर्माण के लिए 1.5 लाख, शादी विवाह के लिए 50,000 रुपए, 5 लाख या घोषित इनामी राशि, जो भी अधिक हो वो, अचल संपत्ति खरीदने के लिए 20 लाख रुपए की सब्सिडी, और कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए 1.5 लाख रुपए दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

आजीविका मिशन से जुडकर पुस्तकला बनी लखपति दीदी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के कटंगी विकासखंड के ग्राम बम्हनी की निवासी पुस्तीकला राउत का जीवन आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद बदल गया है। पहले उसके पास रोजगार के साधन नहीं थे और पति मंगलेश को काम की तलाश में पलायन करना पड़ता था। लेकिन

पुस्तकला की लगन एवं मेहनत से वह आजीविका मिशन की लखपति दीदी बन गई है।

12 वीं तक पढी पुस्तकला को पहले आजीविका मिशन के बारे में कुछ पता नहीं था। लेकिन गांव की कुछ महिलायें स्वयं सहायता समूह से जुड़कर कार्य करती थी। पुस्तकला को जब इसकी जानकारी हुई तो उसने भी वर्ष 2019 में पास-पड़ोस की महिलाओं को लेकर लक्ष्मी स्व सहायता समूह का गठन किया। समूह से जुड़ने के बाद महिलाओं में बचत की भावना पैदा हुई। समूह की महिलायें हर माह एक निश्चित राशि समूह के खाते में जमा करने लगी और जरूरत के समय नाम मात्र के ब्याज पर समूह की सदस्य को उधार भी देने लगी। धीर-धीरे समूह के पास अच्छी राशि जमा होने लगी। समूह की महिलाओं के अच्छे लेनदेन को देखकर आजीविका मिशन से समूह को रिवाल्विंग फंड की 12 हजार रुपये एवं सीसीएल की 03 लाख रुपये की राशि मिली। समूह की महिलाओं ने इस राशि का उपयोग अपने परिवार के लिए आय का जरिया पैदा करने में किया।

पुस्तकला ने अपने समूह से 25 हजार रुपये का ऋण लेकर अपने पति के लिए घर पर ही किराना दुकान शुरू की। इससे पति को घर पर ही काम मिल गया है और उसे काम की तलाश में बाहर नहीं जाना पड़ता है। पुस्तकला ने पति के बाद अपने स्वयं के लिए काम तलाशना शुरू किया। इसी कोशिश में उसने गांव में कपड़े सिलाई का काम सीख लिया। किराना दुकान से आय होने पर उसने सिलाई मशीन खरीद ली है। अब पुस्तकला के परिवार को हर माह की लगभग 25 हजार रुपये की आय होने लगी है और वह आजीविका मिशन की लखपति दीदी बन गई है। पुस्तकला अपनी दोनों बेटियों की शिक्षा पर भी ध्यान दे रही है। पुस्तकला का कहना है कि आजीविका मिशन से जुड़कर उसके परिवार की दशा और दिशा दोनों बदल गई है।

सुसवा छात्रावास में भगवान बिरसा मुंडा का 150वाँ जन्म वर्ष मनाया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 150 वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्य आतिथ्य में ग्राम सुसवा में 01 नवंबर को कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ ही सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर एवं छात्रावास के छात्र छात्राएं शामिल हुए। इस अवसर पर छात्रावास में प्रदेश स्थापना दिवस भी मनाया गया। 02 नवंबर को बैहर के बैगा छात्रावास और एकलव्य विद्यालय में भी भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विधायक राजकुमार कर्राहे ने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का स्वतंत्रता संग्राम के श्रेष्ठतम नायकों, योद्धाओं में विशेष स्थान है। ब्रिटिश शासन द्वारा प्रशासनिक सुधार के नाम पर वनों का अधिग्रहण करते हुए जनजातीय समाज से भूमि का स्वामित्व छीनना तथा जबरन श्रम नीतियां लागू करने के विरोध में भगवान बिरसा मुंडा ने व्यापक जन आंदोलन खड़ा किया। उनके आंदोलन का नारा अबुआ दिशुम-अबुआ राज (हमारा देश-हमारा राज) युवाओं के लिए एक प्रेरणा मंत्र बन गया, जिससे हजारों युवा स्वधर्म और अस्मिता के

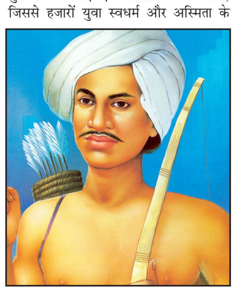

लिए बलिदान देने हेतु प्रेरित हुए। जनजातियों के अधिकारों, आस्थाओं, परंपराओं और स्वधर्म की रक्षा के लिए भगवान बिरसा मुंडा ने अनेक आंदोलन व सशस्त्र संघर्ष किए। अपने पवित्र जीवन लक्ष्य के लिए संघर्ष करते हुए वह पकड़े गए और मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में कारागार में दुर्भाग्यपूर्ण और संदेहास्पद परिस्थिति में उनका बलिदान हुआ।

इस कार्यक्रम में विकासखंड किरनापुर एवं लांजी में संचालित छात्रावासों के छात्र छात्राएं भी उपस्थित हुए । कार्यक्रम के प्रारंभ में पारंपरिक वेश भूषा में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर नृत्य, नाटक, वाद-विवाद, चित्रकला एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विधायक राजकुमार कर्राहे ने विविध प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्री कल्याण सिंह राणा ने कहा कि छात्रावास हमारी प्राचीन परंपरा है। आप अनुशासन में रह कर पढाई करें । कार्यक्रम में लांजी की जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमति अर्चना देवेन्द्र, उपाध्यक्ष भुवन भाउ राहंडाले, जिला पंचायत सदस्य सुश्री डाली कावरे, ग्राम पंचायत सुसवा के सरपंच श्री प्रकाश बाहे एवं जन प्रतिनिधि उपस्थित हुए ।

भारत सरकार के निर्देश के अनुरूप धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के समापन अवसर पर 01 से 15 नवंबर तक गौरव स्मृति कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर गौरव दिवस मनाया जाएगा।

शिक्षक साथी की असमय मृत्यु पर 25 लाख रुपए सहायता देगा शिक्षक कर्मचारी कल्याण कोष

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्राथमिक माध्यमिक उच्च माध्यमिक शिक्षक कल्याण कोष मध्य प्रदेश बालाघाट के जिला प्रभारी तपेश पटले एवं जिला अध्यक्ष बीके पटेल की उपस्थिति में 2 नवंबर को हाई स्कूल भटेरा चौकी में ब्लॉक अध्यक्ष एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी,सदस्यों, शिक्षक एवं शिक्षकों की उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि कोई शिक्षक साथी की असमय मृत्यु हो जाती है तो उस परिवार को सम्बल देने के लिए पूरे मध्य प्रदेश के शिक्षक साथी द्वारा उस परिवार के नॉमिनी के खाते में अधिकतम 100 या उससे कम राशि जो प्रदेश समन्वय समिति तय करेगी उसके नॉमिनी के ओ आर कोड या खाता नंबर पर हर शिक्षक साथी पैसा सहायता के रूप में जमा कर सकते हैं। आज की स्थिति में प्राथमिक माध्यमिक उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ उसे पीड़ित परिवार के खाते में 25 लख रुपए की सहायता करेगा। किंतु शिक्षक साथी को जब सदस्यता दी जाएगी कि उसके रजिस्ट्रेशन की तारीख से 90 दिन पूर्ण होना अनिवार्य होगा। तभी वह सहायता का हकदार होगा। प्राथमिक माध्यमिक उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ ने समस्त शिक्षक साथियों से अपने ब्लॉक के ग्रुप में जुड़कर जल्दी से जल्दी रजिस्ट्रेशन करने की अपील की है। इस बैठक में प्राथमिक माध्यमिक उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ जिला बालाघाट के समस्त पदाधिकारी सदस्य एवं समस्त ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
होटल में समोसा, कचौड़ी, बड़ा, मंगोड़े, खोआ की जलेबी, बड़ा, पोहा आदि बनाने वाले कारीगर की
संपर्क :
सत्कार होटल तिरोड़ी
मो. 8109410515

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

नो हेलमेट नो राइड अभियान का बालाघाट शहर में मिला-जुला असर

दो दिन में केवल 320 चालानों के साथ 1.26 लाख वसूले

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

1 नवंबर से शुरू हुए नो हेलमेट नो राइड अभियान के तहत पुलिस द्वारा अब तक शहर मुख्यालय में करीब 320 वाहन चालकों के चालान बनाए गए हैं। इनमें बिना हेलमेट और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से लगभग 1 लाख 26,000 रूपये की राशि वसूल की गई है। 2 नवंबर को इस अभियान के दूसरे दिन शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस की सख्ती पहले दिन की तुलना में थोड़ी कम दिखाई दी, लेकिन इसके बावजूद अधिकांश वाहन चालक खुद ही हेलमेट पहनकर वाहन चलाते नजर आए। कुछ लोगों को यह कहते हुए भी देखा गया कि वे हेलमेट साथ लेकर चल रहे हैं, लेकिन पुलिस न होने के कारण उन्होंने उसे केवल बाइक पर रख लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान केवल चालानी कार्रवाई के लिए नहीं है, बल्कि लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। उनका यह भी कहना है कि आने वाले दिनों में यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि आमजन नियमित रूप से हेलमेट पहनने की आदत डालें। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस अभियान का असर दिखने लगा है, लोग अब वाहन चलाते समय हेलमेट पहनकर दोपहिया वाहन चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

जिलेभर में नो हेलमेट नो राइड अभियान को लेकर पुलिस लगातार सक्रिय है। इस अभियान की तैयारी बीते कई दिनों से चल रही थी, जिसके तहत पुलिस ने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर जाकर आमजन को यातायात नियमों का पालन करने और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने की अनिवार्यता के बारे में जानकारी दी थी। इस दौरान स्वयं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने भी शहर की सड़कों पर उतरकर नागरिकों से संवाद किया। उन्होंने बताया कि हेलमेट पहनना केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए सबसे आवश्यक कवच है। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोटें सबसे अधिक जानलेवा होती हैं, जिन्हें हेलमेट पहनकर टाला जा सकता है। अभियान की औपचारिक शुरुआत 1 नवंबर से पूरे जिले में सख्ती के साथ की गई। पहले ही दिन पुलिस ने शहर के प्रमुख चौराहों , कालीपुतली चौक,

अंबेडकर चौक, हनुमान चौक और अन्य मार्गों पर बिना हेलमेट चलने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई की। वहीं जो लोग नियमों का पालन करते हुए हेलमेट पहनकर निकले थे, उनका स्वागत किया जा रहा हैं । पुलिस के अनुसार अब तक 320 वाहन चालकों के चालान बनाए जा चुके हैं और उनसे लगभग 1 लाख 26,000 रूपये का जुर्माना वसूला गया है। इस दौरान कई स्थानों पर वाहन चालकों और पुलिस कर्मियों के बीच बहस की स्थिति भी बनी, जबकि कुछ जनप्रतिनिधियों ने भी इस अभियान की कठोरता पर आपत्ति जताई। कुछ लोगों का कहना है कि घर से थोड़ी दूरी तक जाने के लिए हेलमेट पहनना जरूरी नहीं होना चाहिए, जबकि पुलिस अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि नियम सभी के लिए समान है , यदि कोई दोपहिया वाहन लेकर सड़क पर निकलेगा, तो उसे हेलमेट पहनना ही होगा। पुलिस का यह भी कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य चालान करना या वसूली बढ़ाना नहीं है, बल्कि आमजन को यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है ताकि भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली जान-माल की हानि को रोका जा सके। अधिकारियों ने बताया कि नो हेलमेट नो राइड अभियान जिलेभर में लगातार जारी रहेगा और पुलिस इसे सख्ती से लागू करेगी।

2 नवंबर को अभियान का असर

1 नवंबर को जिस सख्ती के साथ पुलिस ने जिलेभर में नो हेलमेट नो राइड अभियान चलाया था, उसका असर दूसरे ही दिन यानी 2 नवंबर को स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। पहले दिन शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस द्वारा बिना हेलमेट वाहन चालकों पर सख्त चालानी कार्रवाई की गई थी, वहीं दूसरे दिन पुलिस ने शहर में थोड़ी शिथिलता बरतते हुए अभियान को ग्रामीण इलाकों में केंद्रित किया। इसके बावजूद, शहर में आमजन में स्पष्ट रूप से जागरूकता का प्रभाव दिखाई दिया। बड़ी संख्या में लोग स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर वाहन चलाते नजर आए। कई लोग अपने साथ हेलमेट लेकर भी चल रहे थे, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत पहन सकें। वहीं कुछ लोग पुलिस की अनुपस्थिति में भी नियमों का पालन करते हुए जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते नजर आए। पेट्रोल पंपों पर भी अभियान का असर देखने को मिला। पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा बिना हेलमेट आने वालों को पेट्रोल देने से मना कर दिया गया, जबकि हेलमेट पहनकर आने वालों को ही पेट्रोल दिया गया। इस नियम के चलते नागरिकों में हेलमेट पहनने की आदत को लेकर और अधिक जागरूकता फैलती नजर आई। आमजन का कहना है कि पुलिस की सख्ती के बाद लोगों ने समझा है कि हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का कवच है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभियान केवल कुछ दिनों तक नहीं, बल्कि लगातार चलाया जाएगा।

डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी ने किया वरिष्ठ वॉलीवाल खिलाडियों का सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी द्वारा वरिष्ठ वॉलीवाल खिलाडियों का सम्मान व दीपावली मिलन समारोह का आयोजन 2 नवंबर को शहर के बूढ़ी रोड मार्ग स्थित निजी होटल में किया गया। इसमें करीब एक सैकड़ा वरिष्ठ खिलाडियों

का शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इसमें पुरूष खिलाडियों के अलावा कुछ महिला खिलाड़ी भी शामिल रही। जिसमें वर्तमान में कुछ वरिष्ठ खिलाड़ी जिले से बाहर शासकीय विभागों में पदस्थ है। वे भी इस आयोजन में शामिल होकर सम्मान पाकर काफी प्रसन्न दिखाई दिये। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सांसद श्रीमती भारती पारधी, पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, नपाध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, राजेश पाठक, संजय कछवाह, तपेश असाटी सहित अन्य मौजूद रहे। इस दौरान आयोजन समिति अध्यक्ष राजेश पाठक द्वारा वर्ष 2026 में जिले में नेशनल वॉलीवाल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएंगा। उन्होंने कहा कि मैं जब नेहरू स्पोंटिंग क्लब का अध्यक्ष था तो अखिल भारतीय स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट में देश की प्रमुख टीमों को बुलाया गया था। इसके अलावा जिले में कबड्डी का राज्य स्तरीय व नेशनल टूर्नामेंट भी कराया गया। जिसमें महिला व पुरूष वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। हमारे द्वारा सदैव खेल गतिविधियों व जिले के प्रतिभावान खिलाडियों को आगे बढ़ाने का कार्य किया जाता है। वॉलीवाल के लिये शहर मुख्यालय में ग्राउण्ड की भी व्यवस्था जल्द ही की जावेगी। वहीं संजय कछवाह ने इस दौरान कहा कि जिला मुख्यालय में वॉलीवाल नेशनल टूर्नामेंट महाकुंभ के पूर्व वारासिवनी क्षेत्र में वॉलीवाल का अर्धकुंभ होगा। वार्रिसवनी में भी नेशनल टूर्नामेंट आयोजित किया जाएंगा। इस दौरान सांसद श्रीमती भारती पारधी, पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, नपाध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, रमेश रंगलानी द्वारा भी अपने विचार व्यक्त करते हुये इस आयोजन की सराहना की है। उन्होंने कहा कि वॉलीबाल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए यह आयोजन काफी सराहनीय है।

1992 के बाद किसी अन्य राज्य के नक्सली ने किया है आत्मसमर्पण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र छत्तीसगढ़ राज्य में सक्रिय एक हाईकोर महिला सहस्त्र नक्सली ने जिला पुलिस बल बालाघाट के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। यह महिला नक्सली सुनीता पिता बिसरू ओयाम छत्तीसगढ़ राज्य के ग्राम गोमवेट तहसील भैरमगढ़ जिला बीजापुर निवासी है। जिसके विरुद्ध महाराष्ट्र मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कुल 14 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। बालाघाट जिले में नक्सली सक्रियता के चलते 1992 के बाद पहली बार अन्य राज्य के सहस्त्र नक्सली ने मध्य प्रदेश शासन के सामने आत्मसमर्पण किया है।

1992 के बाद किसी अन्य राज्य के नक्सली ने किया है आत्मसमर्पण

बालाघाट पुलिस के मुताबिक भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने या फिर कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी गई थी ।जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। 1 नवंबर को लांजी थाने के चोरिया कैम्प अंतर्गत हाईकोर सशस्त्र महिला नक्सली सुनीता पिता बिसरू ओयाम ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर और भारत के संविधान पर विश्वास रखते हुए जिला पुलिस बल बालाघाट के समक्ष स्वयं आकर आत्मसमर्पण कर दिया। सशस्त्र नक्सली

सुनीता ओयाम मलाजखंड, दर्रेकसा दलम की ऐसी एम है। जो इंसास के साथ सशस्त्र नक्सली संगठन में मध्य प्रदेश गोंदिया एवं राजनंदगांव(जी आर बी) डिवीजन में सक्रिय थी। उस पर छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश में कुल 14 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। सुनीताओयाम माओवादी संगठन में सन 2022 में जुड़ी थी। छत्तीसगढ़ के माड क्षेत्र में 6 माह का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उसने सीसी मेंबर रामदेर के गार्ड के रूप में कार्य किया था। सशस्त्र महिला नक्सली सुनीता ओयाम का यह आत्मसमर्पण, मध्य प्रदेश आत्मसमर्पण पुनर्वास सह राहत नीति 2023 के अंतर्गत पहला आत्म समर्पण है और बालाघाट जिले में नक्सली सक्रियता के चलते 1992 के बाद पहली बार अन्य राज्य की किसी सशस्त्र नक्सली केडर ने मध्य प्रदेश शासन के सामने आत्मसमर्पण किया है।

समाज की मुख्य धारा में आने वाले नक्सलियों को सभी लाभ दिलाने के लिए कटिबद्ध है मध्य प्रदेश सरकार

उल्लेखनीय है कि पिछले 10 महीना में मध्य प्रदेश में1.46 करोड रुपए के इनामी नक्सलियों को ना केवल निष्क्रिय किया गया है, बल्कि सरकार सॉफ्ट टच अप्रोच के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए पुनर्वास के रास्ते भी खोल रही है। पिछले समय से लगातार चल रहे पुलिस आउटरीच प्रोग्राम के परिणाम स्वरूप सशस्त्र नक्सली सुनीता ओयाम ने आत्मसमर्पण के लिए यह पहला कदम उठाया है। बालाघाट पुलिस मध्य प्रदेश आत्मसमर्पण पुनर्वास सह राहत नीति2023 के प्रावधानों के तहत आत्मसमर्पण कर सशत्र आंदोलन को छोड़कर समाज की मुख्य धारा में आने वालों को सभी लाभ दिलाने के लिए कटिबद्ध है।

स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस महानिरीक्षक संजय सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताये,कि नई सरेडर पॉलिसी है उसके तहत यह पहला सरेडर है और यह महिला नक्सली एमपी की नहीं है दूसरे राज्य की है। 1972 के बाद किसी दूसरे राज्य की रहने वाले ने सरेडर किया है। इसका व्यपन रिकवर हो गया इंसाफ और तीन मैगजीन जप्त की गई है। उन्होंने कहा कि सरेडर क्यों हुआ है। अपने राज्य की पुलिस अच्छी। एंटी नक्सली मुहिम चलाई जा रही है उसके कारण काफी प्रेशर है और महाराष्ट्र छत्तीसगढ़ में काफी नक्सलियों ने हथियारों के साथ सरेंडर किया है। यह खबरें इनके दलम में पहुंची। इस महिला ने 2022 मैं छत्तीसगढ़ में जॉइनिंग ली थी। 6 माह माड में ट्रेनिंग लिया। फिर रामदेर की गार्ड की जिम्मेदारी उसे दी गई थी। यह महिला नक्सली रामदेर के साथ जनवरी-फरवरी 2025 में यहा आई है और उसके साथ दलम में घूमी है जिसने रामदेव के गार्ड के तौर पर काम किया है।यह महिला किन घटनाओं शामिल रही इसकी पूछताछ की जा रही है।

भरवेली क्रिकेट लीग 2025 का आगाज़

10 से अधिक टीमें ले रहीं हिस्सा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत भरवेली में आयोजित होने वाली भरवेली क्रिकेट लीग की शुरुआत हो गयी है। बीते कई वर्षों से लगातार आयोजित हो रही यह प्रतियोगिता अब क्षेत्र की एक परंपरागत खेल पहचान बन चुकी है। इस क्रिकेट लीग का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं को खेल का मंच प्रदान करना और उन्हें क्रिकेट के माध्यम से अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर देना है। आयोजकों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें सही मंच की जरूरत होती है और भरवेली क्रिकेट लीग इसी सोच के साथ हर साल आयोजित की जाती है। प्रतियोगिता में भरवेली सहित आसपास के गांवों की टीमें भाग लेती हैं। हर वर्ष यहां दर्जनों टीमें पहुंचती हैं और रोमांचक मुकाबले होते हैं। खेल प्रेमी पूरे टूर्नामेंट के दौरान मैदान में पहुंचकर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों का उत्साहवर्धन करते हैं।

ग्राम पंचायत भरवेली में हर साल आयोजित होने वाली भरवेली क्रिकेट लीग प्रतियोगिता इस वर्ष भी पूरे जोश और उत्साह के साथ जारी है। बीते कई वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही यह प्रतियोगिता अब क्षेत्र के युवाओं के लिए खेल का बड़ा मंच बन चुकी है। आयोजन समिति के सदस्य तबरेज पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस क्रिकेट प्रतियोगिता की शुरुआत वर्ष 2015 में की गई थी। तब से लेकर अब तक हर वर्ष इसे बड़े ही धूमधाम और खेल भावना के साथ आयोजित किया जा रहा है। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित

करना और उन्हें क्रिकेट के माध्यम से एकजुट करना है। इस वर्ष की प्रतियोगिता में 10 से 12 टीमों ने भाग लिया है, जिसमें आसपास के गांवों के स्थानीय खिलाड़ी शामिल हैं। प्रतियोगिता लगभग 10 से 15 दिनों तक चलती है, जिसमें हर दिन रोमांचक मुकाबले खेले जाते हैं। दर्शकों में भी उत्साह का माहौल बना रहता है, और हर मैच में खेल प्रेमियों की भीड़ मैदान में देखने को मिलती है। तबरेज पटेल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार 50,000 रूपये और दूसरा पुरस्कार 30,000 रूपये रखा गया है, ताकि खिलाड़ियों को सम्मान और प्रोत्साहन दोनों मिल सके। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बारिश के कारण प्रतियोगिता की गति कुछ समय के लिए प्रभावित हुई थी, किंतु अब मौसम साफ होते ही मैच पुन: शुरू कर दिए गए हैं और सभी मुकाबले समय पर संपन्न कराए जाएंगे। प्रतियोगिता का समापन समारोह 7 या 8 नवंबर को आयोजित किया जाएगा, जिसमें विजेता टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा। आयोजन समिति और स्थानीय लोगों के सहयोग से यह प्रतियोगिता हर वर्ष शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न होती है। तबरेज पटेल ने कहा कि भरवेली क्रिकेट लीग केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और एकता का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने सभी खेल प्रेमियों से आग्रह किया कि वे बड़ी संख्या में मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएं और ग्रामीण खेल परंपरा को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

65 वर्षीय वृद्धा ने अपने घर के अंदर फांसी लगा कर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बंदनिया में एक 65 वर्षीय वृद्धा फुलको बाई पति गजराज टेकाम ने अपने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बिरसा पुलिस ने इस वृद्धा का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बंदनिया में फुलको बाई के परिवार में उसका पति गजराज और बेटा चंदन टेकाम है। करीब 20 वर्षों से फुलको बाई अपने बेटे और पति से अलग अपने भाई महेश धुर्वे के साथ में रहती थी और उसका पति अपने बेटे चंदन टेकाम के साथ छत्तीसगढ़ राज्य में रहता है। फुलको बाई अपने गांव में अकेली ही रहती थी और मजदूरी करती थी। यह भी बताया गया कि फुलको बाई कुछ मानसिक रूप से बीमार हो गई थी। 1 नवंबर की रात्रि में फुलको बाई ने खाना खाई और सो गई थी। 2 नवंबर को सुबह फुलको बाई को उसके घर के अंदर फांसी पर लटके हुए देखी गई। फूलको बाई ने घर के अंदर बल्ली में नायलॉन की रस्सी बांधकर फांसी लगा ली थी। जिसकी सूचना मिलने पर बिरसा पुलिस थाने से प्रधान आरक्षक राजेश परते अपने स्टाफ के साथ ग्राम बंदनिया पहुंचे और मृतिका फुलको बाई का शव बरामद किए। पंचनामा कार्यवाही पश्चात फुलको बाई का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। संभावना व्यक्त की गई है कि फुलको बाई ने मानसिक रूप से बीमार होने से परेशान होकर के फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आगे धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

गायखुरी की मंडई में झूमे लोग महिला शाहिरों की प्रस्तुति ने जीता दिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वैनगंगा मेला समिति गायखुरी द्वारा नगरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 गायखुरी में वैनगंगा नदी तट स्थित शिव मंदिर के समीप तुलसी विवाह ग्यारस पर्व के अवसर पर 1 नवंबर शनिवार को दिन-रात की भव्य मंडई का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर न केवल गायखुरी क्षेत्र बल्कि आस-पास के गांवों से भी बड़ी संख्या में ग्रामीण और नगरवासी पहुंचे और पारंपरिक मंडई का भरपूर आनंद लिया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी।

ग्रामीण संस्कृति की झलक इस मंडई में साफ देखने को मिली, जहां श्रद्धा और उत्सव का सुंदर संगम नजर आया। मंडई में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला, घिसरन, कार्टून शो सहित अनेक प्रकार के खेल और मनोरंजन सामग्री की दुकानें भी लगाई गई थीं। बच्चों में झूलों को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। वहीं, महिलाओं और युवतियों के लिए मनिहारी की दुकानें, श्रृंगार सामग्री, कपड़े और आभूषणों की भी बिक्री की गई, जिससे मंडई का वातावरण और भी रंगीन हो गया। इसके अलावा मंडई में खिलौनों, स्वादिष्ट व्यंजनों की दुकानें भी सजीं, जिन पर लोगों ने जमकर खरीदारी की। स्थानीय व्यापारियों के साथ-साथ बाहरी क्षेत्रों से आए दुकानदारों ने भी अपने-अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया।

मंडई के दौरान शाम ढलते ही पूरा क्षेत्र रोशनी से जगमगा उठा। दीपों और झालरों से सजे हुए शिव मंदिर परिसर ने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक माहौल में बदल दिया। रात्रि के समय आयोजन समिति द्वारा विशेष रूप से महिला शाहिरी मुकाबला कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो मंडई का मुख्य आकर्षण रहा। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध महिला शाहिर गीता बाई उपवंशी (ग्राम खोंगाटोला, मोहगांव) और लक्ष्मीबाई सराठे (खुरपोड़ी) ने अपनी सुमधुर वाणी में महाभारत, ग्रंथों और लोक परंपराओं से जुड़ी शानदार शाहिरी प्रस्तुत की। दोनों महिला शाहिरों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को पूरी रात बांधे रखा। लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान दोनों शाहिरों ने न केवल पारंपरिक वीर रस और भक्ति रस की कविताएं प्रस्तुत कीं, बल्कि अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में एकता, नारी शक्ति और धर्म के प्रति आस्था का भी संदेश दिया। रात्रि तक चले इस शाहिरी मुकाबले में दर्शकों ने भरपूर आनंद उठाया और पूरे आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम के शांतिपूर्ण संचालन के लिए वैनगंगा मेला समिति गायखुरी द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं। समिति के समस्त पदाधिकारियों, महिला समिति और वार्डवासियों ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंडई के सफल आयोजन के बाद नगरवासियों ने कहा कि इस तरह के पारंपरिक मेलों से न केवल संस्कृति जीवित रहती है, बल्कि समाज में आपसी सौहार्द और एकता का भाव भी प्रबल होता है।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म: ग्रामीणों ने निकाली आक्रोश रैली

एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन, आरोपियों के खिलाफ एनएसए की मांग, कार्यवाही न होने पर सेन समाज ने किया जिला बंद का आव्हान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा थाना क्षेत्रांतर्गत गत दिवस हुई सामूहिक बलात्कार की जघन्य वारदात को लेकर ग्रामीणों और सेन समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं नाबालिग पीड़िता ने मुस्लिम समुदाय के दो बालिग एवं दो नाबालिग युवकों पर सामूहिक रूप से दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को परिजनों के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़िता बालिका की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ पास्को एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर दो नाबालिग एवं एक बालिग आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है एवं मुख्य आरोपी अय्यूब खान फरार है। जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है जिससे जल्द गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है। वहीं नाबालिग युवती के साथ हुए दुष्कर्म के मामले के बाद से सर्व हिन्दु समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। रविवार को सर्व हिन्दु समाज एवं ब्लाक सेन (नाई) समाज के लोग आक्रोश रैली निकालकर थाना पहुंचकर एसडीओपी अभिषेक चौधरी को ज्ञापन सौंपकर उक्त मामले में संलिप्त मुख्य आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर सभी पर कठोर से कठोर कार्यवाही करने की मांग की है एवं पीड़िता को न्याय नही मिलने पर सेन समाज के द्वारा जिला बंद करने की चेतावनी भी शासन-प्रशासन को दी गई है।

घटना के बाद से लोगों में आक्रोश व्याप्त, रैली निकालकर की नारेबाजी

आपकों बता दे कि लालबर्रा थानांतर्गत की नाबालिग युवती के साथ गत 26 अक्टूबर को दो बालिग, दो नाबालिग युवकों के द्वारा ब्लैक मेल कर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। जिसके बाद से सामाजिक लोग एवं हिन्दु समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है और आरोपियों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालबर्रा थानांतर्गत की नाबालिग लड़की गत दिवस मंडई घुमने गई थी, तभी चार युवकों ने उसे पकड़कर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिये। वहीं आरोपियों ने इस दौरान घटना का अश्लील वीडियो बनाकर पीड़िता और उसके परिवार को ब्लैकमेल कर रूपये की मांग भी की है एवं रूपये नही देने पर वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी गई थी। इस तरह से आरोपियों के द्वारा पीड़िता एवं उसके परिजनों को लगातार धमकियां दी जा रही थी जिससे पीड़ित परिवार परेशान एवं भयभित हो गया। जिसकी जानकारी उन्होने सामाजिक पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों को दी। जिसके बाद शनिवार को थाना पहुंचकर घटना की रिपोर्ट पीड़िता ने दर्ज करवाई है और पुलिस ने उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए पास्को एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर जांच शुरू कर दी है। वहीं लगातार आरोपियों के परिजनों के द्वारा पीड़िता युवती के परिजनों को दबाव बनाकर धमकियां दी जा रही है जिससे पीड़ित परिवार खासा परेशान है। रविवार को दोपहर में पीड़िता के ग्राम के हनुमान मंदिर चौक में सर्व हिन्दु समाज की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। जिसमें नाबालिग युवती के साथ घटित घटना की सभी ने निंदा करते हुए आरोपियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। बैठक संपन्न होने के बाद सभी सर्व हिन्दु समाज के लोग आक्रोश रैली निकालकर थाने पहुंचे। जिसके बाद ग्राम सर्व हिन्दु समाज एवं सेन समाज के पदाधिकारियों ने एसडीओं को ज्ञापन सौंपकर अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका जुलूस निकलने, एनएसए के तहत कठोर कार्यवाही करने एवं पीड़ित परिवार को पुलिस सुरक्षा प्रदान किये की मांग की गई। साथ ही यह भी कहा कि जो आरोपी अय्यूब खान फरार है जिसके खिलाफ पूर्व में भी थाने में मामले दर्ज है और अपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। जिसका भाई पंचायत में वार्ड पंच भी है जिसके द्वारा गत दिवस महिलाओं के साथ मारपीट भी की गई थी। लेकिन इस मामले में पुलिस ने काउण्टर मामला दर्ज किया है। जबकि उसके द्वारा महिला के साथ मारपीट की गई है इसलिए हमारी मांग है कि ऐसे अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों पर कठोर कार्यवाही की जाये एवं पीड़िता को न्याय दिलवाये। जिसके बाद एसडीओपी श्री चौधरी ने आक्रोशित ग्रामीणजन एवं सामाजिक बंधुओं को आश्वास्त किया है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है एवं कुछ आरोपी गिरफ्तार हो चुके है एवं जो आरोपी फरार है जिसे जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी जिसके बाद सभी आक्रोश शांत हो गया।

फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार करें पुलिस प्रशासन - बालकरण

जनपद सदस्य प्रतिनिधि, पूर्व सरपंच बालकरण पंचेश्वर ने बताया कि थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की के साथ अपराधिक प्रवृत्ति के युवकों के द्वारा सामूहिक बलात्कार किया गया है और वीडियो बनाकर लड़की एवं उनके परिजनों को ब्लैकमेल कर रूपयों की मांग की जा रही थी। जिसकी जानकारी लगने पर पीड़ित परिवार को सहयोग कर न्याय दिलवाने का भरोसा दिलवाया गया है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि पुलिस प्रशासन से मांग है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उन पर कठोर कार्यवाही करें ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनर्रावृत्ति न हो सके।

कार्यवाही नही होने पर समाज करेगा जिला बंद का आव्हान - सत्यनारायण

सेन (नाई) समाज के जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास ने बताया कि नाबालिग बालिका के साथ मुस्लिम समुदाय के युवकों ने गलत कृत्य किया है जिससे पूरे समाज में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजन व स्वजातीय बंधु थाना पहुंचकर एसडीओपी महोदय को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों को गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। जिस पर एसडीओपी साहब ने बताया कि तीन आरोपी गिरफ्तार हो चुके है, मुख्य आरोपी फरार है जिसे जल्द गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही करने आश्वास्त किया है। श्री श्रीवास ने बताया कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों पर कठोर कार्यवाही नही करेगा तो समाज जिला बंद कर आव्हान कर विरोध प्रदर्शन करेगा जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

इनका कहना है

नाबालिग युवती के साथ चार युवकों ने दुष्कर्म किये है, जिसमें दो बालिग, दो नाबालिग युवक है। जिसमें तीन युवक गिरफ्तार हो चुके है, एक फरार है जिसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा, गिरफ्तार युवकों से पुछताछ की जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि सामाजिक लोगों ने थाना पहुंचकर आरोपियों पर कार्यवाही करने एवं पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने ज्ञापन सौंपा है, पीड़ित परिवार को न्याय दिलवाया जायेगा।

सुनिल चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

रामजीटोला में 'धरती के सिंगार' छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम 5 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम रामजीटोला में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर तिरूपति बालाजी मेला समिति के तत्वाधान में आगामी 5 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में तिरूपति बालाजी मेला समिति रामजीटोला पदाधिकारी, जनपद सदस्य दीपक कावरे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर ग्राम में दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए 5 नवंबर को रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ी लोक कलामंच भोथीपार कला, जिला राजनांदगांव (छग) का धरती के सिंगार छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके गायक-गायिका के द्वारा सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील तिरूपति बालाजी मेला समिति रामजीटोला के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने केंद्र सरकार से जनसंख्या नीति जल्द तैयार करने की अपील की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने केंद्र सरकार से जनसंख्या नीति जल्द तैयार करने की अपील की है, ताकि जनसांख्यिकीय असंतुलन को ठीक किया जा सके। होसाबले ने जबलपुर में संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक के अंतिम दिन ये बात कही। उन्होंने कहा, सरकार ने इस खुले मंच पर और संसद में भी उल्लेख किया है। वहां जनसंख्या नीति जितनी जल्दी होगी, उतना ही उसका लाभ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का जिक्र किया था। उन्होंने इससे निपटने के लिए एक उच्चस्तरीय मिशन की भी घोषणा की थी। इसी तरह, फरवरी 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले अंतरिम बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मुद्दे का उल्लेख किया। उन्होंने तीव्र जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों की चुनौतियों पर विचार करने के लिए उच्चस्तरीय समिति की घोषणा की थी।

संघ के महासचिव होसबाले ने कहा कि घुसपैठ, धार्मिक धर्मांतरण और एक ही समुदाय का दबदबा... ये तीन मुख्य कारण हैं जो लोकतंत्र को अस्थिर कर सकते हैं। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण कानून की जरूरत पर जोर दिया। होसबाले ने कहा, सेवा के नाम पर धर्मांतरण चिंता का विषय है।

औल्याकन्हार में श्री लक्ष्मी नारायण, श्री राधाकृष्ण के सहस्त्रनाम का यज्ञ अनुष्ठान कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण में 3 नवंबर को प्रात: 10 बजे से श्री लक्ष्मी नारायण, श्री राधा कृष्ण के सहस्त्रनाम का यज्ञ अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ग्राम स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में श्री लक्ष्मी नारायण, श्री राधा कृष्ण के सहस्त्रनाम का यज्ञ अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रात: 10 बजे कलश यात्रा, पूजन-अर्चन किया जायेगा, दोपहर 1 बजे से यज्ञ अनुष्ठान, शाम 4 बजे से महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने की है।

तुलसी-शालिगराम के विवाह के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया ग्यारस पर्व

ग्यारस पर्व से शुभ मांगलिक कार्य प्रारंभ, जमकर की गई आतिशबाजियां

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा 1 नवंबर को देव उठनी एकादशी ग्यारस पर्व विधि-विधान से धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पर्व को लेकर नगर मुख्यालय में स्थित दुकानों में दिनभर भीड़ रही और लोगों ने पर्व के लिए पूजन सामग्रियों की जमकर खरीदी की। वहीं सुहागिन महिला ने दिनभर व्रत रखकर अपने-अपने आंगनों में एक से बढ़कर एक सुन्दर रंगोली उकेरी और शाम होते ही घर आंगन में गन्ने का मंडप बनाकर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भगवान को नये फल सिंघाड़ा, सीताफल, बेर, चना भाजी, आंवला, विभिन्न व्यंजन मौसमी फल एवं सब्जियां आदि सामग्री चढ़ाकर पूजन अर्चन की गई। जिसके बाद माता तुलसी व भगवान सालिगराम का वैदिक मंत्तोंचार के द्वारा विवाह रचाया गया। आपकों बता दे कि देवउठनी ग्यारस के बाद से शादी विवाह का दौर भी प्रारंभ हो गया है। हालांकि इस वर्ष गन्ने की महंगाई की मार से जूझते दिखे लेकिन फिर भी लोगों ने गन्ने की खरीदी कर तुलसी विवाह संपन्न करवाया।

बाजारों में रही रौनक, जमकर बिके गन्ना एवं सिंघाड़े

देवउठनी ग्यारस पर्व पर नगर मुख्यालय स्थित हाई स्कूल मार्ग पर क्षेत्रीय कृषकों के द्वारा गन्नों की दुकानें लगाई गई थी। जहां क्षेत्रीयजनों के द्वारा गन्नों एवं सिंघाड़ों की जमकर खरीददारी की गई और गांव-गांव से मार्केट में लाये गये गन्ने इस वर्ष 20 से 25 रूपये प्रति नग के हिसाब से बेचे गये। इसके अलावा सिंघाड़ों के दाम आवक को देखते हुए 100 रूपये सैकड़ा के हिसाब से विक्रय की गई। इस ग्यारस पर्व के अवसर पर माता तुलसी एवं सालिगराम का विवाह संपन्न होने के बाद लोगों ने जमकर आतिशबाजियां कर एक-दुसरे को देवउठनी ग्यारस पर्व की शुभकामनाएं भी दी। चर्चा में व्रतधारी महिलाओं ने बताया कि विष्णु भगवान चार माह के लिए सो जाते है इसलिए चार माह तक कोई वैवाहिक कार्यक्रम नही होते है और देवउठनी के दिन भगवान विष्णु जी उठते है इसलिए 1 नवंबर को देवउठनी ग्यारस पर्व हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें सुबह से सुहागन महिलाएं व्रत रखती है और चुने से भगवान विष्णु का चरण बनाकर उसके ऊपर चौरंग रखकर विधि-विधान से पूजा अर्चन कर गन्ने से सजे मंडप में माता तुलसी व सालिगराम का विवाह संपन्न करवाया गया जिसके बाद वैवाहिक एवं अन्य शुभ कार्य प्रारंभ हो जाते है। साथ ही यह भी बताया कि इस देवउठनी पर्व पर चूने का विशेष महत्व रहता है और सुबह से ही पर्व की तैयारियां शुरू कर दी जाती है। जिसमें नये फल, बेर, चना बाजी व अन्य सामग्रियां से पूजा की जाती है एवं यह पर्व हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा धूमधाम से मनाने के साथ ही दीपावली पर्व की तरह ही आतिशबाजियां भी की जाती है। साथ ही देवउठनी ग्यारस पर्व के साथ ही शुभ एवं मांगलिक कार्य प्रारंभ हो गये है और तुलसी माता से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में खुशहाली बनाये रखे।

खबर का असर: 6 नवंबर तक होगा धान का पंजीयन, किसानों को बड़ी राहत

शासन ने बढ़ाई समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए पंजीयन की तिथि

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बालाघाट जिले के किसानों के द्वारा खरीफ सीजन में धान की फसल लगाई जाती हैं। वहीं सरकार के द्वारा प्रतिवर्ष किसानों की उपज को समर्थन मूल्य में खरीदी करने के पूर्व सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों का पंजीयन किया जाता है। लेकिन प्रचार-प्रचार एवं जानकारी के अभाव में पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर तक बहुत ही कम किसानों ने पंजीयन करवा पाये थे। ऐसी स्थिति में जिन किसानों ने समर्थन मूल्य में उपज विक्रय करने के लिए पंजीयन नही करवाये थे, ऐसे किसान खासा परेशान थे और उन्हे समर्थन मूल्य के लाभ से वंचित होने का डर सता रहा था। इसलिए छुटे किसान सेवा सहकारी समितियों में पहुंचकर पंजीयन हेतु प्रबंधकों से गुहार लगा रहे थे और सरकार से पंजीयन की तिथि बढ़ाने की मांग कर रहे थे। लेकिन उनकी कोई सुनवाई नही हो पा रही थी। किसानों की इस समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रसार-प्रसार एवं जानकारी के अभाव में सैकडों किसान पंजीयन से हुए वंचित नामक शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद शासन-प्रशासन के द्वारा किसानों की इस जायज मांगों के संबंध में अखबार में समाचार प्रकाशित होने के बाद खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय भोपाल के द्वारा 31 अक्टूबर 2025 को एक पत्र जारी कर धान पंजीयन की तिथि 6 नवंबर तक बढ़ा दिया है। इस तरह से जिले के किसानों के लिए पंजीयन की तिथि बढ़ जाने से किसानों में हर्ष व्याप्त है। वहीं पंजीयन की तिथि बढ़ जाने के बाद जो किसान समर्थन मूल्य में उपज विक्रय करने के लिए पंजीयन नही करवा पाये थे। ऐसे किसान सेवा सहकारी समितियों में पहुंचकर पंजीयन करवा रहे है।

छुटे किसान समयावधि में पंजीयन करवाकर समर्थन मूल्य का ले लाभ

आपकों बता दे कि सरकार के द्वारा प्रतिवर्ष किसानों की खरीफ सीजन में लगाई गई धान की फसल को समर्थन मूल्य में खरीदी करती है । उसके पहले किसानों को अपनी उपज विक्रय करने के लिए पंजीयन करवाना पड़ता है। वहीं वर्ष 2025-26 में उपज विक्रय करने के लिए पंजीयन की अंतिम तारीख 10 अक्टूबर था। यानि की राज्य शासन के द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए पंजीयन की जो पूर्व तिथि निर्धारित की गई थी, उसका व्यापक प्रचार-प्रसार नहीं हो पाया था। इस कारण जिले सहित लालबर्रा विकासखण्ड के सैकड़ों किसान समय रहते अपना पंजीयन नहीं करवाये थे और पंजीयन से वंचित रह जाने के कारण उन्हें अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने में कठिनाई आने का डर सता रहा था। इस तरह से लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत आने वाली 9 सेवा सहकारी समितियों के 4 से 5 सौ किसान पंजीयन से वंचित हो चुके थे। इस गंभीर समस्या को देखते हुए विभिन्न किसान संगठनों एवं प्रभावित किसानों ने लगातार पंजीयन की तिथि बढ़ाने की मांग शासन-प्रशासन से कर रहे थे। वहीं बालाघाट एक्सप्रेस अखबार ने किसानों की इस जायज मांग और उनकी परेशानी को समझते हुए इस मुद्दे को अपने अंक में प्रमुखता से प्रकाशित भी किया था। वहीं खबर प्रकाशन के बाद प्रशासन ने किसानों के हित में तत्काल मामले को संज्ञान में लिया और किसानों की सुविधा और परेशानी को दूर करने के उद्देश्य से प्रशासन के द्वारा पंजीयन की समयसीमा को अब 6 नवंबर तक बढ़ा दिया गया है। पंजीयन की तिथि बढ़ जाने से छुटे किसान पंजीयन करवाकर समर्थन मूल्य का लाभ ले सकते है।

समयावधि पर करवाये पंजीयन - सुभाष

दूरभाष पर चर्चा में बहुउद्देशीय सेवा सहकारी मर्यादित समिति लालबर्रा के सहायक प्रबंधक सुभाष बोपचे ने बताया कि समर्थन मूल्य में उपज विक्रय करने के लिए पंजीयन की तिथि 6 नवंबर तक बढ़ चुकी है एवं जिन किसानों ने पंजीयन नही करवा पाये थे। उनकी सूची पूर्व में प्रशासन को भेजी गई थी जिनका पंजीयन किया जा रहा है एवं जिनकी सूची नही भेजी गई थी ऐसे किसान समितियों में पहुंचकर समयावधि पर पंजीयन करवाये।

फसल बीमा में नुकसानी का 70 प्रतिशत से अधिक मुआवजे की मांग

किसानों ने फसलों का सर्वे कार्य तेजी से करने प्रशासन से लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र अंतर्गत गत दिनों हुई बारिश से भारी अतिवृष्टि खेतों में देखने के लिए मिल रही है। जहां किसानों को ५० से ७० प्रतिशत तक उपज में नुकसानी का सामना करना पड़ा है। जिसमें किसानों के द्वारा प्रशासन के द्वारा गत दिनों से किया जा रहे सर्वे को लेकर आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रत्येक किसानों के खेत का सर्वे करने सर्वे की गति को बढ़ाने की मांग की गई है। ताकि हर किसानों को हुए नुकसानों का वाजिब मुआवजा प्राप्त हो सके। वर्तमान में किसानों की उपज बहुत ज्यादा खराब हो जाने से कई किसान तो अपनी उपज को वैसे ही खेत में छोड़ चुके हैं। तो वहीं कई किसान अपने खेतों में उपज को सूखने के लिए पलटने का कार्य कर रहे हैं। इस दौरान खेतों में कटी फसल भी अंकुरित होती नजर आ रही है। ऐसे में किसानों के माथे पर गहरी चिंता की लकीरें देखने को मिल रही है। उनके द्वारा शासन की फसल बीमा योजना अंतर्गत उन्हें ७० प्रतिशत से अधिक मुआवजा दिलाने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है। ताकि उन्हें होने वाले नुकसान कि वह भरपाई कर सके या शासन के द्वारा कर्ज माफी की जाए ताकि किसानों को होने वाली समस्या का निराकरण हो सके।

किसानों में फसल बीमा के प्रति रोष व्याप्त

शासन के द्वारा फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है। जिसमें किसानों का स्वैच्छिक बीमा करवाया जाता है। जिसमें प्रति हेक्टेयर ९४० रुपये लिए जाते हैं जिसमें किसानों की फसल क्षति होने पर हुए मुआवजा दिया जाता है। जिसमें किसानों को मुआवजा उपज तो दूर लागत के बराबर भी प्राप्त नहीं होता है। जिससे किसान परेशान है क्योंकि शासन के द्वारा उक्त नुकसानी का मुआवजा फसल बीमा के तहत देने के लिए आदेश जारी कर दिया गया है। ऐसे में किसानों में रोष व्याप्त है कि फसल बीमा के अंतर्गत उन्हें कितना मुआवजा मिलेगा क्या पैमाना होता कितने प्रतिशत रिकवर होगा। वहीं जो सर्वे किया जा रहा है वह कितना कारगर है और किसी व्यक्ति तक किया है। सर्वे टीम के द्वारा पहुंचकर उसके खेतों का जायजा लिया जा रहा है। ऐसी कई प्रकार की समस्या को देखते हुए किसानों में फसल बीमा के प्रति रोष व्याप्त हैं।

शासन को किसानों का कर्जा माफ कर फसल बीमा का ७० प्रतिशत लाभ मिलना चाहियें-दुर्योधन

किसान दुर्योधन हनवत ने बताया कि मेरी एक हेक्टेयर भूमि है पूरी फसल वहां बर्बाद हो चुकी है। परिवार को अब कैसे पाला जाए शासन का जो कर्ज है उसे कैसे चुकता किया जाए यह परेशानी हमारे सामने खड़ी है। बहुत दिक्कत का विषय हो गया है फसल एक भी हमें बच नहीं रही है शासन को किसानों का कर्ज माफ करना चाहिए या फसल बीमा अंतर्गत नुकसान का ७० प्रतिशत दिया जाना चाहिए। इतना तो आज तक देखने को भी नहीं मिला है हर जगह स्थिति खराब है। यदि यह शासन ने नहीं किया तो हमें डिफाल्टर से बचने के लिए और कर्ज बाहर से लेना होगा। जिससे हमारी समस्या बढ़ेगी। क्योंकि थोड़ी बहुत भी फसल हमें नहीं हो रही है।

बारिश और मऊ ने फसल को चौपट कर दिया है-अश्वनी

अश्वनी बिसेन ने बताया कि किसानों की स्थिति दयनीय हो गई है पानी और मऊ ने फसल को चौपट कर दिया है। फसल घर तक आना बहुत मुश्किल हो गया है क्योंकि फसल उठा नहीं पा रहे हैं हम सभी किसानों ने कर्ज लेकर यह फसल लगाई है। परंतु अब उसे देने में हम असमर्थ है क्योंकि फसल नहीं हो रही है शासन को फसल बीमा से पूरा मुआवजा हमें दिलाना चाहिए। ताकि हम इन कर्ज से मुक्त हो सके या हमारा कर्ज माफ कर दे दोनों स्थिति में शासन को विचार करना चाहिए।

१० प्रतिशत ही हो रहा किसानों का सर्वे कार्य-उपेंद्र

उपेंद्र बिसेन ने बताया कि सितंबर माह में धान कटाई होना था अतिवृष्टि से फसल चौपट हो गई। किसान पूरा त्रस्त हो चुका है अभी कर्ज देना है घर चलना है पढ़ाई करवाना हैं। २८ अक्टूबर को सरकार ने ग्राम कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से मैसेज आया कि सर्वे कराना है। किसान के खेत में मुनादी २७ एवं २८ को की ग्राम में १० किसानों के खेतों तक यह सर्वे टीम पहुंची है मुश्किल से १० प्रतिशत किसानों का सर्वे हुआ है। इसमें भी पटवारी जो राजस्व रिकॉर्ड का नाप जोक रखता है उसे सर्वे में ला रहे हैं। मुआवजा कितना मिलना है इसकी कोई जानकारी नहीं है, फसल बीमा से मुआवजा मिलेगा यह शासन ने बता दिया है। अब जो कॉर्पोरेट और राष्ट्रीय बैंक के किसान है जिन्होंने कर्ज लिया है उन्हें प्रति हेक्टेयर ९४० रुपये यानी ३४० रुपये एकड़ फसल बीमा का प्रीमियम देना था। उसमें ५० प्रतिशत किसान बीमा नहीं करवाए हैं क्या क्राइटेरिया है कितना प्रतिशत लाभ मिलेगा कुछ पता नहीं है। किसानों की मांग है कि सरकार और जनता के जनप्रतिनिधियों को किसानों के हित में कर्ज माफ करवाना चाहिए क्योंकि फसल बीमा में हम १०० से २०० रुपये का मुआवजा नहीं लेंगे।

किसानों को बीमारी और अतिवृष्टि से हुआ दोहरा नुकसान हम किसानों के साथ खड़े है-प्रदीप

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि बारिश के कारण क्षेत्र के किसानों को भारी नुकसान हुआ है। हमारे द्वारा क्षेत्र के सभी आर आई ,पटवारियों को किसानों के खेतों में जाकर सर्वे कार्य तेज गति से करने के लिए बोल दिया गया है। क्योंकि किसानों को बीमारी और अतिवृष्टि से दोहरा नुकसान हुआ है। और जहां भी किसानों को समस्या होगी हम किसानों के साथ खड़े है ,किसानों की समस्या को सरकार तक पहुंचाना और उन्हे लाभ दिलाना हमारा काम है । फसल बीमा क्लेम जो है वह सर्वे के आधार पर किसानों को मिलेगा और वह कंपनी देगी। शासन के पास नुकसानी के आंकड़े पहुँचेंगे तो नुकसानी का आकलन करने के लिए सर्वे के निर्देश दिए हैं। जिनका सर्वे नहीं हो पा रहा है वह किसान शासन प्रशासन और हमे भी शिकायत करें जिससे सभी किसानों को मुआवजा नुकसानी के आधार पर मिले। हमारे द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की मंडई मेलो में जाकर भी किसानों के साथ चर्चा कर उनकी समस्या को सुनी जा रही है और ग्राम में जाकर फसलों में हुई नुकसानी का निरिक्षण कर शासन को अवगत भी कराया जा रहा है। और इस संबंध में सरकार से बात भी जाएगी और जरूरत पडेगी तो सुधार भी किया जाएगा।

झाड़गाव मंडई में दुय्यम डंडार का हुआ जंगी मुकाबला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत झाडगांव में १ नवंबर को मंडई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी हर्ष उल्लास के साथ आयोजित किया गया। जिसमें दुय्यम डंडार कार्यक्रम के आयोजन में विधायक विवेक पटेल

के मुख्य आतिथ्य, सरपंच श्रीमती भाग्यश्री पवन चखले की अध्यक्षता ,जिला पंचायत सदस्य लोमहर्ष बिसेन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें पारंपरिक रूप से डंडार का जंगी मुकाबला पूरे रात चला। जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम का आनंद लिया गया। क्षेत्र में ग्राम झाड़गांव की मंडई बहुत ज्यादा प्रसिद्ध है जो नवमी तिथि को प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। जिसका इस वर्ष भी ३० अक्टूबर को आयोजन किया गया था किंतु भारी बारिश के कारण कार्यक्रम स्थगित कर एक नवंबर को रखा गया था। जिसमें ३० अक्टूबर को ही पूरी मंडई भर चुकी थी परंतु उन्हें यथावत रहने के लिए अपील की गई। जिसके बाद १ नवंबर की सुबह से बड़ी संख्या में गांव के अंदर से बाहर तक विभिन्न साज सज्जा ,खाद्य सामग्री की दुकान सजी रही। जहां वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र ही नहीं जिले के लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराकर मंडई का लुफ्त उठाया। तो वहीं इस दौरान ग्राम में मध्य प्रदेश ,महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के रिश्तेदार भी ग्रामीणों के घरों में उपस्थित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विवेक पटेल ने कहा कि इस प्रकार मंडई कार्यक्रम परस्पर मुलाकात और आपसी सद्भावना बढ़ाने का मध्य है। इस अवसर पर ग्राम के सभी लोग जो बाहर मेहनत मजदूरी करते हैं वह वापस आते हैं रिश्तेदार प्रत्येक घर में आते हैं। इस प्रकार से यह मंडई कार्यक्रम हमारी परंपरा में शामिल है जो हमें एक दूसरे से बांधे रखता है। झाड़गांव की मंडई ऐतिहासिक मंडई है जो पूरे जिले में अपने आयोजन को लेकर जानी जाती है। हर साल यहां दुय्यम डंडार होती है और बड़ा आयोजन लोगों को देखने मिलता है ,यह कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को धर्म से जोड़ने का भी कार्य किया जा रहा है। आप सभी को मंडई की शुभकामनाएं आपके सरपंच के द्वारा लगातार ग्राम विकास के कार्य किया जा रहे हैं। झाड़गांव के विकास में रुपये की कोई कमी नहीं आएगी हम और आप सभी मिलकर ग्राम का विकास करेंगें जैसा आप बोलेंगे वैसा कार्य करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक व ग्रामीण जन मौजूद रहे।

'नो हेलमेट नो राइड' का पुलिस ने दिया संदेश

वारासिवनी में १६ मोटरसाइकिल से ४८ सौ रूपये की हुई चालानी कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के दीनदयाल चौक पर २ नवंबर को वारासिवनी पुलिस के द्वारा वाहन चेकिंग पॉइंट लगाया गया। जहां नो हेलमेट नो राइड का संदेश देते हुए वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही की जाती रही। हालांकि इस दौरान यह पॉइंट करीब १ घंटे तक लगा रहा जहां मोटरसाइकिल चालकों में हड़कंप देखने को मिला। लोग आधे रास्ते से पलट कर भागने लगे तो वहीं कई लोग रफ बाइक चलाते हुए तेजी से पुलिस के सामने से भागने में कामयाब हो गए। हालांकि इन तेज गति से भाग रही मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास पुलिस प्रशासन के द्वारा नहीं किया गया कि कहीं कोई दुर्घटना घटित ना हो। वहीं लगातार नगर सहित क्षेत्र के लोगों को रोककर हेलमेट लगाने के लिए हिदायत भी दी जाती रही। यह कार्यवाही जिला पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा की पहल एवं मार्गदर्शन पर प्रारंभ की गई है। जिसमें १ नवंबर से जिले में समस्त थाना क्षेत्र के लोगों को घर से मोटरसाइकिल में सवार होकर निकलने के साथ हेलमेट लगाकर निकलने के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अन्यथा संबंधित पर चालानी कार्यवाही की जा रही है ऐसे में जिले में १ नवंबर से तो यह कार्यवाही प्रारंभ हो गई थी। वारासिवनी नगर क्षेत्र में यह कार्यवाही २ नवंबर की दोपहर में देखने को मिला यह वाहन चेकिंग पुलिस के द्वारा दीनदयाल चौक में लगाई गई। जहां पर नगर के बस स्टैंड, रामपायली और बालाघाट सहित समस्त मार्गो से आ रहे लोगों को रोककर हेलमेट लगाने की समझाइए देकर चालानी कार्यवाही की गई। हालांकि इस दौरान कुछ लोगों के द्वारा पुलिस आरक्षकों के साथ बहस भी की गई। किंतु पुलिस प्रशासन में शांतिपूर्वक उन्हें हेलमेट लगाकर निकलने के लिए निर्देश दिए। वहीं हेलमेट नही लगाने पर ३०० रूपये का चालान किया गया ऐसे १६ मोटरसाइकिल को रोककर ४८०० रूपये की चालानी कार्यवाही पुलिस के द्वारा की गई। उक्त कार्यवाही दीनदयाल चौक पर करीब १ घंटे उपनिरीक्षक सुरेंद्र उइके एवं पुलिस बल की उपस्थिति में चली। इस दौरान बिना हेलमेट मोटरसाइकिल चला रहे लोगों में बहुत ज्यादा हड़कंप देखने को मिला जहां लोग चौक पर पुलिस को देखकर आधे रास्ते ही मुड़कर दूसरे रास्ते से निकलने का प्रयास करते रहे। तो वहीं बाहर से आने वाले लोग दूर ही अपनी मोटरसाइकिल रोक कर पुलिस चेकिंग हटने का इंतजार करते दिखाई दिए। पुलिस चेकिंग देख कर कुछ लोगों के द्वारा चौक के पास विक्रय हो रहे हेलमेट की खरीदी कर चालानी कार्यवाही से बचने का कार्य किया गया। इस दौरान मौके पर पुलिस अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से क्षेत्र में हुआ विकास कार्य-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम सिकन्द्रा के पटेलटोला, रामपायली के कस्बीटोला, सावरी के लोधीटोला की मण्डई में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने शामिल होकर एकता व संस्कृति के प्रोत्साहन के प्रयासो की सराहना की। साथ ही इन पंचायतो के विकास कार्यो की समीक्षा कर जनता को शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे विषयो में जागरूक भी किया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की आज रामपायली क्षेत्र विकास कार्यो की झड़ी के कारण बदला हुआ नजर आ रहा है। बिठली पूल,नागथाना रोड़ जैसे बड़े कार्यो के कारण एक नयी चमक देखी जा रही है। हमारे समय में रामपायली मेले में प्रसिद्व भजन गायिका अनुराधा पौडवाल जैसी गायिका के स्वर भी गूंजे है। ग्राम सिकंदरा के पटेलटोला में मण्डई के अवसर पर ड्रामा कार्यक्रम में शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने सभी को ग्रामीण उत्सव व देवउठनी ग्यारस तुलसी विवाह की शुभकामनाएं प्रदान की। साथ ही कलाकारों के अभिनय व संवाद शैली की सराहना करते हुए कहा की सांस्कृतिक कार्यक्रमो में हमारा शामिल होना भी एक पार्ट है। इससे हमारी एकता,संस्कृति के साथ ग्रामीण विकास का चिंतन भी हो जाता है। इस दौरान सुभाष पारधी ,कन्हैया खैरवार , विनय सुराना, माणिक ठाकरे, अमित चौधरी,घनश्याम पारधी,वीरेंद्र पारधी शानू भाई, नन्दकिशोर राणा,शिव राणा, रितिक पटले, युवराज राणा ,रुस्तम दमाहे,श्रीमती पुष्पावती लिल्हारे ,भुवन मेश्राम,पदम् दमाहे,रमेश मेश्राम,कवन मेश्राम मौजूद रहे।

प्रगतिशील कलार समाज ने भवन परिसर में किया वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रगतिशील कलार समाज के द्वारा रविवार को समाज भवन गंगोत्री नगर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भगवान सहस्त्रबाहु की पूजा अर्चना के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया गया और समाज के विकास की नई रूपरेखा तैयार की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के संरक्षक प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री और अध्यक्ष सुनील पिपरेवार के द्वारा किया गया। जिसमें सर्वप्रथम भगवान सहस्त्रबाहु के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम को विधिवत रूप से प्रारंभ किया। इसके तुरंत बाद पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए, समाज बंधुओं ने मिलकर वृक्षारोपण कर परिसर को हरा भरा करने का कार्य किया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने समाज के लिए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। और समाज को आगे बढ़ाने तथा एकजुटता बनाए रखने के संबंध में विचार व्यक्त किए। जिससे उपस्थित सभी सदस्यों में नई ऊर्जा का संचार हुआ। समाज को नई दिशा देने और युवा शक्ति को संगठित करने के उद्देश्य से आज युवा मंडल का गठन किया गया। इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में सर्वसम्मति से युवा मंडल के अध्यक्ष के रूप में कुलदीप डहरवाल एवं सचिव के अभिषेक चंद्रावर को मनोनीत किया गया। नवनियुक्त युवा मंडल अध्यक्ष और सचिव को आगामी रविवार तक अपनी पूर्ण समिति

का गठन करने के निर्देश भी प्रदान किये गये। इस दौरान श्रीमती श्रीति पालेवार, श्रीमती हर्षिता शिवहरे, मनीषा पिपरेवार, श्रीमती स्मिता जायसवाल, आशा लता शेंडे, श्रीमती विजेता सोनेकर, श्रीमती आरती सोनेकर, श्रीमती गीता कावड़े सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

संपादकीय

नरमी के संकेत

आज तेजी से बहुध्रुवीय होती दुनिया में वैसे भी किसी देश के लिए यह संभव नहीं है कि वह लंबे समय तक सिर्फ अपने हित में एकतरफा नीतियां लागू करता रहे और उसे दूसरे देशों को मानने पर मजबूर करे। अब आर्थिक से लेकर राजनीतिक स्तर पर शक्ति किसी खास देश में स्थिर या सीमित नहीं है और पिछले दो-तीन दशकों के दौरान विश्व में तेजी से नए ध्रुव खड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में महाशक्ति होने के बावजूद अमेरिका वैश्विक सहयोग और परस्पर निर्भरता के सिद्धांत को अपनी ओर से कुछ समय के लिए टाल भले दे, लेकिन उसे पूरी तरह खारिज नहीं कर सकता। यही वजह है कि कुछ महीने पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह दूसरे कई देशों से आयातित वस्तुओं पर शुल्क लगाने की घोषणा की थी, उस पर उन्हें दोबारा विचार करना पड़ रहा है। एक ओर, भारत ने अपने ऊपर रूस से तेल खरीद पर जुर्माना समेत पचास फीसद तक शुल्क लगाने के बावजूद अपनी नीतियों में कोई बड़ा बदलाव करना जरूरी नहीं समझा, तो दूसरी ओर चीन भी इससे बहुत चिंतित नजर नहीं आया।

> दुसरे देशों की आर्थिक नीतियों को प्रभावित या संचालित करने की कोशिश के बाद अब अमेरिका इस वास्तविकता को स्वीकार करता दिख रहा है कि दुनिया में राजनीतिक से लेकर आर्थिक स्तर पर शक्ति के ध्रुव जिस रफ्तार से बदल रहे हैं, उसमें कोई एक देश अपना वर्चस्व सब पर थोप नहीं सकता।

अब बीते कुछ दिनों से अमेरिका की ओर से जैसे संकेत आ रहे हैं, उससे साफ है कि शुल्क लगाने को लेकर उसके रवैये में थोड़ी नरमी आ रही है। दरअसल, दक्षिण कोरिया के बुसान में आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान गुरुवार को अमेरिका और चीन के राष्ट्रपति के बीच मुलाकात के बाद एक-दूसरे के साथ व्यापार को फिर से पटरी पर लाने पर सहमति बनी। उसके बाद व्यापार युद्ध जैसी स्थिति के खत्म होने की उम्मीद की जा रही है। यों भी, अगर अमेरिका अपने रुख में बदलाव नहीं लाता है, तो व्यापार युद्ध के असर की आंच उस तक भी पहुंच सकती है। इस क्रम में शी जिनपिंग से बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि चीन के साथ अब दुर्लभ खनिज के व्यापार का मुद्दा सुलझा लिया गया है। इसके साथ ही अमेरिका की ओर से चीन पर लगाए गए शुल्क में दस फीसद की कमी कर दी गई। बदले में अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन खरीदने के लिए चीन तैयार हो गया है। गौरतलब है कि दुनिया भर में करीब सत्तर फीसद दुर्लभ खनिजों का खनन चीन में होता है। यही नहीं, इसके प्रसंस्करण और निर्यात के लिए भी दुनिया की नब्बे फीसद निर्भरता चीन पर है। यानी संभव है कि इस मामले में चीन की मजबूत स्थिति को देखते हुए ही अमेरिका के रुख में बदलाव आया हो।

हालांकि एक दिन पहले ट्रंप ने भारत को लेकर भी पहले के मुकाबले काफी नरम रवैया दर्शाते हुए कहा था कि भारत के साथ अमेरिका व्यापार समझौता कर रहा है। साथ ही, चाबहार बंदरगाह परियोजना पर भी अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत को छह महीने की छूट देने की घोषणा सामने आई। जाहिर है, दूसरे देशों की आर्थिक नीतियों को प्रभावित या संचालित करने की कोशिश के बाद अब अमेरिका इस वास्तविकता को स्वीकार करता दिख रहा है कि दुनिया में राजनीतिक से लेकर आर्थिक स्तर पर शक्ति के ध्रुव जिस रफ्तार से बदल रहे हैं, उसमें कोई एक देश अपना वर्चस्व सब पर थोप नहीं सकता। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि परस्पर सहयोग के लिए एकतरफा तौर पर तय की गई कसौटियां दबाव की नीति के तहत बहुत लंबे समय तक संचालित नहीं की जा सकतीं। अपने हित को सुनिश्चित करने के क्रम में किसी दूसरे देश की नीतियों पर असर डालना या उसके स्वतंत्र फैसलों को बाधित करना उचित नहीं है।

नीतीश कुमार इतने विवश ?

नीतीश कुमार को इतना मजबूर कभी नहीं देखा, जितना अब देख रही हूं। रिपोर्टिंग के दौरान उनके भाषणों को करीब से सुना है, बिहार की जनता के लिए उनका प्यार देखा है, लेकिन अपनी सत्ता बचाने के लिए उन्होंने जो समझौते किए वो बिहार के लिए सही नहीं कहे जा सकते। ब्यूरोक्रेसी जिस तरह से हावी रही और जनता परेशान रही, इसके लिए उन्हें माफ नहीं किया जा सकता।

लालू यादव से उनकी दोस्ती देखी है और भाजपा से ना चाहते हुए

भी सियासत चलाने के लिए गठबंधन भी देखा है। लेकिन कहते हैं ना राजनीति में कोई किसी का सगा नहीं होता और सियासी रिश्तों की कोई उम्र नहीं होती।

एक बात माननी होगी कि नीतीश कुमार ने कभी बिहार को हिन्दू मुस्लिम में बंटने नहीं दिया, धर्म के नाम पर लोगों को कटने नहीं दिया। आत्मविश्वास से भरे रहने वाले नीतीश कुमार की सियासत का ये आखिरी चुनाव होगा, लेकिन उनकी मजबूरी और मायूसी साफ दिखाई दे रही है, लेकिन वो ये जानते हैं कि अभी थोड़े भी कमजोर पड़े तो हाशिए पर धकेल दिए जाएंगे। उन्होंने कभी जे डी यू का ऐसा सेकंड मेन तैयार नहीं किया जो पार्टी को उनकी तरह सम्भाल सके। उन्होंने ऐसे लोगों पर भरोसा किया जो उनकी सोच से परे थे।

नीतीश की खुद से खुद की जंग है और सामने उनकी पार्टी है जिसे उन्होने सींचा है, इस बार का चुनाव उनकी सियासत और पूरे सियासी जीवन का निचोड़ है, देखना होगा वो खुद को और अपनी पार्टी को कितना और कैसे बचा सकते हैं।

बिहार चुनाव में संघ की वृहत्तर भूमिका

पुष्परंजन

यह संयोग रहा है, कि 2025 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में बिहार विधानसभा चुनाव आहूत किया गया. क्या बिहार विधानसभा चुनाव में संघ की कोई भूमिका होगी ? सरसंघ चालक मोहन भागवत मार्च 2025 में पांच दिन के दौरे पर थे, जिसमें सुपौल में एक स्कूल की बिल्डिंग का उद्घाटन करना, और आरएसएस कार्यकर्ताओं से मिलना शामिल था। इसके तीन महीने बाद, संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जून 2025 में दो दिन का दौरा भी पूरा किया, जिसमें उनके द्वारा पटना में अंदरूनी मीटिंग्स और ट्रेनिंग कैंप्स को संबोधित करना शामिल था। यह बात टिकट बाँटने तक मुट्ठी में बंद थी, कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बीजेपी के संभावित प्रत्याशियों को लेकर चुनाव पूर्व कोई सर्वे कराया था।

लेकिन, चुनाव से पहले संघ का जमीनी विस्तार एक बड़ा लक्ष्य था. मार्च 2022 तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बिहार में 1,198 जगहों पर 1,733 'शाखाएं' चल रही थीं. 639 जगहों पर हर हफ़्ते गेट-टुगेदर मीटिंग, और 169 स्थानों पर संघ मंडली का संचालन हो रहा था. संघ ने बिहार में 641 सेवा बस्ती की पहचान की थी, जहाँ इनके वॉलंटियर सेवाएं देते हैं. तीन साल पहले तक इनमें से 80 सेवा बस्तियों में शिक्षा और संस्कार देने का काम चल रहा था. दक्षिण बिहार प्रांत के संघचालक राजकुमार सिन्हा ने 16 मार्च 2022 को कहा था, बिहार में विस्तार योजना 2025 में संघ के शताब्दी वर्ष को शानदार तरीके से मनाने के लिए तय किए गए लक्ष्य के हिस्से के तौर पर लागू की जाएगी। तब उन्होंने यह भी जानकारी साझा की थी, कि अगले दो वर्षों में बिहार के सभी 534 ब्लॉक में हमें अपनी गतिविधियां और संगठनात्मक काम बढ़ाना है. 2025 के शताब्दी वर्ष तक राज्य भर के सभी 5,800 मंडलों में अपनी शाखा का विस्तार हमारा लक्ष्य रहेगा।

इस बार बिहार में भाजपा की लड़ाई सहज नहीं रह गई. विश्लेषक बताते हैं कि बिना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सपोर्ट के बेड़ा पार करना संभव नहीं है. आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मिशन त्रिशूल का शुभारंभ राज्य में भाजपा की सफलता सुनिश्चित करने के लिए ही किया था। बिहार में त्रिशूल रणनीति हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में चुनावी सफलता के बाद अपनाई जा रही है। स्वयंसेवकों को मार्च 2025 तक एक सर्वे के जरिए तीन मुद्दों का पता कर प्रांतीय बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी. ये तीन विषय थे- नाराज वोटरों और प्रमुख मुद्दों की पहचान करना, यह पता लगाना कि बिहार में कौन सा विषय सबसे ज्यादा प्रभावी है, कौन सा मुद्दा बीजेपी के लिए फायदेमंद होगा, और कौन सा नुकसानदेह।

मिशन त्रिशूल को भाजपा के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे क्रियान्वित करने के लिए,आरएसएस ने एक व्यापक जमीनी अभियान शुरू किया। स्वयंसेवकों को स्थानीय शाखाओं का विस्तार करने, समुदाय से जुड़ने, और समर्थकों का एक मज़बूत नेटवर्क तैयार करना था, जो भाजपा के पक्ष में जनमत को अपने आईने में उतार सके। स्वयंसेवक बेरोज़गारी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अधोसंरचना जैसे मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो बिहार के लोगों के लिए प्रासंगिक हैं। बीजेपी के संकल्प पत्र तैयार करने में मिशन त्रिशूल से मिली रिपोर्ट को भी ध्यान में रखा गया.

बिहार में भाजपा की सफलता की गारंटी तो सौ फीसदी नहीं है, लेकिन आरएसएस के प्रयासों ने पार्टी की जीत की संभावनाओं को ज़रूर बढ़ा दिया है। सितंबर

2025 तक संघ के लगभग 20 हजार वॉलंटियर विधानसभा चुनावों में बीजेपी और उसके सहयोगियों की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए ज़मीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। इससे पहले, टिकट फाइनल करने में भी संघ के शिखर नेताओं ने बीजेपी की प्रच्छन्न मदद की है। इससे अलग, पूरे राज्य में रोज़ाना की शाखाओं और अन्य सभाओं की संख्या युद्ध स्तर पर बढ़ाई गई. इसमें शहरी झुग्गियों में मज़बूत उपस्थिति दर्ज करने, और गांवों तक अपनी पहुँच बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया है। सोशल मीडिया पर संघ की विचारधाराओं से प्रभावित लोग एक्टिव किये गए. संघ के शिखर नेताओं ने बिहार में राजनीतिक चर्चा को प्रभावित करने वाले कई बयान दिए हैं।

बिहार में एनडीए की सफलता स्वत:स्फूर्त नहीं है. पिछले 25-26 साल से संघ की वजह से बीजेपी को ताकत मिलती चली गई. 1999 के आम चुनावों में, बिहार एनडीए के लिए सबसे सफल राज्य था, जिसने 54 में से 41 सीटें जीतीं। इन नतीजों ने बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव किया, जो लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के लिए एक बड़ा झटका था. आरजेडी 10 साल से सत्ता में थी। इस बदलाव का एक मुख्य उदाहरण मधेपुरा निर्वाचन क्षेत्र में एनडीए के सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) के शरद यादव द्वारा लालू प्रसाद यादव की हार थी। लालू यादव पर जंगल राज, और चारा घोटाला जैसे पोलिटिकल प्रक्षेपास्त्र दागे गए।

1990 में रथ यात्रा के दौरान बीजेपी के आइकॉन लालकृष्ण आडवाणी की गिरफ्तारी ने लालू यादव को हीरो बना दिया था. लालू के नायकत्व को तोड़ना संघ का प्रथम लक्ष्य था. चुनांचे, राज्य में संघ और उसके सहयोगियों को एकजुट किया गया, जिससे उनके नेटवर्क और आरजेडी विरोधी भावना को बढ़ावा मिला। बीजेपी के तत्कालीन वकील रविशंकर प्रसाद ने चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

लेकिन उससे 13 साल पहले की घटनाओं को समझना होगा, जब 1977 में इमरजेंसी के दौरान संघ पर लगा बैन हटने के बाद, संघ ने अपनी गतिविधियाँ फिर से शुरू कर दीं. बाला साहब देवरस ने संघ के विस्तार का एक नया रास्ता बनाना शुरू किया। 1982 तक, संघ की शाखाओं की संख्या 1977 की तुलना में देश भर में दोगुनी हो गई थी, जो 11,000 से बढ़कर 20,000 हो गई थी। इस विस्तार से बिहार जैसे राज्यों में नेटवर्क को मज़बूत बनाने में मदद मिली। 1977 में आपातकाल खत्म होने के बाद, जयप्रकाश नारायण ने पटना में 3 नवंबर 1977 को, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक विशाल ट्रेनिंग कैंप को संबोधित किया, और इसे एक क्रांतिकारी संगठन बताया जिसमें समाज को बदलने, जातिवाद खत्म करने और गरीबों की आंखों से आंसू पोंछने की क्षमता है। जेपी का मानना था कि आरएसएस को एक नया भारत बनाने में एक ऐतिहासिक भूमिका निभानी है।

जेपी आंदोलन से बिहार व उत्तर प्रदेश के कई नेताओं का जन्म हुआ। छात्र नेता के तौर पर उभरे नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, शरद यादव, सुशील कुमार मोदी, और रविशंकर प्रसाद को लोग याद करते हैं। लालू प्रसाद, नीतीश कुमार, सुशील कुमार मोदी, व रविशंकर प्रसाद ने बिहार से केंद्र तक की राजनीति में अपना सिक्का जमाया। भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेता सुशील मोदी का सियासी सफर भी जयप्रकाश आंदोलन से ही शुरू हुआ था। रामविलास पासवान और मुलायम सिंह यादव जैसे कुछ नाम ऐसे हैं, जो आंदोलन में दिखे नहीं, लेकिन इमरजेंसी के दौरान जेल जाने वालों में शामिल थे।

जेपी की राजनीतिक प्रयोगशाला में तय हुआ, कि इंदिरा गांधी की सरकार को उखाड़ फेंकने के वास्ते आरएसएस और इसके राजनीतिक मोर्चे जनसंघ के साथ गठबंधन किया जाये. जिसका नतीजा 1977 के चुनावों में जनता पार्टी की अभूतपूर्व जीत के रूप में सामने आया। इस गठबंधन ने संघ को मुख्यधारा की राजनीति में ला खड़ा किया। जाने-माने पार्लियामेंटेरियन एम.आर. मसानी ने लिखा, भविष्य में उनके लिए कुछ भी हो, जेपी ने अपनी ज़िंदगी के मिशन का एक बड़ा हिस्सा पूरा कर लिया है। जेपी ने देश के अंदर की तानाशाही से आज़ादी दिलाई। उन्होंने सम्पूर्ण क्रांति तो हासिल नहीं की, जिसकी उन्होंने ख्वाहिश की थी, लेकिन उन्होंने निश्चित रूप से अपने मिशन का पहला हिस्सा पूरा कर लिया है।

कालांतर में यह क्रांति, भ्रान्ति साबित हुई. ऐसा माना जाता है कि आरएसएस और जनसंघ ने इस मौके का इस्तेमाल वैधता हासिल करने और अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए किया, और आखिरकार जनता पार्टी के विज़न और जेपी के समावेशी आदर्शों को धोखा मिला। जनसंघ से जुड़े जो लोग, जो 1977 में सत्ता में आए थे, वे उसी सड़े सिस्टम का हिस्सा थे, जिसने इमरजेंसी का कल्चर बनाया था। वे अच्छे लोगों की पार्टी और अच्छे दिन वाले नहीं थे, जैसा जेपी ने सोचा था। अंतत: मोरारजी देसाई सरकार साज़िशों और धोखे की शिकार हुई. 15 जुलाई 1979 को 28 माह पुरानी जनता पार्टी की सरकार गिर गई।

दिल्ली में मोरारजी की सरकार गिरे, उससे कोई तीन माह पहले 21 अप्रैल 1979 को बिहार में कर्पूरी ठाकुर की सरकार गिरा दी गई. हालाँकि, कर्पूरी ठाकुर के बाद 302 दिन रामसुंदर दास ने बिहार की बागडोर सम्हाली, वो भी जनता पार्टी के ही नेता थे. मोरारजी देसाई सरकार का गिरना जेपी के लिए सपनों का महल बिखर जाने जैसा था. इमरजेंसी एंड नियो-इमरजेंसी- हू विल डिफेंड डेमोक्रेसी ? जैसी चर्चित पुस्तक के लेखक एम.जी. देवसहायम लिखते हैं, मोरारजी सरकार गिरने के तुरंत बाद, मैं जेपी से मिलने पटना में उनके कदम कुआं वाले घर पर गया। वो डायलिसिस पर थे, लेकिन उन्होंने मुझे अपने पास बिठाया। उन्होंने आँखों में आँसू भरकर कहा, देवसहायम, मैं एक बार फिर फेल हो गया हूँ। फिर उन्होंने खुलकर बताया कि कैसे आरएसएस /जनसंघ, जनता पार्टी के विनाश के लिए ज़िम्मेदार था, जिसे उन्होंने कांग्रेस पार्टी के विकल्प के तौर पर बड़ी मेहनत से बनाया था।

इसे याद रखें, कि 1948 में, सोशलिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी के तौर पर, जेपी ने आरएसएस और हिंदू महासभा पर बैन लगाने की मांग की थी, जिनके बारे में माना जाता था, कि वे महात्मा गांधी की हत्या की साजिश के पीछे थे। उन्होंने कहा था, समाज में सांप्रदायिक लोगों को कोई जगह नहीं देनी चाहिए, जेपी ने आरएसएस और हिन्दू महासभा को बुराई की ताकतें कहा था। लेकिन, जेपी जैसे विजनरी, इस सच से कैसे अनभिज्ञ थे, कि राजनीति में न कोई स्थायी दोस्त होता है, न स्थायी दुश्मन !

यह चुप्पी खतरनाक है!!

सरकार हर दिन बच्चों के पोषण पर लाखों खर्च करने का दावा करती है, आंगनवाड़ियों में सामान्य बच्चों के लिए 8 रुपये और गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के लिए 12 रुपये रोज़ खर्च दिखाए जाते हैं। लेकिन इन्हीं 8 और 12 रुपयों के बीच, एक और मासूम ज़िंदगी थम गई। सतना के मझगंवा ब्लॉक के मरवा गांव के चार महीने के हुसैन रज़ा ने मंगलवार की रात जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। 3 महीने में मध्यप्रदेश में कुपोषण से तीसरे बच्चे की मौत हुई है ...

आईसीयू में शायद उसकी मां यही कह रही हों मैंने आख़िरी बार उसके होंठों पर उंगली रखकर देखा था सूखे हुएज् फट चुके जैसे रोना भी भूल चुके हों ... नर्स ने कहा बच्चा बहुत कमज़ोर है, डॉक्टर भी हैरान थे ...

मैं बस इतना कह पाई ...

डॉक्टर मशीनें बदलते रहे, ट्यूबें लगाते रहेज् पर मेरा बेटा, हुसैन मेरी उंगलियों में ढलता गयाज् ढाई किलो की वह एक नन्ही-सी जान इतनी हल्की कि गोद में नहीं, आत्मा पर रखी-सी लगती थी।

चार रातें PIC की सफ़ेद लाइटों के बीचज् मैं देखती रही

उसकी चमड़ी हड्डियों से चिपकी हुई, आँखों में एक बुझा हुआ सवाल ... अम्मी, मैंने क्या गुनाह किया ?

और उस रात वो सवाल भी बंद हो गया

मैं उसे लायी थी इस खामोश गाँव में ... मरवा, मझगाँवा ब्लॉक। कहती थी, यहीं पलोगे, खेत की खुशबू में, मिट्टी की गोद में। पर मेरी गोद तो खाली हो गई और खेतों में खुशबू नहीं, सिर्फ़ धुआँ है। इसके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं, हम घास और पन्नी से बनी झोपड़ी में गुजर-बसर करते हैं।

लोग आते हैं चुप खड़े रहते हैं कोई आँख बचाकर पूछता है ... दूध नहीं उतरता था क्या ? किसे बताऊं कि मेरी छाती में दूध सूखा नहीं था

पहले पेट सूखा था ... आंगनवाड़ी के 8 और 12 रुपयों में।

वही 8 रुपये, जो 'सामान्य' बच्चों को खिलाते हैं।

वही 12 रुपये, जिनमें 'गंभीर कुपोषण' का इलाज दिखाया जाता है।

पर मेरे हुसैन की पसलियों ने हर रोज़ साबित किया ... 8 और 12 रुपये ज़िंदगी का मज़ाक हैं।

सरकारी आंकड़ों कहते हैं अकेले

सतना ज़िले में 1451 कुपोषित बच्चे हैं, 6484 बच्चों को मध्यम कुपोषित श्रेणी में रखा गया है।

लेकिन मेरे पूरे प्रदेश में 10 लाख से ज़्यादा बच्चे कुपोषित हैं

1.36 लाख गंभीर रूप से

अप्रैल 2025 में राष्ट्रीय स्तर पर 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में गंभीर और मध्यम कुपोषण का औसत 5.40प्रतिशत था, जबकि मध्य प्रदेश में यह दर 7.79प्रतिशत रही।

हुसैन अकेला नहीं था ...

अगस्त में शिवपुरी की दिव्यांशी 15 महीने की थी ... वज़न बस 3.7 किलो

श्योपुर की राधिका डेढ़ साल, वज़न 2.5 किलो

दोनों ने दम तोड़ दिया

सबकी कहानियाँ अलग हैं मौत एक ही है।

दूध से पहले व्यवस्था की लापरवाही हमारे बच्चों के मुँह में उतर जाती है।

हर साल ह्नश्च्र्र में बढ़ते नंबर, हर महीने रेड जोन बढ़ाते 45 जिले, हर बजट में करोड़ों,

और हर गाँव में सूखी गोदें

डॉक्टर बोले ... हमने कोशिश कीज् सिस्टम कहेगा ... निगरानी में कमी थी

फाइलों में लिखा जाएगा ... एक और केस ... इस घटना के बाद खुटहा के मेडिकल ऑफिसर डॉ. एस.पी. श्रीवास्तव, उप स्वास्थ्य केंद्र मरवा की स्वास्थ्य कार्यकर्ता लक्ष्मी रावत, और आशा कार्यकर्ता उर्मिला सतनामी को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया गया है। हमारे जिले में 2054 आंगनबाड़ी केंद्र हैं, हजारों कर्मचारी हैं लेकिन जमीनी स्तर पर न तो बच्चों तक पोषण पहुंच पा रहा है और न ही निगरानी तंत्र सक्रिय है।

पर मैं ? मैं क्या लिखूं ? क्या नाम दूं उस चीख को ... जो मेरे गले में अटकी है, पर निकलती नहीं

मैं अपने बच्चे को दफना आई हूँ ... अब घर में चूल्हा जलता है ... पर आवाज़ नहीं।

मेरी बाँहें अब भी उसे ढूंढती हैं और सिर्फ़ हवा पकड़ पाती हैं।

मैं सवाल नहीं पूछती क्योंकि जवाब कोई देगा ही नहीं। मैं बस चुप हूँ।

पर यह चुप्पी चुप नहीं है ... ये चीख है ... जो आपने सुनी या नहींज् मुझे नहीं पता।

अंतत:

बच्चों की कुपोषण से मौत हो रही है पोषण को लेकर बहस अंडे-दूध में छिड़ी है

दिनकर ने कहा था-

-दूध-दूध!ओ वत्स!मंदिरों में बहरे पाषाण यहाँ हैं,
दूध-दूध!तारे,बोलो,इन बच्चों के भगवान कहाँ ?
हटो व्योम के मेघ पंथ से,स्वर्ग लूटने हम आते हैं,
दूध,दूध!ओ वत्स तुम्हारा दूध खोजने हम जाते हैं!

अनुराग द्वारी
स्टेट एडिटर, एनडीटीवी इंडिया, भोपाल

ऑनलाइन जुए-सट्टेबाजी पर देश भर में प्रतिबंध जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील से कहा कि वह जनहित याचिका की एक प्रति केंद्र सरकार के वकील को सौंपें।

पीठ ने शुक्रवार को पारित आदेश में कहा, हम वीसी भारती से अनुरोध करते हैं कि वे याचिका पर गौर करें और अगली सुनवाई में हमारी सहायता करें। पीठ ने मामले को दो सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने को भी कहा।शीर्ष अदालत थिंक टैंक सेंटर फॉर अकाउंटेबिलिटी एंड सिस्टमिक चेंज (ष्टस्ष्ट) द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्र को सोशल और ई-स्पोर्ट्स गेम्स की आड़ में कथित तौर पर संचालित होने वाले ऑनलाइन जुए और सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

याचिका में यह भी कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), एनपीसीआई और यूपीआई प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिए जाएं कि वे अवैध और गैर पंजीकृत गेमिंग एप्स से जुड़े लेन-देन पर रोक लगाएं। सीएएससी ने यह भी आरोप लगाया है कि विदेशों से संचालित कई ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां भारत में कारोबार कर रही हैं और लगभग

2 लाख करोड़ रुपये के बकाया करों का भुगतान नहीं किया है। इसके लिए याचिका में इंटरपोल, सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने की मांग की गई है।

इस याचिका में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना एवं प्रसारण, वित्त और युवा मामले एवं खेल मंत्रालयों को ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 के प्रावधानों और राज्य विधानसभाओं द्वारा सामाजिक और ई-स्पोर्ट्स खेलों की आड़ में चल रहे ऑनलाइन जुए और सट्टेबाजी के खेलों पर रोक लगाने के लिए बनाए गए कानूनों की सामंजस्यपूर्ण व्याख्या करने का निर्देश देने की माँग की गई है।

यह अधिनियम ऑनलाइन मनी गेम्स से जुड़ी हानिकारक प्रथाओं पर रोक लगाते हुए सुरक्षित डिजिटल मनोरंजन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार करता है। याचिका में छह प्रतिवादियों के नाम हैं, जिनमें चार केंद्रीय मंत्रालय और दो प्रमुख ऐप स्टोर संचालक, एप्पल इंक. और गूगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

-जय प्रकाश सिंह

साइबर सुरक्षा के मामले में आईफोन से ज्यादा बेहतर हैं एंड्रॉयड फोन

मुंबई एजेंसी। आज की डिजिटल दुनिया में स्मार्टफोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन इनके साथ साइबर खतरे भी तेजी से बढ़ रही हैं। अक्सर यह धारणा बनी रहती है कि एप्पल आईफोन अपने महंगे और प्रीमियम फीचर्स की वजह से एंड्रॉयड फोन की तुलना में ज्यादा सुरक्षित होता है, लेकिन गूगल के हालिया सर्वे ने मिथक को तोड़ दिया है। गूगल ने साइबर सर्वे के दौरान एक सर्वे किया, जिसमें भारत और ब्राजील के करीब 5,000 स्मार्टफोन यूजर्स को शामिल किया। इस सर्वे के नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया कि सिक्योरिटी के मामले में एंड्रॉयड फोन, आईफोन मॉडल्स से आगे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन यूजर्स की तुलना में एंड्रॉयड यूजर्स को स्कैम से जुड़े टेक्स्ट मैसेज मिलने की संभावना 58 प्रतिशत कम मिली। सर्वे में बताया गया कि पिक्सल यूजर्स के लिए यह संभावना और भी कम थी लगभग 96 प्रतिशत तक। वहीं, आईओएस यूजर्स को एंड्रॉयड यूजर्स के मुकाबले 65 प्रतिशत ज्यादा स्कैम टेक्स्ट मिले। गूगल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि एंड्रॉयड का एआई-आधारित मल्टी-लेयर सिक्योरिटी सिस्टम यूजर्स को धोखाधड़ी और ऑनलाइन स्कैम से बचाने में अहम भूमिका निभाता है। यह सिस्टम किसी भी खतरे को यूजर तक पहुंचने से पहले ही पहचानकर रोक देता है। गूगल के अनुसार, हर महीने एंड्रॉयड प्लेटफॉर्म 10 अरब से ज्यादा स्कैम कॉल्स और मैसेजेस को फ्लैग करता है और ब्लॉक कर देता है। इस सर्वे के नतीजों से यह साफ है कि सुरक्षा के क्षेत्र में अब एंड्रॉयड ने बड़ी छलांग लगाई है।

बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, पाम-पामोलीन तेल में गिरावट

नई दिल्ली एजेंसी। बीते सप्ताह महंगे सरसों के कारण लिवाली प्रभावित रही, जिससे सरसों तेल-तिलहन की कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। लिवाली प्रभावित होने से सोयाबीन तेल-तिलहन, लागत से कम दाम पर बिकवाली से सोयाबीन तेल, मलेशिया में बाजार टूटने से पाम एवं पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट देखी गई। दूसरी ओर, कम हाजिर दाम पर किसानों की बिकवाली घटने से सोयाबीन तिलहन, उत्पादक राज्यों में बरसात के मौसम के कारण आवक प्रभावित होने से मूंगफली तेल-तिलहन एवं बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह भी महंगे सरसों की लिवाली प्रभावित रहने के कारण सरसों तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही। वहीं महाराष्ट्र, गुजरात और कुछ अन्य राज्यों में बरसात जैसे मौसम की वजह से मंडियों में कमजोर आवक के कारण सोयाबीन तिलहन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया। बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की गिरावट के साथ 6,950-7,000 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 2,440-2,540 रुपये और 2,440-2,575 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश: 50-50 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 4,475-4,525 रुपये और 4,175-4,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर सोयाबीन दिल्ली तेल का दाम 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,200 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल का दाम 200 रुपये की गिरावट के साथ 12,900 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 10,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार दर्शाती बंद हुई। मूंगफली तिलहन 100 रुपये के सुधार के साथ 5,850-6,225 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात का थोक दाम 200 रुपये के सुधार के साथ 14,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का थोक दाम 20 रुपये के सुधार के साथ 2,285-2,585 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सीपीओ तेल का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 11,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 175 रुपये की गिरावट के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बरसात के कारण मंडियों में आवक कम रहने के बीच, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल के दाम भी 150 रुपये के सुधार के साथ 12,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

आरबीआई का ताजा अपडेट...5817 करोड़ के 2 हजार के नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस नहीं आए

नई दिल्ली एजेंसी। देशभर में फिर 2000 रुपये के नोट सुर्खियों में हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने ताजा आंकड़े बताते हैं कि 2000 रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने की प्रक्रिया शुरू होने के डेढ़ साल बाद भी 5817 करोड़ रुपये मूल्य के ये नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस नहीं आए हैं। यह खुलासा तब हुआ है, जब अधिकांश लोग मान चुके थे कि ये नोट पूरी तरह से सिस्टम से गायब हो चुके हैं। आरबीआई ने कहा कि 19 मई 2023 को जब 2000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा की गई थी, तब इनकी कुल वैल्यू 3.56 लाख करोड़ रुपये थी। अब यह घटकर मात्र 5817 करोड़ रुपये रह गई है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, अब तक 98.37 प्रतिशत 2000 रुपये के नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ चुके हैं। आरबीआई ने साफ किया है कि 2000 रुपये के नोट अभी भी कानूनी मुद्रा हैं और किसी भी लेन-देन में इन्हें स्वीकार कर सकते हैं। हालांकि, इनकी छपाई पूरी तरह बंद है और बैंक इन्हें फिर से जारी नहीं कर रहे हैं। वापसी की सुविधा को आसान बनाने के लिए, आरबीआई के 19 क्षेत्रीय कार्यालयों में 19 मई 2023 से ही इन नोटों को जमा या एक्सचेंज करने की व्यवस्था है। 9 अक्टूबर 2023 से यह प्रक्रिया और सरल कर दी गई। अब लोग इंडिया पोस्ट के माध्यम से अपने 2000 रुपये के नोट किसी भी आरबीआई कार्यालय में भेजकर अपने बैंक खाते में जमा करवा सकते हैं। आरबीआई ने कहा कि वह समय-समय पर 2000 रुपये के नोटों की वापसी की स्थिति पर अपडेट जारी करता रहेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ नोट ग्रामीण क्षेत्रों या नकद-आधारित कारोबारों में अभी भी फंसे हो सकते हैं। वहीं, कई लोग इन्हें स्मृति चिह्न या संग्रह के रूप में सुरक्षित रखे हुए हैं।

आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई एजेंसी। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में घरेलू अर्थव्यवस्था के आंकड़े और वैश्विक कारक बाजार को दिशा देंगे। इस आने वाले सप्ताह में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई कड़े जारी होने हैं। इसके अलावा, अक्टूबर के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और वाहनों की बिक्री से शनिवार को आये आंकड़ों का असर भी सोमवार को बाजार खुलने पर दिखेगा। इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजारों की चाल कई बड़े कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें दूसरी तिमाही के कॉर्पोरेट रिजल्ट्स, मैक्रोइकॉनॉमिक डेटा रिलीज और ग्लोबल ट्रेंड्स सबसे अहम रहेंगे। हालांकि सप्ताह छोटा रहेगा क्योंकि बुधवार को गुरु नानक गुरुपुरब के अवसर पर बाजार बंद रहेगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस हफ्ते का ट्रेडिंग सेशन भले छोटा है, लेकिन यह इवेंटफुल रहेगा। कई बड़ी कंपनियों के रिजल्ट्स इस हफ्ते आने वाले हैं, जो बाजार की दिशा तय करेंगे। इसके साथ ही एचएसबीसी मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई, सर्विसेज पीएमआई और कंपोजिट पीएमआई जैसे डेटा घरेलू ग्रोथ की रफ्तार पर संकेत देंगे इस हफ्ते जिन बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं, उनमें शामिल हैं, भारती एयरटेल, टाइटल, अदनी इंटरप्राइजेस, अदाणी पोर्ट, इंटरग्लोब एव्शन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, ल्युपिन, बजाज आटो और हिंडाल्को इन सभी कंपनियों के नतीजे बाजार की सेंटीमेंट को शॉर्ट टर्म में प्रभावित कर सकते हैं। घरेलू आर्थिक मोर्चे पर निवेशकों की नज़र इस हफ्ते जारी होने वाले एचएसबीसी पीएमआई डेटा पर रहेगी। मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और कंपोजिट पीएमआई रीडिंग्स यह दिखाएंगी कि भारत की आर्थिक गतिविधियों में कितनी मजबूती या सुस्ती है। इसके अलावा, रुपया-डॉलर की चाल और क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी बाजार को दिशा देंगे। इस हफ्ते मैक्रो डेटा का कैलेंडर व्यस्त रहेगा। भारत और दुनिया के बड़े देशों के पीएमआई से वैश्विक ग्रोथ की झलक मिलेगी। इसके अलावा, रुपया और डॉलर की चाल निवेशक सेंटीमेंट को प्रभावित करेगी।

त्योहारों की रौनक से अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1.96 हजार ट्रिलियन पहुंचा

नई दिल्ली एजेंसी। त्योहारों के मौसम में बढ़ी खरीदारियों के चलते अक्टूबर माह में भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) संग्रह 4.6 फीसदी बढ़कर 1.96 हजार ट्रिलियन तक पहुंच गया। यह अब तक के सबसे ऊंचे मासिक संग्रह में से एक है। पिछले वर्ष अक्टूबर में यह आंकड़ा 1.87 हजार ट्रिलियन था। सरकार के मुताबिक यह उछाल मुख्यत: नवरात्रि और दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान उपभोग में आई तेजी के कारण रहा। सितंबर 22 से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की गई थी, जिनमें रसोई उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन शामिल हैं। यह कटौती नवरात्रि के पहले दिन से लागू हुई, जिससे उपभोक्ताओं को नई खरीदारी के लिए प्रोत्साहन मिला। घरेलू जीएसटी राजस्व अक्टूबर में 2 फीसदी बढ़कर 1.45 हजार ट्रिलियन रहा, जबकि आयात से राजस्व में करीब 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 50,884 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। रिफंड में तेज वृद्धि के चलते शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 हजार रुपए ट्रिलियन रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 0.2 फीसदी अधिक है। हालांकि वृद्धि दर पिछले महीनों के औसत 9 फीसदी से कम रही, परंतु त्योहारों की मांग ने अर्थव्यवस्था में सकारात्मक रुझान दिखाया है।

वाणिज्य मंत्रालय ने भंडार आधारित ई-कॉमर्स निर्यात पर विभिन्न विभागों से विचार मांगे

नई दिल्ली एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से ई-कॉमर्स में भंडार-आधारित मॉडल में केवल निर्यात उद्देश्यों के लिए एफडीआई की अनुमति देने पर विचार मांगा है। मंत्रालय ने इस संबंध में एक नोट जारी किया है। अधिकारियों के अनुसार, प्रस्ताव का लक्ष्य छोटे खुदरा विक्रेताओं को प्रभावित किए बिना भारत के निर्यात को बढ़ावा देना है। वर्तमान में देश की एफडीआई नीति ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल में विदेशी निवेश की अनुमति नहीं देती है। केवल मार्केटप्लेस मॉडल के माध्यम से काम करने वाली कंपनियों, जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट में स्वत: मंजूर मार्ग से इसकी 100 प्रतिशत अनुमति है। अधिकारी ने बताया कि प्रस्ताव मौजूदा एफडीआई नीति के अनुपालन में, ई-कॉमर्स इकाइयों को ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री-आधारित मॉडल में, विशेष रूप से भारत में निर्मित या उत्पादित वस्तुओं और उत्पादों के निर्यात के लिए अनुमति देने का है। एफडीआई नीति के अनुसार ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल का अर्थ ऐसी ई-कॉमर्स गतिविधि है जहां वस्तुओं और सेवाओं की इन्वेंट्री का स्वामित्व ई-कॉमर्स इकाइयों के पास होता है। दूसरी ओर, ई-कॉमर्स के बाजार-आधारित मॉडल का अर्थ है, किसी ई-कॉमर्स इकाई द्वारा डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर एक सूचना प्रौद्योगिकी मंच प्रदान करना जो क्रेता और विक्रेता के बीच एक सूत्रधार के रूप में कार्य करे।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको बिजनेस में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। दान पुण्य के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। आपको अपने बेवजह के कामों को लेकर कुछ टेंशन हो सकती है। आपने यदि ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से कोई लेनदेन किया, तो उससे आपका कोई नुकसान होने की संभावना है।

वृषभ- आज आपको काम को लेकर टेंशन बनी रहेगी। आपकी किसी मित्र से भी खटपट हो सकती है। संतान के करियर को लेकर आप उन्हें कहीं बाहर भेज सकते हैं। कारोबार में आपको एक नई गति मिलेगी। आप अपने अनुभवों से काम करेंगे, तो आपको अच्छी सफलता हासिल होगी। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आपके पिताजी की सेहत में उतार-चढ़ाव रहने से आप परेशान रहेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपका कोई बनते-बनते काम अटक सकता है। माता जी से कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत कर लें, नहीं तो कोई भयंकर लड़ाई झगड़ा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आप पर उच्च अधिकारियों की कृपा बनी रहेगी। आपको किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। आपको अपनी इन्कम को बढ़ाने के सोर्सो पर ध्यान दें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी नए पद की प्राप्ति होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा और आपका कोई सरकारी काम यदि लंबे समय से अटका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आप कहीं धार्मिक यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं। आपकी मन को आज सुकून मिलेगा, क्योंकि जीवनसाथी भी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। आपके परिवार में पद प्रतिष्ठा बढ़ने से आज खुशी होगी। जल्दबाजी में आपसे कोई गड़बड़ी हो सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आप अपने लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करेंगे और संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपका कोई विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकता है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। राजनीति में कार्यरत लोग किसी नए पद को पाकर काफी खुश होंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपके शत्रु में प्रबल रहेंगे, लेकिन वह आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। प्रेम जीवन में चल रही समस्याओं से आपको छुटकारा मिलेगा। मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। विद्यार्थियों ने यदि किसी परीक्षा में भाग लिया था, तो उसके परिणाम आ सकते हैं। आपको वरिष्ठ सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा। आपकी एक साथ कई काम हाथ लगने से व्याकुलता बढ़ेगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आपको अपनी वाणी की सौम्यता को बनाए रखना होगा। नौकरी में आपको कुछ समस्या चल रही थी, तो आप उसे दूर करने की कोशिश करेंगे। आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम मिलने से आप उसको लेकर लापरवाही ना दिखाएंगे। आपके पिताजी का कोई पुराना रोग उभर सकता है, जो आपकी टेंशन को बढ़ाएगा।

वृश्चिक- आज आपकी यश और कीर्ति बढ़ेगी। नौकरी में कार्यरत लोगों को अपने वाणी पर संयम रखना होगा। आपको आपका रुका हुआ धन मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन आप अपने कामों को लेकर ढील बिल्कुल ना दें। आपका समय मौज-मस्ती में बीतेगा। आपके बॉस से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

धनु- आज आपको अपने बढ़ते खर्च पर कंट्रोल करने की आवश्यकता है। आपका धन यदि कहीं फंसा हुआ था, तो वह भी आपको मिल सकता है। परिवार में यदि प्रॉपर्टी को लेकर कोई मतभेद उत्पन्न हो, तो आप उसमें किसी अजनबी से कोई सलाह मशवरा ना करें। आपको अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चलना होगा। व्यापार के सिलसिले में आपको यात्राएं भी करनी पड़ेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, जो विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता की तैयारी में लगे हैं, उन्हें अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका खर्चा बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको टीमवर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा। आप किसी धार्मिक स्थान पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए किसी नई संपत्ति की प्राप्ति के लिए रहेगा। आपको आर्थिक लेनदेन में सावधानी बरतनी होगी। आप अपने जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान दें। घर परिवार में सदस्यों का आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। विद्यार्थी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए, एक के बाद एक खुशखबरी लेकर आने वाला है। आपको अपनी बुद्धि से लिए गए निर्णय से फायदा होगा। आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। माता-पिता का आशीर्वाद से आपका रुका हुआ काम होगा पूरा होगा। बिजनेस कर रहे लोगों के लिए दिन लाभदायक रहने वाला है। आपकी सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव रहने से आपका मन परेशान रहेगा।

शब्दजाल - 8068

मं	स	दौ	ल	त	की	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	क	ह	ग	ला	अ	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	झ	पू	ना	ण	घ	को
पां	इ	ल	म	हैं	प	ल	रं	र	ला	ल
डे	श्क	ल	प	नु	रा	उ	गी	ण	घ	म
ती	दा	ल	श	सं	प	ही	ला	कौ	ला	ल
क	बा	या	र	मे	रा	क	प्या	या	श	गा
क	द	ल	गु	ला	म	स	रा	र	प	न
क	र	ल	प	व	जी	ना	ल	ओ	के	दों
क	क	ल	प	द	या	दि	व्य	ब	प	या
जी	जिं	ल	प	रा	ख	उ	द्दा	ण	घ	म

शब्द जाल में आमिर खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

लगान, मंगल पांडे, हम हैं राही प्यार के, बाजी, रंगीला, इश्क, गुलाम, दौलत की जंग, राख, दिल.

शब्दजाल - 8067 का हल

म	अ	मु	ग	ल	ए	अ	व	धी	ल	ध
द	अ	व	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	ड़
र	स	ल	का	दी	व	स	अ	कां	ख	र
जी	लि	ल	प	श	ता	स	द	ह	बा	ल
त	य	अ	अ	र	र	अ	गु	ख	प	दे
क	त	अ	शो	त	अ	भि	अ	न	श	जू
क	स	अ	क	अ	न	ला	द	शा	जू	व
द	अ	ल	च	व	जी	षा	ऐ	बें	प	सा
क	बा	ना	ऋ	त	क	छ	प्प	न	हिं	जू
क	र्च	बा	तें	व	न	ज	द	अ	जू	व
अ	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.11 ब.से
चंद्र	मीन में	धनु	09.27 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.32 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.18 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.51 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.22 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.02 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.00 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.13 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.29 बजे से
7.30 से 9.00		कन्या	02.41 बजे से
बजे तक		तुला	04.52 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 307 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** त्रयोदशी 02.06 बजे रात को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 15.06 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 19.39 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.41 बजे तदनन्तर तैतिल 02.06 बजे रात को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 04' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872517 **जूलियन दिन** 2460982.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 11 **विशेष** प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7012

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7011

स्व	दे	श		स	ड़	क		आ	ह
र्ग		रा	हु	ल		स	र	ग	म
	बॉ	बी		मा	लि	क			जो
अ	क्स		डॉ	न			जं	ग	ली
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व	
र्म		स		न		बा	जी		का
	क	री	ना		प		त	ला	श
स		क		सू	र	ज		वा	
प	ड़ो	स	न		वा		बा	रि	श
ने		म		गु	ना	ह		स	

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: प्रेमचंद की गाय

उन दिनों प्रसिद्ध उपन्यास-लेखक मुंशी प्रेमचंद गोरखपुर में अध्यापक थे। उन्होंने अपने यहाँ गाय पाल रखी थी। एक दिन चरते-चरते उनकी गाय वहाँ के अंग्रेज जिलाधीश के आवास के बाहरवाले उद्यान में घुस गई। अभी वह गाय वहाँ जाकर खड़ी ही हुई थी कि वह अंग्रेज बंदूक लेकर बाहर आ गया और उसने गुस्से से आग बबूला होकर बंदूक में गोली भर ली। उसी समय अपनी गाय को खोजते हुए प्रेमचंद वहाँ पहुँच गए। अंग्रेज ने कहा कि 'यह गाय अब तुम यहाँ से ले नहीं जा सकते। तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने अपने जानवर को मेरे उद्यान में घुसा दिया। मैं इसे अभी गोली मार देता हूँ, तभी तुम काले लोगों को यह बात समझ में आएगी कि हम यहाँ हुकूमत कर रहे हैं।' और उसने भरी बंदूक गाय की ओर तान दी। प्रेमचंद ने नरमी से उसे समझाने की कोशिश की, 'महोदय! इस बार गाय पर मेहरबानी करें। दूसरे दिन से इधर नहीं आएगी। मुझे ले जाने दें साहब। यह गलती से यहाँ आई।' फिर भी अंग्रेज झल्लाकर यही कहता रहा, 'तुम काला आदमी ईडियट हो - हम गाय को गोली मारेगा।' और उसने बंदूक से गाय को निशान बनाना चाहा। प्रेमचंद झट से गाय और अंग्रेज जिलाधीश के बीच में आ खड़े हुए और गुस्से से बोले, 'तो फिर चला गोली। देखूँ तुझमें कितनी हिम्मत है। ले। पहले मुझे गोली मार।' फिर तो अंग्रेज की हेकड़ी हिरन हो गई। वह बंदूक की नली नीची कर कहता हुआ अपने बंगले में घुस गया।

सूडोकु नवताल- 7321

★★★☆☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7320 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8536

बाएँ से दाएँ

1. दैत्य, असुर-3
3. रुकावट, बाधा-4
6. सम्मान-2
7. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
8. मूल, कंद-2
9. सलाह, मशवरा-2
10. मोटा आटा-2
12. सलाह देने वाला-5
14. जलाना-3
17. माला का मोती-3
19. उग्रवाद, हिंसा वाद-5
22. शराब, मदिरा-2
24. दुख, कष्ट-2
25. चेतना, ध्यान-2
27. सालन, रसा-3
28. घ्राणेंद्रिय, इज्जत-2
29. राजकुमार (उर्दू-4)
30. अस्तित्व, प्राण तत्व-3

ऊपर से नीचे

1. खैरात, दक्षिणा-2
2. गोलाकार-5
3. नश्वर, जो कभी न मरे-3
4. प्रतिदिन-2
5. हृदय स्पंदन-4
6. विचार-3
9. मार्ग, रास्ता-2
11. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
13. बब्बर शेर (अंग्रेजी-3)
15. सीरा, एक मिष्ठान्न-3
16. पतंग के पेच लड़ाना-5
17. बेसुध, अलमस्त-4
18. कार्य-2
20. जरा, थोड़ा-2
21. दरवाजा खटखटाना-3
23. इन्होंने कृष्ण को पाला था, कृष्ण की दूसरी मां-3
26. उकसावा, बढ़ावा-2
28. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2

शब्द पहेली -8535 का हल

न	ट	व	र	ना	ग	र		
	क्र		म		ज		का	
ज	र		जा	हि	रा		जी	त
ब		ज	न		ज	मा		ल
र	च	ना				ज	वा	ब
द		ना	स		दा	रा		गा
स्त	र		मा	न	ना		ख	र
	थ		धा		या		ल	
		स	न	स	नी	फै	ल	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

नो हेलमेट-नो राइड अभियान सराहनीय, शराबी ड्राइविंग पर सख्ती की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जिले में 1 नवंबर से शुरू हुए जीरो हेलमेट टॉलरेंस अभियान के तहत नो हेलमेट-नो राइड की अपील ने सड़कों पर सुरक्षा का संदेश तो दिया है, लेकिन विशेषज्ञों और जनता की नजरों में इससे भी बड़ा खतरा शराब पीकर वाहन चलाने का है। बालाघाट पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान की सभी ओर सराहना हो रही है, जहां एसपी स्वयं सड़कों पर उतरकर वाहन चालकों को जागरूक कर रहे हैं। लेकिन अब सवाल उठ रहा है कि आखिर शराबी ड्राइविंग जैसी घातक समस्या पर क्यों नहीं चलाया जा रहा ऐसा ही सघन अभियान?

बालाघाट की सड़कों पर एसपी आदित्य मिश्रा सहित पूरा पुलिस महकमा सक्रिय दिखाई दे रहा है। अभियान के दौरान बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वालों पर सख्त चालानी कार्रवाई की जा रही है। एसपी मिश्रा ने अभियान के दौरान आंकड़े भी पेश किए, जो झकझोर देने वाले हैं। जिले में पिछले एक वर्ष में हेलमेट न पहनने के कारण दर्जनों लोगों ने अपनी जान गंवाई। राज्य स्तर पर देखें तो मध्य प्रदेश सहित पूरे देश में 2024 में सड़क हादसों में लगभग 1.8 लाख मौतें हुईं, जिनमें से करीब 30,000 दोपहिया सवारों की हेलमेट न पहनने से हुईं।एसपी मिश्रा ने कहा, यदि थोड़ी सी सतर्कता बरत ली जाती तो कई परिवार आज अनाथ न होते। यह अभियान इसी उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

अभियान की शुरुआत से ही इसका असर दिखने लगा है। 1 नवंबर को ही पूर्व विधायक उमाशंकर मुंजारे को बिना हेलमेट के बाइक चलाने पर 2,300 रुपये का चालान काटा गया, जो एसपी मिश्रा और मुंजारे के बीच तीखी बहस का कारण भी बना। स्थानीय निवासी इसे एक उत्कृष्ट पहल मान रहे हैं। लांजी के एक युवा ने कहा, एसपी साहब की यह पहल बिल्कुल सही है। नो हेलमेट-नो राइड का नारा हर किसी को अपनाना चाहिए।

शराबी ड्राइविंग-हेलमेट से कहीं ज्यादा घातक खतरा

हेलमेट अभियान की सराहना तो हो रही है, लेकिन जनता का एक बड़ा वर्ग पुलिस से अपील कर रहा है कि शराब पीकर वाहन चलाने पर भी जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में सड़क हादसों का प्रमुख कारण ओवरस्पीडिंग के बाद नशे में ड्राइविंग है, जो 70 प्रतिशत से अधिक मौतों का जिम्मेदार है।मध्य प्रदेश में 2024 में 36,000 से अधिक सड़क हादसे दर्ज हुए, जिनमें शराबी ड्राइविंग की भूमिका प्रमुख रही। लांजी क्षेत्र में भी हाल के महीनों में लांजी-आमगांव मार्ग पर शराबी ड्राइवरों के कारण भयावह हादसे देखे गए, जहां निर्दोष लोग भी अपनी जान गंवा बैठे।

एक शराबी ड्राइवर न केवल खुद को खतरे में डालता है, बल्कि सैकड़ों निर्दोषों की जिंदगी बर्बाद कर देता है। युवा पीढ़ी में नशे की लत और स्टंटबाजी का शौक बढ़ रहा है, जो दूसरों के लिए शोक बन जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि शराबी ड्राइविंग के आंकड़े निकाले जाएं, तो वे हेलमेट से जुड़े आंकड़ों से कहीं ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। देशभर में 2024 में नशे में ड्राइविंग से जुड़े हादसों में हजारों मौतें हुईं, जिनमें से कई तो साफ-सुथरे परिवारों के सदस्य थे।

गली-गली शराब की हो रही बिक्री-पुलिस की नजर में क्यों नहीं?

समस्या केवल सड़कों तक सीमित नहीं। जिले में गली-गली शराब परोसी जा रही है। गांवों में पैकारे खुले हैं, शराब कंपनियों के एजेंट मोटरसाइकिल और कारों से घर-घर शराब पहुंचा रहे हैं। होटलों में बेखौफ शराब सर्व की जा रही है, जबकि लाइसेंसी दुकानों के आसपास अवैध अड्डे फल-फूल रहे हैं। इन जगहों पर शराब पीने की उत्तम व्यवस्था है, जहां लोग आराम से नशा करते हैं और फिर मौत का सफर शुरू कर देते हैं। तेज रफ्तार, टक्कर—ऐसे हादसे आम हो चुके हैं। पुलिस को इन पर नजर रखनी चाहिए और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

मंडई-मेलों में बढ़ जाते हैं हादसे

वर्तमान में बालाघाट क्षेत्र में मंडई-मेलों का सिलसिला चल रहा है। इन आयोजनों में शराब पीने वालों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। हड़बड़ी में लोग नशे में वाहन चलाते हैं, जिससे हादसे बढ़ जाते हैं। मेला स्थलों पर पुलिस की विशेष जांच टीमें तैनात हों, ब्रेथ एनालाइजर मशीनों से चेकिंग हो—ऐसी मांग तेज हो रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है, यदि मेलों पर सख्ती की जाए, तो कम से कम निर्दोषों की जान तो बचेगी।

सुझाव-स्थायी चेकपॉइंट और सघन अभियान

जनता की अपील है कि बालाघाट पुलिस हेलमेट अभियान की तरह ही शराबी वाहन अभियान चलाए। हर प्रमुख मार्ग पर स्थायी चेकपॉइंट लगें, जहां ब्रेथ एनालाइजर से जांच हो। एसपी आदित्य मिश्रा की यह पहल यदि शराबी ड्राइविंग पर केंद्रित हो, तो निश्चित रूप से लाखों परिवारों को दुआएं मिलेंगी। हेलमेट अभियान से सड़कें सुरक्षित हुईं, अब शराबी ड्राइविंग रोककर इन्हें और मजबूत बनाया जाए।

यह अभियान न केवल कानून का पालन सुनिश्चित करेगा, बल्कि उन परिवारों को भी बचाएगा जो कभी नशे की छाया में नहीं आए। पुलिस से उम्मीद है कि जल्द ही यह कदम उठाया जाएगा, ताकि बालाघाट की सड़कें मौत का सफर न बनें।

विठ्ठल-रूखमाई मंदिर में देवउठनी एकादशी पर हुई पूजा अर्चना

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के सुन्दरटोला में स्थित भगवान विठ्ठल-रूखमाई मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी देवउठनी एकादशी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर 2 नवम्बर को प्रातः बेला में भगवान

विठ्ठल-रूखमाई का विधि विधान से अभिषेक कर पूजन-अर्चन किया। सुन्दरटोला निवासी शिक्षक स्व.श्री श्रावणलालजी रामटेक्कर के सुपुत्र त्रिलोकराव रामटेक्कर जो कि वर्तमान में मुम्बई में रहते है के द्वारा अपने पैतृक निवास में वर्ष 2012 में भव्य मंदिर का निर्माण कर पढंरपुर से भगवान विठ्ठल-रूखमाई की प्रतिमाओं को लाकर स्थापित किया गया था। तभी से प्रतिवर्ष उनके द्वारा देवशयनी एकादशी एवं देवउठनी एकादशी पर्व में लांजी पहुंचकर विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। यह लांजी क्षेत्र का एक मात्र भगवान विठ्ठल-रूखमाई का मंदिर है। इसी कड़ी में 2 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर्व पर लांजी पहुंचकर यहां विधि विधान से पूजा अर्चना की। इस अवसर पर अपरान्ह 4 बजे से सोहन बड़में व उनकी भजन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई जो कि देर शाम तक जारी रही। साथ ही मंदिर में पहुंचने वाले लोगों को महाप्रसादी का वितरण किया गया।

देवेश तिड़के का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड नंबर 09 मनेरी फाटक निवासी स्वर्गीय श्रीराम तिड़के के सुपुत्र देवेश तिड़के 56 वर्ष का 2 नवंबर को सुबह 6 बजे हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया है। आप अपने पीछे पत्नी व दो पुत्रों को रोता बिलखता छोड़ गए। इनका अंतिम संस्कार शाम 4 बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया गया। इनके निधन पर समाज के परिजनों, नाते रिश्तेदारों इष्ट मित्रों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है।

सभी महिलाओं में वसुधेव कुटूंबकम की भावना होनी चाहिये

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में सप्त शक्ति संगम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के विद्याभारती सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में 2 नवंबर को सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम श्रीमती गीता कालबेले सरपंच लाड़सा के मुख्यातिथ्य में एवं श्रीमती कलावती लिल्हारे की अध्यक्षता में तथा श्रीमती लक्ष्मी किरनापुरे, श्रीमती नीलम भर्रे अध्यक्ष राष्ट्र सेविका समिति, मनीषा दुग्गड़, श्रीमती दुर्गा रामटेक्कर सहसचिव कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति, कांति कर्राहे प्राचार्य राजभारती, मोना सिद्धू कौर की प्रमुख उपस्थिती में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती सुनीता जैन प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय किरनापुर मौजूद रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती तथा माँ भारती के छायाचित्रो के समक्ष दीप प्रज्जवलन व माल्यार्पण कर किया गया। सामुहिक वाणी वंदना के पश्चात अतिथियो का परिचय कर स्वागत तिलक वंदन किया गया। कु लवली वानखेडे एवं सहेलियों के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य वक्त श्रीमती सुनीता जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी महिलाओं में वसुधेव कुटूंबकम की भावना होनी चाहिये। परिवार में मिल जुलकर रहना, माँ बेटी, पत्नि और सांस का कर्तव्य मनोयोग से पूर्ण करना है। यही अपनी भारतीय संस्कृति हमें सिखाती है। अपने परिवार की समस्याऐं मातृ शक्ति सुलझा सकती है। मातृ शक्तियों में सप्त गुण समाहित होते है, अपनी शक्ति को पहचानने की आवश्यकयता है। भारतीय दर्शन और संस्कृति की छाप हमेशा झलकनी चाहिये, अपने घरों में मत्रोच्चारण, प्रार्थना, आरती नित्य करना चाहिये। अपने कुटूंब को बांधकर रखने की आवश्यकता है। नारी में सप्त गुण भरे होते है, अपने घर को मितव्यता और सुझबुझ से चलाना चाहिये। अपनी मातृभाषा, वेशभूषा तथा परिवार को सात्विक भोजन प्रदान करना आपका परम कर्तव्य रहना चाहिये। अपने बेटा बेटियों को मोबाईल से दुर रखे और उनकी पढाई पर विशेष ध्यान देना है। अपने आस पास के पर्यावरण को साफ सुथरा रखे एवं लोगो को जागरूक करायें।

इसी कड़ी में नीलम भर्रे ने कहा कि जीजा बाई, विरांगना लक्ष्मी बाई एवं अहिल्या बाई होलकर जैसे महान देश भक्त नारियों के विषय में उदाहरण देते हुये कहा कि इनमें राष्ट्रीयता देशभक्ति और साहस असीम भरा हुआ था और उन्होने अपने परिवार की जवाबदारी भी बखुभी निभाई। देश पराधिन होने के बावजूद भी हमारी कई भारतीय नारियों ने महिलाओं का संगठन तैयार किया और उन्हे प्रशिक्षित करती रही और अपने परिवार को संस्कारित करने का कार्य किया। आपने भगीनी निवेदिता का उदाहरण देते हुये कहा कि इस विदेशी नारी ने भारतीय संस्कृति से प्रेरित होकर हमारे अनेक असहाय और निर्धन परिवारों को सहयोग किया। आप मातृ शक्तियों से मेरा निवेदन है कि अपनी भारतीय संस्कति और मातृ भाषा पर विशेष जोर दे। स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करे। अपने परिवार को संगठित और सुशिक्षित करें। पूर्व छात्रा कु आस्था पाण्डे और श्रीमती मनीषा दुग्गड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मातृ शक्तियों से छोटे छोटे प्रश्न पुछे गये जिन्होंने बडे ही उत्साह के साथ प्रश्नो के उत्तर दिये। विद्यालय की बहनों ने प्रेरणादायक महिलाओं की वेश भूषा के रूप में कु पारूल लिल्हारे ने अहिल्या बाई होलकर की वेशभूषा, कु सलोनी राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, कु अस्मी बापुरे ने भगिनी निवेदिता, कु डाली श्रीवास ने रानी अवंती बाई, कु पावनी वाघ ने झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, कु निष्ठा नागदवने जीजा बाई की वेशभूषा धारण कर इन सभी महान विभूतियों के विषय जानकारी प्रदान की। श्रीमती आरती श्रीवास वरिष्ठ आचार्या ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथि गण एवं मातृ शक्तियों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि आप सभी ने अपना अमृल्य समय प्रदान कर इस कार्यक्रम की शोभा बढाये हम आपके सदैव आभारी रहेंगे। कार्यक्रम में मंच संचालन आचार्या श्रीमती भूमेश्वर टेंभरे एवं श्रीमती रीना सिसोदिया ने किया। कार्यक्रम में क शिशु वाटिका की बारह शैक्षणिक व्यवस्थाओं की प्रदर्शनी लगाई गई थी जिन्हे माताओं ने बहुत ही सराहा ।

रेगिस्तानी क्षेत्र में भारतीय सेना ने किया ड्रोन और ड्रोन-प्रतिरोध अभ्यास

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने दक्षिणी कमान के तहत रेगिस्तानी क्षेत्र में ड्रोन और ड्रोन-प्रतिरोध से जुड़ा एक विशेष सैन्य अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस अभ्यास का उद्देश्य उभरते हवाई खतरों से निपटने की सेना की तैयारी को परखना और भविष्य के युद्ध परिदृश्यों के लिए रणनीतिक प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करना था।

यहां बताते चलें कि वायु समन्वय-द्वितीय नामक दो दिवसीय यह अभ्यास पिछले दिनों संपन्न हुआ है। इसमें परिचालन वातावरण को वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में तैयार किया गया था, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, प्रतिस्पर्धी वातावरण और बहु-डोमेन कमान एवं नियंत्रण केंद्रों के बीच समन्वय शामिल था। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि इस अभ्यास में विभिन्न हवाई और जमीनी संसाधनों का एकीकरण किया गया, ताकि सेना की परिचालन तत्परता और सामरिक दक्षता का व्यापक मूल्यांकन किया जा सके। विशेष रूप से, ड्रोन और एंटी-ड्रोन अभियानों के सैद्धांतिक आधारों के विकास और परीक्षण पर जोर दिया गया, जिससे सेना को उभरते हवाई खतरों के प्रति तेज और प्रभावी प्रतिक्रिया देने में सहायता मिलेगी।

इस अभ्यास के दौरान भारतीय सेना के विभिन्न अंगों के बीच समन्वय और नई तकनीकों के एकीकरण का भी प्रदर्शन किया गया। इसका उद्देश्य अगली पीढ़ी के युद्ध के लिए सैन्य बलों की तैयारी और निर्णय लेने की क्षमता को सशक्त बनाना था। दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने इस अभ्यास की सफलता की सराहना की और कहा कि यह अभ्यास भारतीय सेना की बदलते युद्ध परिदृश्यों के प्रति अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है। इस तरह के प्रशिक्षण अभियानों से सेना की युद्धक्षमता में न केवल वृद्धि होगी, बल्कि तकनीकी नवाचारों को अपनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को बनवाने वाले हरि मुकुंद पांडा का बयान, यह केवल दैवीय प्रकोप

अमरावती। आंध्र प्रदेश के काशीबुग्गी में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ की घटना में करीब 10 लोगों की मौत हो गई। एकादशी के मौके पर मंदिर परिसर में बेतहाशा भीड़ (लगभग 10 हजार लोग) जमा हो गई थी। सुबह करीब 11 बजे प्रवेश द्वार के पास धक्का-मुक्की के कारण एक रेलिंग टूट गई और भगदड़ मच गई। यह मंदिर तिरुवनंतपुरम मंदिर के तर्ज पर बना था और अभी चार महीने पहले ही श्रद्धालुओं के लिए खोला गया था। यह निर्माणाधीन था और इसमें अव्यवस्था की खबरें थीं। श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश और निकास द्वार एक ही था। वहीं मंदिर बनवाने वाले ओडिशा के 94 वर्षीय हरि मुकुंद पांडा ने कहा कि इस घटना के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है, बल्कि यह केवल दैवीय प्रकोप था। वहीं मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि अगर प्रशासन को इतनी भीड़ की जानकारी पहले दे दी गई होती तब पुलिस ने क्राउड मैनेजमेंट प्लान बना लिया होता। उन्होंने आयोजकों पर पुलिस को पहले से सूचित न करने का आरोप लगाया। पुलिस ने कहा कि इतनी भीड़ के बारे में पहले जिला प्रशासन को बताया गया होता तो यह घटना न होती। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 100 (सदोष हत्या) का मुकदमा दर्ज किया है। यह मंदिर आंध्र प्रदेश सरकार के रिकॉर्ड में भी दर्ज नहीं था। पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने कहा कि धार्मिक संस्थानों के लिए अनिवार्य है कि वे कार्यक्रम आयोजित करते समय पुलिस से अनुमति लें, चाहे भीड़ कितनी भी हो।

बिहार चुनाव को लेकर बोले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश, हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस, शांतिपूर्ण चुनाव के लिए बिहार तैयार

कानपुर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि भारत निर्वाचन आयोग बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोग की नीति हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंस) की है और किसी भी प्रकार की हिंसक घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कानपुर में मीडिया से बात करते हुए कुमार ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं कि मतदाता बिना भय के मतदान कर सकें। राज्य के सभी 243 रिटर्निंग अधिकारी, पर्यवेक्षक, जिला अधिकारी, एसपी और चुनाव कर्मी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए तत्पर हैं। उन्होंने बिहार के मतदाताओं से अपील की कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें। मुख्य चुनाव आयुक्त का यह बयान हाल ही में मोकामा में जन सुराज उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शिनी की रैली में नेता दुलारचंद यादव की हत्या के बाद आया है। इस मामले में जेडीयू उम्मीदवार अनंत कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया है। आयोग ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए सभी जिलों को सख्त निगरानी और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

बिहार में डबल इंजन की सरकार फेल, लोगों के भविष्य को बदलने के लिए सरकार बदलना जरूरी

पटना। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री सचिन पायलट ने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार फेल है और लोगों के भविष्य को बदलने के लिए सरकार बदलना जरूरी है। उन्होंने दुख व्यक्त किया कि बिहार में सबसे ज्यादा पलायन होता है और सबसे ज्यादा शिक्षित बेरोजगार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली के दबाव में सरकार चला रहे हैं और सत्ता के लालच में लाचार हो गए हैं, और उनके लिए कुर्सी का मोह बिहार के लोगों से ऊपर है। उन्होंने कहा कि बिहार में बदलाव का माहौल चरम सीमा पर है और लोग केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, व्यवस्था परिवर्तन चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे पुराने आश्वासनों को भूलकर नए वादे कर वोट बटोरने की कोशिश कर रहे हैं और इसमें नाकाम रहने वाले है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के वादों पर लोगों को भरोसा है और वे जनता की उम्मीदों पर खरे उतरने वाले है। इस दौरान कांग्रेस नेता पायलट ने बिहार में पेपर लीक का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा खंडित जनादेश लेकर आई थी और बैसाखियों के सहारे सत्ता में बैठी है। उन्होंने कई सीटों पर महागठबंधन के फ्रेंडली फाइट को लेकर कहा कि ऐसी स्थिति बन जाती है और फ्रेंडली फाइट में कोई दुश्मन नहीं होता है, कोई भी जीते पर साथ रहने वाले है। यह बयान मुख्य रूप से बिहार में आगामी चुनावों के संदर्भ में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और महागठबंधन के पक्ष में बदलाव की अपील से संबंधित है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

प्रदेश के तीन जिलों में होगा जनगणना का ट्रायल

जनगणना निदेशालय ने रतलाम, ग्वालियर और सिवनी का किया चयन

भोपाल। एजेंसी। देश में जनगणना की तैयारी शुरू हो गई है। जनगणना निदेशालय ने अलग-अलग राज्यों में जनगणना कराने के लिए जनगणना का अभ्यास कार्यक्रम तैयार किया है। इसके लिए मप्र के तीन जिले रतलाम, ग्वालियर और सिवनी का चयन किया है। राज्य के अलग-अलग हिस्से से ताल्लुक रखने वाले इन जिलों में जनगणना का अभ्यास 10 नवंबर से शुरू होगा और 30 नवंबर तक चलेगा।

जनगणना के अभ्यास कार्य के बाद गणना अमले को कार्य में आने वाली कठिनाई समेत अन्य समस्याओं को लेकर जनगणना निदेशालय मप्र की ओर से विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी जाएगी। मंत्रालय इस आधार पर फाइनल जनगणना शीट तैयार करेगा। संभवत: अगले साल जनवरी 2026 में जनगणना शुरू हो सकता है। गृह विभाग की अधिसूचना पर तीनों जिलों ने अभ्यास कार्य की तैयारी शुरू कर दी है। जिसमें जनगणना कार्य में हिस्सा लेने वाले

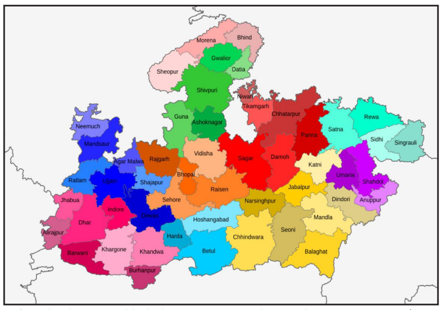

कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने से लेकर अन्य कार्य शामिल हैं। बताया गया कि जिन जिलों का चयन जनगणना अभ्यास कार्य के लिए किया गया है। वहां पूरे जिले में गणना नहीं होगी। बल्कि क्षेत्र विशेष में ही जनगणना का कार्य होगा। रतलाम जिलाशीश सुश्री मिशा सिंह ने वीडियो जारी कर कहा है कि 'जनगणना दुनिया के बड़े प्रशासनिक कार्यों में शामिल है। देश में प्रथम डिजिटल जनगणना की तैयारी हो रही है। अप्रैल से सितम्बर 2026 के बीच मकानों की गणना की जाएगी। दूसरा चरण 2027 में होगा। रतलाम ग्रामीण इलाके के 45 गांवों में मकान सूचीकरण का कार्य मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा। इसे वास्तविक जनगणना की तरह ही होता है। 10 से 30 नवम्बर तक यह काम होगा। कलेक्टर सिंह ने कहा है कि तहसीलदार ग्रामीण द्वारा जारी पहचान पत्र प्रगणक के पास होगा। प्रगणक को सही जानकारी देना अनिवार्य और बाध्यकारी है।

1 जनवरी से फ्रिज होंगी प्रशासनिक सीमा

भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त ने राज्य सरकार को पत्र भेजा है। पत्र में लिखा है कि प्रदेश में प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव 31 दिसंबर 2025 तक पूरा करना होगा। 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2027 तक सीमाएं फ्रीज रहेंगी और इस दौरान कोई भी बदलाव मान्य नहीं होगा। गृह विभाग प्रशासनिक सीमाओं के बदलाव को लेकर चार विभाग नगरीय विकास एवं आवास, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और राजस्व विभाग को पत्र लिख चुका है।

5 दिनी शीतकालीन सत्र होगा हंगामेदार

विधानसभा में सरकार को घेरने की तैयारी में जुटी कांग्रेस

भोपाल। एजेंसी। मध्य प्रदेश की 16वीं विधानसभा का शीतकालीन सत्र हंगामेदार होगा। इसको लेकर कांग्रेस ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। पर्यटन स्थल पचमढ़ी में कांग्रेस के महामंथन में भी इसको लेकर चर्चा की गई। इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में राज्य के सभी 71 जिला और शहर अध्यक्ष शामिल हुए हैं। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम में मप्र सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जाएगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि अब वक्त है कि कार्यकर्ता से लेकर नेतृत्व तक एक समान दिशा में काम करें। पचमढ़ी शिविर को इसी कड़ी में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सत्र में अनुपूरक बजट समेत चार विधेयक लाए जा सकते हैं। इसे लेकर विभागों ने तैयारियां शुरू कर दी है। वहीं, विपक्ष भी कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

दिसंबर माह में होने जा रहा है। विधानसभा सत्र 1 दिसंबर से शुरू होगा और 5 दिसंबर तक चलेगा। राज्यपाल से अनुमोदन मिलने के बाद मध्य प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा ने बताया कि 5 दिवसीय सत्र में सदन की कुल 4 बैठकें होंगी। इसमें महत्वपूर्ण सरकारी काम निपटाए जाएंगे। विधानसभा में अशासकीय विधेयकों की सूचनाएं 4 नवंबर और अशासकीय संकल्पों की सूचनाएं 20 नवंबर तक विधायकों को देनी होंगी। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इस बार नए प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा मुख्य भूमिका में रहेंगे। अवधेश प्रताप सिंह के विधानसभा प्रमुख सचिव पद से रिटायर्ड होने के बाद अरविंद शर्मा को जिम्मेदारी दी गई है। 1 अक्टूबर से उन्हें विधानसभा का प्रमुख सचिव बनाया गया है। शर्मा के पहले अवधेश प्रताप सिंह विधानसभा के प्रमुख सचिव थे, जो 30 सितंबर को रिटायर होने के बाद मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के सदस्य बनाए गए। कांग्रेस ने सत्ता पक्ष को घेरने के लिए भरपूर तैयारियां की हैं। कांग्रेस विधायक किसान, बिगड़ती कानून व्यवस्था, जल जीवन मिशन में गड़बड़ी, अधिकारियों के तबादलों जैसे कई मुद्दों को लेकर सवाल उठाएंगे। विधानसभा सत्र के दौरान सरकार को विधेयक पेश करेगी।

ऑफलाइन कल तक पूछ सकेंगे सवाल

एक दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र के लिए विधायकों के सवाल पूछने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी। इसके लिए 4 वर्ग बनाए गए हैं। पहले वर्ग में विधायक पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम विभाग, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता, उच्च शिक्षा, आयुष, तकनीकी शिक्षा विभाग के लिए ऑनलाइन सवाल 3 नवंबर तक पूछ सकेंगे। जबकि ऑफलाइन सवाल पूछने की अंतिम तिथि 4 नवंबर हैं। विभागों को इन विभागों से जुड़े सवालों के जवाब 1 दिसंबर तक विधानसभा सचिवालय को भेजना होंगे।

सिमटेगा बीएचईएल का दायरा

खाली पड़ी 1146 हेक्टेयर भूमि वापस लेगी सरकार

भोपाल। एजेंसी। राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के विस्तार के लिए राज्य शासन देश की नवरत्न कंपनियों में से एक भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (भेल) की खाली पड़ी जमीन वापस लेने की तैयारी कर रही है। राज्य सरकार भेल के कब्जे से 1 हजार 146 हेक्टेयर जमीन को वापस लेने की तैयारी कर रही है। जिला प्रशासन ने यह जमीन चिह्नित भी कर ली है। यह जमीन सालों से बीएचईएल के कब्जे में है, लेकिन जिला प्रशासन के रिकॉर्ड में यह अब भी राजस्व के नाम दर्ज है। हालांकि इसको लेकर बीएचईएल ने आपत्ति जताई है।

बीएचईएल की भोपाल में स्थापना साल 1964 में हुई थी। इसके पहले केन्द्र सरकार ने बीएचईएल को 1959 से 1962 के बीच करीबन 6 हजार एकड़ जमीन आवंटित की थी। हालांकि अब जिला प्रशासन का कहना है कि बीएचईएल के अन्ना नगर से सटी और दूसरे स्थानों पर 1 हजार 146 हेक्टेयर जमीन चिह्नित की गई है। यह जमीन राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के मुताबिक चिह्नित की गई 1 हजार 146 हेक्टेयर भूमि कभी बीएचईएल को आवंटित ही नहीं की गई थी। 1960 में बीएचईएल को जो जमीन आवंटित की गई थी, उसमें उक्त भूमि का कहीं भी उल्लेख ही नहीं है।

गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार की तैयारी

भोपाल के बीचोंबीच स्थित गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार को लेकर राज्य सरकार जमीन तलाश कर रही है। हाल ही में एमएसएमई के कार्यक्रम में गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री के सामने उद्योगों के विस्तार के लिए जमीन आवंटित किए जाने जाने का मुद्दा उठाया था। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया था कि जल्द ही औद्योगिक क्षेत्र के पास ही जमीन का इंतजाम किया जाएगा। माना जा रहा है कि खाली होने वाली जमीन पर औद्योगिक क्षेत्र के रूप में उपयोग किया जाएगा। अभी खाली पड़ी इस जमीन पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हो रहा है।

बीएचईएल ने जताई आपत्ति, कमेटी गठित

उधर, जिला प्रशासन के दावे पर बीएचईएल प्रबंधन ने आपत्ति जताई है। बीएचईएल ने कहा है कि ये जमीन 1962 से ही उनके कब्जे में रही है। उधर जमीन को लेकर उपजे विवाद को देखते हुए मुख्य सचिव अनुराग जैन ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित कर दी है। कमेटी ने भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह और भेल प्रबंधन से आवंटित की गई जमीन के दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कहा है।

बारिश, खेती-किसानी में नुकसान... रबी सीजन 20 दिन लेट

लहसुन, आलू, मटर, चना में फंगस का खतरा

भोपाल। एजेंसी। नवंबर महीना शुरू हो गया है और बारिश का दौर अभी भी जारी है। रबी सीजन में इस बार 20 दिन की देरी हो रही है, वहीं जिन किसानों ने आलू, मटर, लहसुन की फसल लगाई है, उन पर फंगस का खतरा मंडराने लगा है। किसानों का कहना है कि इस बारिश से अब नुकसान दिख रहे हैं। मालवा क्षेत्र के कुछ गांवों में अचानक तेज बारिश किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

रबी सीजन की 15 अक्टूबर से शुरुआत मानी जाती है, लेकिन इस बार बारिश का दौर रुक-रुककर जारी रहा। जहां तेज बारिश हुई, वहां पर लहसुन, आलू और मटर के किसानों को नुकसानी का सामना करना पड़ा, वहीं किसानों को फसल बीमा में भी इसका लाभ नहीं मिल रहा। किसानों को मौसम के साफ होने का इंतजार है। कुछ किसानों ने गेहूं, चना, आलू, मटर और लहसुन की बोवनी कर दी है, लेकिन उन्हें अब फंगस लगने का खतरा नजर आने लगा है, वहीं यह भी तय है कि जो फसल अभी लगाई है, उसकी ग्रोथ कमजोर रहेगी, क्योंकि मिट्टी में लगातार नमी बनी हुई है। ठंडक से अंकुरण में दिक्कत रहना तय है और तीखी धूप के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं।

किसानों कीपरेशानी .... लगातार बारिश के दौर से जमीन में बढ़ रही ठंडक

किसान हरिशंकर पटेल का कहना है कि पहले सोयाबीन में बुरे हाल चल रहे हैं डेढ़ ओर 2 कुंतल प्रति बीघा उत्पादन मिला है जिसमें खर्च भी आधा नहीं निकल रहा, फसल बीमा तो मिल ही नहीं रहा। अब सीजन सामने है लेकिन बारिश का दौर परेशानी पैदा कर रहा है। किसान दिनेश पटेल का कहना है कि प्याज का रोप तैयार नहीं हो पा रहा है जिससे डेढ़ महीने बाद भाव तेज रहने की संभावना है। बलराम पटेल ने बताया कि कृषि विभाग को किसाने के बीच विपरीत मौसम में सटीक फसल बुवाई के जानकारी साझा करना चाहिए ताकि किसानों को नुकसानी से बचाया जा सके। किसान नेता बबलू जाधव का कहना है कि कल महू क्षेत्र में तेज बारशमें से 8/10 किसानों के गाजर की बुआई खराब हो गई है लाखों रूपये का नुकसान हुआ है किसानों को मुआबजा मिलना चाहिए

किसानों को हुआ लाखों का नुकसान

इस बारिश के कारण किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हो गया है। किसान नेता बबलू जाधव ने बताया कि शनिवार को हुई तेज बारिश ने महू तहसील के आंबाचंदन, दतोदा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई। लगातार एक घंटे से अधिक चली तेज बारिश से खेत तालाब में बदल गए। आलू, गाजर, प्याज और लहसुन जैसी नकदी फसलों को भारी नुकसान हुआ है। आंबाचंदन और दतोदा क्षेत्र में नदी-नालों के उफान से रास्ते बंद हो गए। पंचायत भवनों तक में पानी घुस गया। खेतों में जलजमाव के कारण कई किसानों की मेहनत और हजारों रुपए की बुवाई बारिश के पानी में बह गई। यहां के किसान और पूर्व सरपंच जितेंद्र पाटीदार ने बताया कि उन्होंने 12 बीघा में गाजर की बुआई की थी, जिसमें करीब 3 लाख 4 हजार के बीज बह गए, वहीं, किसान दीपक नारोलिया की 15 बीघा में 3.68 लाख की बुआई आधे घंटे में ही बारिश से नष्ट हो गई। किसान नेता बबलू जाधव ने कहा कि यह प्राकृतिक आपदा किसानों के लिए आर्थिक संकट बन गई है। सरकार को तुरंत सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को राहत राशि शीघ्र प्रदान करनी चाहिए, साथ ही फसल बीमा योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए, ताकि किसान आगामी फसलों के लिए तैयार हो सकें।

70 साल के सफर पर बदलेगा मप्र का नक्शा

नया संभाग और तीन जिले बनने की तैयारी, भोपाल में बढ़ेंगी तहसीलें

भोपाल। एजेंसी। मध्यप्रदेश अपने 70वें स्थापना दिवस पर एक नए प्रशासनिक युग में प्रवेश करने जा रहा है। प्रदेश का भौगोलिक और प्रशासनिक नक्शा जल्द ही बदल सकता है। प्रदेश में तीन नए जिले और एक नया संभाग बनाने की मांग तेज हो रही है। इस पर राज्य सरकार की तरफ से भी काम शुरू हो गया है। इस बदलाव के साथ कई जिलों की सीमाएं नए सिरे से तय होंगी और राजधानी भोपाल में पांच नई तहसीलें जोड़ी जाएंगी। सूत्रों के अनुसार, सरकार इंदौर संभाग से खंडवा, खरगोन और बुरहानपुर को अलग कर नया संभाग बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इस निर्णय से न केवल प्रशासनिक ढांचा मजबूत होगा, बल्कि निमाड़ अंचल के विकास को भी नई गति मिलेगी। वहीं, भोपाल में हर विधानसभा क्षेत्र को एक-एक तहसील का स्वरूप देने की योजना है, जिससे जिले में कुल आठ तहसीलें हो सकती है।

यह पूरी प्रक्रिया पिछले वर्ष गठित राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग की देखरेख में हो रही है। आयोग का लक्ष्य जल्द से जल्द सीमांकन का काम पूरा करना है, क्योंकि जनगणना से पहले प्रशासनिक इकाइयों की सीमाएं तय करनी अनिवार्य हैं। आयोग अब तक दो दर्जन से अधिक जिलों में मैदानी कार्य पूरा कर चुका है और शेष जिलों में सर्वे का कार्य जारी है। आयोग ने सीमाओं को साइंटिफिक तरीके से और सटीक बनाने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन से तकनीकी सहयोग लिया है। ड्रोन और सैटेलाइट सर्वे की मदद से सटीक सीमांकन तैयार किया जाएगा। बाद में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों को मिलाकर सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

भोपाल में प्रशासनिक पुनर्गठन की झलक

वर्तमान में जिले में तीन तहसीलें हुजूर, बैरसिया और कोलार हैं। अब इनके साथ टीटी नगर, एमपी नगर, गोविंदपुरा, संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) और पुराना भोपाल को तहसील का दर्जा देने की योजना है। नई तहसीलों के गठन से आम नागरिकों को राजस्व, नामांतरण और प्रमाणपत्र संबंधी कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। प्रदेश के गठन से लेकर अब तक मध्यप्रदेश में 45 से बढ़ ?र 55 जिले बन चुके हैं। हालांकि छत्तीसगढ़ के अलग होने से पहले वर्ष 2000 में प्रदेश में जिलों की संख्या 61 थी। अब एक बार फिर मध्य प्रदेश इस आकड़े की तरफ बढ़ने की तैयारी में है। यह पुनर्गठन केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि 70 वर्षों के विकास सफर का अगला अध्याय माना जा रहा है। जहां मध्यप्रदेश अपने नए स्वरूप में एक और मजबूत कदम बढ़ाने जा रहा है।

ई-अटेंडेंस व्यवस्था का तीन माह का ट्रायल समाप्त

अब ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर ही शिक्षकों का वेतन

भोपाल। एजेंसी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति की ई-अटेंडेंस व्यवस्था का तीन माह का ट्रायल समाप्त हो गया है। अब ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर ही शिक्षकों का वेतन मिलेगा। अधिकारियों का कहना है कि पूरे राज्य में कहीं पर भी इंटरनेट सेवा प्रभावित नहीं है। ट्रायल के तौर पर टीचरों को यह छूट इसलिए भी दी गई थी कि इनकी ओर से निरंतर शिकवा शिकायत आ रही थी। प्रत्येक जिले में हर विकासखंड का अध्ययन किया। कहीं पर भी इंटरनेट की समस्या नहीं है। इसलिए अब नवंबर से सख्त व्यवस्था होगी।

दरअसल, ई-अटेंडेंस को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने सख्ती बरती है। अब किसी भी शिक्षक का वेतन बिना ऑनलाइन उपस्थिति के आहरित नहीं हो पाएगा। इन्हें स्कूल खुलने और बंद यानि छुट्टी के समय हमारे शिक्षक ऐप पर हाजिरी लगाना होगी। विभाग का कहना है कि दो की बजाय तीन माह का ट्रायल हो चुका है। शिक्षकों की जो समस्या थी उसको सुना और समझा गया। अब व्यवस्था के आधार पर काम करना होगा। विभाग के अनुसार अब यह नहीं चलेगा कि व्यावहारिक या तकनीकी खामियां आ रही हैं।

जुलाई से सितंबर तक चला ट्रायल

जानकारी के अनुसार, जुलाई से लेकर सितंबर तक हर ब्लॉक में मोबाइल संचालन, इंटरनेट सहित प्रत्येक पहलुओं को परखा गया है। कमिश्नर लोक शिक्षण संचालनालय शिल्पा गुप्ता का कहना है कि ट्रायल पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। शिक्षकों की शिकायतों को मान्य करते हुए दो की बजाय तीन माह का ट्रायल किया। कहीं कोई समस्या नहीं है। अब हर स्कूल में शिक्षक के वेतन का आहरण ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर निकलेगा। अधिकारियों का कहना है कि पूरे राज्य में कहीं पर भी इंटरनेट सेवा प्रभावित नहीं है। ट्रायल के तौर पर टीचरों को यह छूट इसलिए भी दी गई थी कि इनकी ओर से निरंतर शिकवा शिकायत आ रही थी। प्रत्येक जिले में हर विकासखंड का अध्ययन किया। कहीं पर भी इंटरनेट की समस्या नहीं है। इसलिए अब नवंबर से सख्त व्यवस्था होगी। नवंबर का जो दिसंबर में वेतन तैयार होगा। वह ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर ही निकलेगा। जिला शिक्षा अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं। वेतन बिल तैयार करने की जो व्यवस्था है। वह अभी पूर्ववत रहेगी। संकुलों से बिल विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय जाएंगे। जहां बीईओ कार्यालय से ही शिक्षकों के ऑनलाइन बिल पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। लोक शिक्षण संचालनालय कहना है कि यदि सिस्टम में कहीं छेड़छाड़ की जाती है तो वह भी दो मिनट में पकड़ ली जाएगी। लोक शिक्षण संचालक का कहना है कि जुलाई से से यह व्यवस्था शुरू की गई थी। इसलिए जुलाई और अगस्त में इसका ट्रायल था। फिर भी शिक्षकों ने इंटरनेट संबंधी समस्या बताई तो सितंबर तक इसे बढ़ा दिया गया था। इसके बाद निर्देश दिए गए थे कि अक्टूबर का जो वेतन आहरण होगा वह ई-अटेंडेंस पर ही आधारित रहेगा।

अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

जानकारी है कि कई जिलों में अक्टूबर माह के बिल भी अनेक विकासखंड शिक्षा अधिकारियों ने ऑफलाइन लगाए हुए हैं। इसलिए इनका परीक्षण करने की तैयारी है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जिस ऑनलाइन उपस्थिति को शुरू किया गया है। मैदानी स्तर पर उसकी व्यवस्था की पूरी चाबी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों के हाथों में है। कारण है कि जब यह नया काम प्रारंभ किया गया था तो प्रत्येक ब्लॉक के विकासखंड शिक्षा अधिकारी और वहां कार्यरत ऑपरेटर को ही भोपाल में प्रशिक्षण दिया गया था। इन्हें पूरी विधियां बताई गई थी कि किस प्रकार शिक्षकों की प्रतिदिन की ऑनलाइन उपस्थिति को दर्ज करना है। विभाग का कहना है कि सिस्टम का नियंत्रण मुख्यालय स्तर से भी है। इसलिए वहां जो कुछ हो रहा है कि यहां से भी उसका अवलोकन किया जा रहा है।

विद्यार्थियों की जानकारी अपलोड करने की समयसीमा 21 दिन बढ़ी

भोपाल। एजेंसी। निःशुल्क शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है। स्कूलों को राज्य शिक्षा केंद्र के पोर्टल पर विद्यार्थियों की प्रपोज अपलोड करना होती है। इसके बाद ही इनका भुगतान किया जाता है। विद्यार्थियों की संख्या अपलोड करने के लिए 16 नवंबर तक का समय बढ़ाया गया है।

राज्य शिक्षा केंद्र अपर संचालक शीतांशु शुक्ला ने 31 अक्टूबर को आदेश जारी किया कि वर्ष 2024-25 में निजी स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या पोर्टल पर अपडेट करने के लिए 21 दिन की समयसीमा और बढ़ा दी गई है। पहले निजी स्कूलों को पोर्टल पर गत वर्ष शैक्षणिक सत्र के विद्यार्थियों की संख्या के लिए 25 अक्टूबर तक अपनी जानकारी अपलोड करना थी। प्रपोज देना थे। प्रदेश में कई स्कूल संचालक ऐसे थे, जिन्होंने प्रपोज अपडेट नहीं किए थे। राज्य शिक्षा केंद्र की मंशा है कि कोई स्कूल शेष न रहे और सभी को स्वीकृत राशि मिल जाए, इसलिए प्रपोज की तारीख आगे बढ़ाई गई है।

अग्रसेन महाराज पर अभद्र टिप्पणी का विरोध

भोपाल। एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नेता और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल द्वारा भगवान झूलेलाल, अग्रसेन महाराज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर दिए गए आपत्तिजनक बयान के खिलाफ भोपाल में सिंधी और अग्रवाल समाज ने जागृत हिंदू मंच के बैनर तले बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि एकजुट हुए और पुलिस कमिश्नर भोपाल को ज्ञापन सौंपते हुए बघेल की गिरफ्तारी की मांग की।

बताया गया कि हाल ही में छत्तीसगढ़ में 'छत्तीसगढ़ महतारी' की मूर्ति तोड़े जाने की घटना के बाद अमित बघेल ने कहा था पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अग्रसेन महाराज की मूर्ति क्यों नहीं टूटती? उनकी मूर्ति पर पेशाब क्यों नहीं करते? कौन है अग्रसेन महाराज? चोर है या झूठा? इस टिप्पणी के बाद अग्रवाल और सिंधी समाज में तीव्र आक्रोश फैल गया। लोगों ने कहा कि यह केवल किसी समाज विशेष का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की विचारधारा और श्रद्धा पर हमला है। जागृत हिंदू मंच के संरक्षक डॉ. दुर्गेश केसवानी ने कहा कि अमित बघेल जैसे तत्व सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने और हिंदू समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। यह वही मानसिकता है जो हमारे महापुरुषों दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, श्री अग्रसेन महाराज के आदर्शों को मिटाने का सपना देखती है। अब समय आ गया है कि केवल निंदा नहीं, बल्कि कानून का कठोर प्रहार हो। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तुरंत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी नहीं की गई, तो हिंदू समाज सड़कों पर उतरकर विरोध करेगा।

यह राष्ट्र का अपमान

मंच के संयोजक सुनील कुमार जैन ने कहा कि अमित बघेल की टिप्पणी केवल किसी समाज पर नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रवादी सोच पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे राष्ट्रपुरुषों का अपमान करना भारत की आत्मा को ठेस पहुंचाने जैसा है। मंच द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि अमित बघेल की टिप्पणी भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 के अंतर्गत गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। ज्ञापन में मांग की गई कि उनके खिलाफ तत्काल आपराधिक प्रकरण दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति धार्मिक प्रतीकों या समाज के आदर्श पुरुषों का अपमान करने का दुस्साहस न करे।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत पीएचक्यू ने तय किया टारगेट

भोपाल। एजेंसी। मध्य प्रदेश में बच्चे असुरक्षित हैं। बंगाल के बाद मप्र ही ऐसा प्रदेश है, जहां से सबसे ज्यादा बच्चे लापता हुए। इनमें बालिकाओं की संख्या 12 हजार 542 है। एनसीआरबी की रिपोर्ट यह हकीकत बताती है। यही वजह है-गुम हुए बच्चों खासकर बालिकाओं को तलाशने के लिए पूरे प्रदेश में एक नवंबर से ऑपरेशन मुस्कान शुरू किया गया है। पुलिस मुख्यालय के आंकड़े बताते हैं- 2872 ऐसी बालिकाएं हैं, जिन्हें पुलिस अब तक नहीं खोज सकी है। इसमें 1076 बालिकाएं 2025 से पहले से लापता हैं। कई तो दस साल से अधिक समय से लापता हैं। एक नवंबर से प्रारंभ हुआ यह अभियान 30 नवंबर तक जारी रहेगा।

जानकारी के अनुसार, लापता बालिकाओं को खोजने के लिए पुलिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर इंटरनेट मीडिया तक की मदद लेगी। एआई के जरिये पुलिस की फाइल में जो पुराने फोटो हैं, उनके अनुसार वर्तमान का हुलिया वाली फोटो तैयार कराई जाएगी। इससे पुलिस इनकी तलाश करेगी। पुलिस मुख्यालय द्वारा बाकायदा एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) जारी की है।

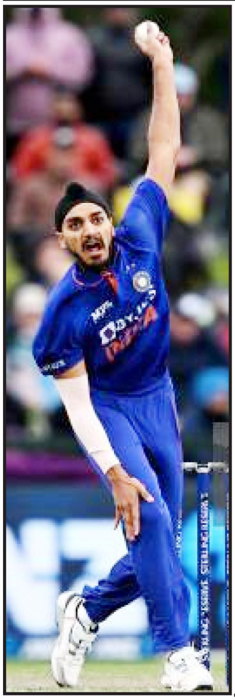

भारत ने तीसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी की

होबार्ट। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। भारतीय टीम की जीत में वाशिंगटन सुंदर की नाबाद 49 रनों की पारी के अलावा तिलक वर्मा की 29 रनों की पारी की अहम भूमिका रही। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को जीत के लिए 187 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे भारतीय टीम ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाकर हासिल कर लिया। भारतीय पारी का आकर्षण सुंदर की पारी रही। सुंदर ने 23 गेंद में चार छक्के और तीन चौके लगाये।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत की पर वह अधिक देर नहीं टिक पाये। अभिषेक ने 16 गेंद में 2 चौके और 2 छक्के लगाकर 25 रन बाये। वह नाथन एलिस की गेंद पर आउट हुए।

इसके बाद एलिस ने शुभमन गिल को भी पेवेलियन भेजे दिया। शुभमन 15 रन ही बना पाये। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 24 रन बनाये। सूर्यकुमार के आउट होने के बाद अक्षर पटेल ने 17 रन बनाये और तिलक वर्मा के साथ पारी को आगे बढ़ाया। एलिस ने अक्षर को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा।

अक्षर पटेल के आउट होने के बाद तिलक ने सुंदर के साथ पांचवें विकेट के लिए 34 रनों की अहम साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। इसके बाद तिलक 29 रन बनाकर जेवियर बार्टलेट की गेंद पर आउट को गये। इसके बाद . सुंदर ने जितेश शर्मा के साथ टीम को जीत दिलायी। जीतेश ने 22 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एलिस ने तीन विकेट लिए।

इससे पहले इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को बल्लेबाज के के लिए बुलाया था। मेजबान टीम की ओर से टिम डेविड ने 8 चौके और 5 छक्के लगाकर 38 गेंदों पर 74 रन बनाए। वहीं मार्कस स्टोइनिस ने 39 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्के लगाकर 64 रन बनाये। इस प्रकार मेजबानों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 186 रन बनाये।

वहीं भारतीय टीम की ओर से भारत अर्शदीप सिंह ने 3 और वरुण चक्रवर्ती ने 2 विकेट जबकि एक विकेट शिवम दुबे ने लिया। वहीं इस मैच में इस मैच में भारतीय टीम ने तीन बदलाव करते हुए बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को शामिल किया है जबकि हर्षित राणा, कुलदीप यादव और संजू सैमसन को बाहर कर दिया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह ऑलराउंडर सीन एबॉट को शामिल किया है। पांच मैचों की इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था जबकि दूसरा ऑस्ट्रेलियाना ने चार विकेट से जीता था।

रणजी ट्रॉफी में यशस्वी बल्ले से बरपा रहे कहर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इन दिनों शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। हाल ही में वह टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए थे, जहां उन्हें वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, दुर्भाग्यवश उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन भारत लौटते ही यशस्वी ने रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए जोरदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को एक बार फिर अपनी काबिलियत का अहसास कराया।

रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ खेलते हुए यशस्वी ने 67 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 8 चौके व 1 छक्का लगाया। शुरुआत में उन्होंने मुशीर खान के साथ मिलकर मुंबई के लिए पहले विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। मुशीर 97 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन यशस्वी ने अपनी लय बनाए रखी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल ने पहले ही खुद को टीम इंडिया के लिए एक भरोसेमंद ओपनर के रूप में स्थापित कर लिया है। इस साल उन्होंने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सबका ध्यान खींचा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में उन्होंने 219 रन बनाए, जिसमें 175 रन की यादगार पारी शामिल थी।

इसी तरह, इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और 10 पारियों में कुल 411 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। लाल गेंद क्रिकेट में यशस्वी की निरंतरता और आत्मविश्वास ने उन्हें भारत के टेस्ट बल्लेबाजी क्रम का अहम हिस्सा बना दिया है। अब रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह साफ दर्शाती है कि यह युवा बल्लेबाज न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्कि घरेलू क्रिकेट में भी लगातार अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। यशस्वी का यह प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए आने वाले समय में शुभ संकेत है, खासकर तब जब भारतीय क्रिकेट को युवा और भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों की जरूरत है।

इरफान पठान ने शुभमन गिल की फॉर्म पर उठाए सवाल

कहा- टीम पर बढ़ेगा यशस्वी को वापस लाने का दबाव

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल इस समय व्हाइट बॉल क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। वनडे टीम की कप्तानी संभालने के बाद से वह बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे हैं। लगातार असफलताओं ने न सिर्फ उनके आत्मविश्वास पर असर डाला है, बल्कि टीम मैनेजमेंट के लिए भी नई चुनौती खड़ी कर दी है। बारिश से प्रभावित पहले वनडे में उन्होंने 20 गेंदों पर नाबाद 37 रन बनाए थे, लेकिन मैच रद्द हो गया। वहीं दूसरे मैच में वह मात्र पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने गिल के हालिया प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए कहा है कि अगर उन्होंने जल्द फॉर्म नहीं पकड़ी, तो उन पर टीम में अपनी जगह बचाने का दबाव बढ़ जाएगा। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए इरफान ने कहा, शुभमन गिल को संजू सैमसन की जगह ओपनिंग के लिए लाया गया, जिन्होंने पहले तीन शतक जड़े थे। गिल में क्षमता है, नेतृत्व का गुण है और आईपीएल में बड़े स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी है, लेकिन उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टी20 में प्रदर्शन करना होगा। पिछली 10 पारियों में उन्होंने कुल मिलाकर 200 रन भी नहीं बनाए हैं। ऐसे में

दबाव बनना लाजमी है। उन्हें मौके और समर्थन मिल रहे हैं, लेकिन अब इन्हें प्रदर्शन में बदलने का समय है।

इरफान ने आगे कहा कि गिल की लगातार विफलता से टीम पर यशस्वी जायसवाल को वापस लाने का दबाव बढ़ेगा। उन्होंने कहा, 卐यशस्वी जायसवाल जैसा खिलाड़ी, जिसका आईपीएल में स्ट्राइक रेट 160 है, अगर बाहर बैठा है और गिल लगातार मौके पाकर भी रन नहीं बना रहे, तो टीम पर भी दबाव आएगा। यशस्वी ऐसा बल्लेबाज है जो किसी भी समय वनडे में 200 रन बना सकता है। इतने प्रतिभाशाली खिलाड़ी का बेंच पर बैठना सही नहीं है।

हालांकि, इरफान पठान ने गिल की प्रतिभा पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि गिल ने आईपीएल में अपने टी20 खेल में काफी सुधार किया है और उनका स्ट्राइक रेट 125 से बढ़कर 150 के पार पहुंच गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि गिल जल्द ही फॉर्म में लौटेंगे और टीम के लिए बड़ी पारियां खेलेंगे। फिलहाल, सभी की निगाहें इस पर टिकी हैं कि कप्तान गिल अपने प्रदर्शन से आलोचकों को कब करारा जवाब देंगे।

रणजी ट्रॉफी में मोहम्मद शमी का जलवा

नई दिल्ली। हाल के दिनों में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच विवाद की खबरें सुर्खियों में रही थीं। शमी का कहना है कि वह पूरी तरह फिट हैं, फिर भी बिना किसी ठोस कारण के उन्हें टीम से बाहर रखा गया। वहीं, अगरकर ने उन्हें ड्रॉप करने के अपने अलग तर्क दिए थे। इस विवाद के बीच शमी ने अब मैदान पर अपने प्रदर्शन से जवाब देना शुरू कर दिया है। वह रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलते हुए एक बार फिर शानदार गेंदबाजी के दम पर चर्चा में हैं।

त्रिपुरा के खिलाफ यह मुकाबला अगरतला के महाराजा बीर बिक्रम कॉलेज स्टेडियम में खेला जा रहा है। जैसे ही शहर में यह खबर फैली कि मोहम्मद शमी मैदान पर उतरने वाले हैं, बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम की ओर उमड़ पड़े। आमतौर पर रणजी ट्रॉफी के घरेलू मैचों में दर्शकों की तादाद बहुत कम होती है, लेकिन इस मैच में माहौल बिल्कुल अलग था। अनुमान के मुताबिक, करीब दो से तीन हजार दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे, जो केवल शमी की एक झलक पाने और उन्हें गेंदबाजी करते देखने पहुंचे थे।

फैंस स्टैंड्स से लगातार शमी के नाम के नारे लगाते रहे, जिससे माहौल रोमांचक बन गया। बारिश की वजह से पहले दिन का खेल केवल 60 ओवर तक ही हो पाया, जिसमें बंगाल की टीम ने एक विकेट खोकर 171 रन बनाए हैं। भले ही शमी को अभी बल्लेबाजी या गेंदबाजी का पूरा मौका नहीं मिला हो, लेकिन उनकी मौजूदगी ने मैच का आकर्षण कई गुना बढ़ा दिया है।

शमी अब तक भारत के लिए 64 टेस्ट, 108 वनडे और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। वर्ल्ड कप 2023 में उन्होंने अपनी घातक गेंदबाजी से भारत को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी और टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाजों में शुमार रहे थे। रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह दिखाती है कि वह अब भी फिट और फॉर्म में हैं और शायद चयनकर्ताओं को अपने प्रदर्शन से जवाब देने के मूड में हैं।

टीम इंडिया में आने दरवाजा खटखटा रहा वैभव सूर्यवंशी-धूमल

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के बाद से वर्ल्ड क्रिकेट में चर्चा का केंद्र बने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा चेहरा माने जा रहे हैं। आईपीएल में अपने दमदार

प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले वैभव ने इसके बाद अंडर-19 स्तर पर भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। लिमिटेड ओवर क्रिकेट के साथ-साथ टेस्ट प्रारूप में भी उन्होंने अपने खेल का ऐसा नमूना पेश किया है, जिससे क्रिकेट विशेषज्ञ और फैंस दोनों ही दंग हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वैभव कब भारतीय सीनियर टीम की नीली जर्सी में नजर आएंगे।

आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने हाल ही में इस युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ की और कहा कि वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। उन्होंने कहा, हम वर्षों से भारतीय क्रिकेट की बेंच स्ट्रेंथ की बात करते रहे हैं, और आज हमारे पास इसका जीता-जागता उदाहरण है एक 14 साल का प्रतिभाशाली खिलाड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार है।

धूमल ने इस मौके पर रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये दोनों अब भी भारतीय क्रिकेट के स्तंभ हैं और उनके अनुभव से युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिल रही है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

धूमल ने कहा, रोहित और कोहली जैसे खिलाड़ी केवल रन नहीं बनाते, बल्कि उदाहरण पेश करते हैं। रोहित ने जिस तरह से इस सीरीज में अपनी क्लास दिखाई, वह बताता है कि उनमें अब भी वैसी ही भूख और जुनून है जैसी करियर की शुरुआत में थी। यही वजह है कि भारतीय क्रिकेट दुनिया में इतनी मजबूती से खड़ा है क्योंकि हमारे पास अनुभव और नई प्रतिभा, दोनों का सही संतुलन है।

वैभव सूर्यवंशी का नाम अब केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक क्रिकेट जगत में गूंज रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ परिपक्वता भी देखने को मिलती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वह इसी लय में आगे बढ़ते रहे, तो आने वाले वर्षों में वह भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार बन सकते हैं। फिलहाल, फैंस बेसब्री से उस पल का इंतजार कर रहे हैं, जब यह 14 वर्षीय बल्लेबाज टीम इंडिया के लिए डेब्यू करते हुए मैदान पर उतरेगा।

केन विलियम्सन का टी-20 से संन्यास

मुंबई । न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियम्सन ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन वह टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब उनका ध्यान टेस्ट क्रिकेट और अपने परिवार पर रहेगा। विलियम्सन दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से वापसी करेंगे। विलियम्सन ने आखिरी बार पिछले साल के टी-20 वर्ल्ड कप में टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था। उन्होंने 2011 में इस फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू किया था और कुल 93 टी-20 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया, जिनमें 75 मैचों में उन्होंने कप्तानी की। विलियम्सन ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसका मैं लंबे समय से हिस्सा रहा हूं और मैं उन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे और टीम के लिए सही समय है। इससे टीम को आगे की सीरीज और उनके अगले बड़े फोकस, यानी टी-20 वर्ल्ड कप, के लिए स्पष्टता मिलेगी। टीम में बहुत सारा टैलेंट है और इन खिलाडि ?ों को आगे लाना तथा उन्हें वर्ल्ड कप के लिए तैयार करना महत्वपूर्ण होगा।

एकदिवसीय के बाद टी20 में भी खामोश है शुभमन का बल्ला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के नये टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को भविष्य में तीनों ही प्रारुपों में कप्तान बनाये जाने की अटकलें हैं। चयन समिति और कोच गौतम गंभीर भविष्य में शुभमन को ही टी20 कप्तान बनाना चाहते हैं। इसी कारण उनको टी20 की उपकप्तानी दी गयी है पर इंग्लैंड दौरे के बाद से ही जिस प्रकार से शुभमन का बल्ला सीमित ओवरों टेस्ट और टी20 में नहीं चल रहा। उससे गंभीर की चिन्ता जरुर बढ़ गयी होगी। शुभमन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के तीनों मैचों में रन नहीं बना पाये। टी20 सीरीज के भी पहले दो मैच में वह विफल रहे। एशिया कप में भी वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये। कुल मिलाकर देखा जाये तो वह पिछली 12 पारियों मे एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज में खेले गए दो मैचों में उन्होंने 37 और 5 रन बनाए है। शुभमन ने टी20 में अंतिम बार अर्धशतक 13 जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एकदिवीसय सीरीज में भी शुभमन विफल रहे थे। तीन मैचों की सीरीज में शुभमन गिल रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करते हुए सिर्फ 43 रन ही बना सके। उनका सबसे अधिक स्कोर 24 रन था।

टी20 सीरीज में हार के बाद भड़के पूर्व क्रिकेटर रमेश

बोले- भारतीय टीम 'म्यूजिकल चेयर' खेल रही

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में जारी टी20 सीरीज में भारतीय टीम की हार ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। खासतौर पर दूसरे टी20 मैच में बल्लेबाजी क्रम में किए गए बदलावों को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सदगोप्पन रमेश ने टीम मैनेजमेंट पर कड़ी नाराजगी जताई है। रमेश ने कहा कि टीम लगातार अपने बल्लेबाजी क्रम के साथ 'म्यूजिकल चेयर' खेल रही है, जिससे खिलाड़ियों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 में भारतीय टीम केवल 125 रन पर सिमट गई थी, जिसे मेजबान टीम ने चार विकेट से आसानी से हासिल कर लिया। इस मैच में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने खुद को नंबर चार पर भेजा, जबकि संजू सैमसन को नंबर तीन पर उतारा गया। वहीं, हर्षित राणा को शिवम दुबे से पहले बल्लेबाजी करने भेजा गया। रमेश ने इन फैसलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर टीम ने थोड़ा बेहतर स्कोर करीब 160 से 170 रन बनाए होते तो जीत की संभावना बन सकती थी।

उन्होंने कहा, भारत को अपने बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव करना बंद करना चाहिए। सूर्यकुमार यादव पिछले मैच में नंबर तीन पर शानदार खेले थे और नॉट आउट भी रहे थे। फिर उन्हें नीचे क्यों भेजा गया? संजू सैमसन को भी हर मैच में अलग पोजीशन पर भेजा जा रहा है कभी ओपनिंग, कभी पांचवें नंबर पर और अब तीसरे पर। इससे खिलाड़ियों में अस्थिरता आ रही है और कोई भी अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट नहीं है।

रमेश ने हर्षित राणा को शिवम दुबे से पहले भेजने के फैसले की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, एक अच्छा कुक को ड्राइवर नहीं बनाया जा सकता, और एक ड्राइवर से उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह अच्छा खाना बनाए। इसी तरह, मैनेजमेंट को हर खिलाड़ी की ताकत समझनी चाहिए और उसी भूमिका में उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना चाहिए। अगर खिलाड़ी अतिरिक्त कुछ कर सके तो वह बोनस है, लेकिन उनकी मुख्य भूमिका नहीं बदलनी चाहिए।

पूर्व बल्लेबाज ने आगे कहा कि भारतीय टीम

की मौजूदा रणनीति खिलाड़ियों की प्राकृतिक क्षमताओं के साथ न्याय नहीं कर रही। उन्होंने चेताया कि अगर टीम मैनेजमेंट ने जल्द स्पष्टता नहीं लाई, तो भारत को ऐसे नतीजे बार-बार देखने पड़ सकते हैं। रमेश ने कहा, टीम को रोल क्लैरिटी की जरूरत है। बल्लेबाज को पहले बल्लेबाजी में और गेंदबाज को पहले गेंदबाजी में बेहतर करने का मौका मिलना चाहिए। यही जगह है जहां भारत फिलहाल फिसल रहा है।

बिहार चुनाव में राजनीतिक पार्टियों ने झोंकी ताकत

पीएम मोदी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने किया वार-पलटवार

पटना/आरा/बेगूसराय एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार दिन पर दिन गरमाता जा रहा है। राजनीतिक पार्टियों ने प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनावी सभाओं को संबोधित किया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने आरा में सभा को संबोधित करते हुए कहा, कि मैं आपको अंदर की बात बता रहा हूं। नामांकन वापस लेने से पहले बिहार में गुंडागर्दी का खेल खेला गया था। कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि सीएम पद पर राजद के नेता का नाम हो। राजद ने भी मौका नहीं छोड़ा। राजद ने कांग्रेस की कनपट्टी पर कट्टा रखकर सीएम पद चोरी कर लिया। सिर पर कट्टा रखकर कांग्रेस से सीएम पद की घोषणा करवाई गई। राजद-कांग्रेस में भयंकर झगड़ा बढ़ गया है। चुनाव से पहले इतनी दुश्मनी बढ़ गई है कि चुनाव के बाद ये एक-दूसरे का सिर फोडने् लगेंगे। ऐसे लोग कभी बिहार का भला नहीं कर सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि, विकसित भारत के लिए बिहार का विकसित होना जरूरी है। राजद और कांग्रेस कभी भी बिहार को विकसित नहीं बना सकते हैं। इन लोगों ने बिहार पर कई सालों तक राज किया। इन लोगों ने आपके साथ सिर्फ विश्वासघात किया है। जहां कट्टा, क्रूरता का राज हो, वहां कानून दम तोड़ देता है। जहां कटुता बढ़ाने वाली राजद और कांग्रेस हो, वहां समाज में सद्भाव मुश्किल होता है। जहां राजद और कांग्रेस का कुशासन हो, वहां विकास का नामो-निशान नहीं होता है। जहां करप्शन हो, वहां सामाजिक न्याय नहीं मिलता, ऐसे लोग कभी भी बिहार का भला नहीं कर सकते।

बिहार में जंगलराज वापस नहीं आना चाहिए

मोदी ने कहा कि बिहार में जंगलराज वापस नहीं आना चाहिए, इसलिए फिर एक बार एनडीए सरकार। एक तरफ हमारा घोषणा पत्र है दूसरी तरफ महागठबंधन वालों का घोषणा पत्र है। इनके मेनिफेस्टो में सब झूठ है। जनता जनार्दन को बुड़बक बूझे हो क्या। ये पब्लिक है सब जानती है। विकसित बिहार, विकसित भारत का आधार है। जब मैं विकसित बिहार की बात करता हूं, तो इसका मतलब है बिहार का औद्योगिक विकास, बिहार के युवाओं को बिहार में ही रोजगार है। आरा के इस मंच से मैं कहता हूं कि आपका सपना ही हमारा संकल्प है। इस बार बिहार की जनता एनडीए को रिकॉर्ड सीटें देने जा रही है, ये जंगलराज वाले इस बार सबसे करारी हार का रिकॉर्ड बनाने वाले हैं क्योंकि बिहार की पुरानी पीढ़ी और अब नई पीढ़ी ने ठान लिया है फिर एक बार एनडीए सरकार।

बिहार का युवा बिहार में ही काम करेगा

पीएम ने कहा कि बिहार देश की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले राज्यों में से एक है, इसलिए एनडीए बिहार में शिक्षा और कौशल पर बहुत जोर दे रहा है। हमारा संकल्प है कि बिहार का युवा बिहार में ही काम करेगा, बिहार का नाम करेगा। इसके लिए हमने आने वाले वर्षों में एक करोड़ रोजगार देने की घोषणा की है और यह सिर्फ घोषणा नहीं है, यह कैसे होगा, इसकी योजना भी जनता के सामने रखी गई है। आज दुनिया में मेक इन इंडिया को लेकर काफी उत्साह है। हमारा लक्ष्य बिहार को मेड इन इंडिया का केंद्र बनाना है। इसके लिए हम हजारों लघु और कुटीर उद्योगों के नेटवर्क को मजबूत करेंगे।

मोदी अडाणी-अंबानी से भी डरते हैंः राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बेगूसराय में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधा। राहुल ने कहा, 56 इंच की छाती वाला डरपोक है। गांधी जी की छाती बड़ी नहीं थी, लेकिन वो किसी से डरते नहीं थे। इंदिरा भी किसी से नहीं डरती थीं। उन्होंने कहा कि मोदी डरपोक हैं। इस मर्द से ज्यादा दम इंदिरा में था। मोदी जी ट्रम्प से डरते हैं। 50 बार अमेरिकी राष्ट्रपति ने बोला है। मैंने नरेंद्र मोदी को डराकर ऑपरेशन सिंदूर बंद कराया है। राहुल ने कहा, मोदी सिर्फ अमेरिका के राष्ट्रपति से नहीं डरते हैं, उनका कंट्रोल अडाणी और अंबानी के भी हाथ में हैं। चुनाव के दिन तक आप जो भी कहेंगे मोदी वो करेंगे. चुनाव के बाद न आएंगे, न कुछ करेंगे। अगली बार जब वो आए तो कहना मोदी जी हम आपको ये सीट जितवा देंगे, आप डांस करो, वो कर देंगे। आज कहो आप डांस करो, हम जीता देंगे वो डांस करने लगेंगे। राहुल ने कहा कि मोदी जी को आप बोलो योग के 3-4 आसन करो हम आपको जिता देंगे। वो करने लगेंगे। आज कहो आप डांस करो, हम जिता देंगे वो डांस करने लगेंगे। चुनाव के बाद अडाणी, अंबानी इनसे जो मांगेंगे ये दे देंगे।

इंदिरा ने अमेरिका को चुप कराया, मोदी ट्रम्प से डरे

ट्रंप अलग-अलग देशों में जाकर उनका अपमान कर रहा है। कहता है मैंने मोदी को झुका दिया। उनके मुंह से एक आवाज नहीं निकली। ऐसा आदमी बिहार में कभी विकास नहीं ला सकता। ट्रम्प हमारी सेना के बारे में बोल रहा है। हमारी वायुसेना के बारे में बोल रहा है। मोदी जी चुप हैं। इंदिरा गांधी ने अमेरिका को चुप करा दिया था। ट्रम्प कहता है मैंने मोदी को फोन लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर रोको और फिर ऑपरेशन रुक गया। मैं मोदी जी को चैलेंज करता हूं बिहार आकर कहें कि ट्रम्प झूठ बोल रहा है।

दुबई बना सकते हैं तो बिहार क्यों नहीं

राहुल गांधी ने कहा, मैं बिहार के युवाओं से सवाल पूछना चाहता हूं। मैं देश के किसी भी प्रदेश में जाता हूं तो वहां मुझे बिहार के लोग दिखाई देते हैं। दुबई जैसी जगह को आपने अपने खून पसीने से बनाया है। मेरा आपसे सवाल है कि जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसा शहर बना सकते हो तो ये बिहार में क्यों नहीं कर पाते हो। एक समय होता था जब नालंदा की यूनिवर्सिटी पूरी दुनिया में मशहूर थी। जापान, कोरिया, इंग्लैंड से लोग पढ़ाई करने आते थे। दुनिया की शिक्षा का सेंटर नालंदा था। आज बिहार की यूनिवर्सिटी के बार में दूसरे लोगों से पूछिए। कहते हैं यहां सिर्फ पेपर लीक होता है। जिनकी सेटिंग है उन्हें पेपर मिल जाता है। बिहार के बाकी युवा देखते रह जाते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिद्वार एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 1454 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। 62 शोधार्थियों को विद्या वारिधि और 3 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की गई, जबकि 615 विद्यार्थियों को परास्नातक और 774 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन की विविध वनस्पतियों पर आधारित दो पुस्तकें 'फ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवन' एवं 'मेडिसिनल प्लांट्स ऑफ राष्ट्रपति भवन' की प्रतिलिपियाँ भी भेंट कीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने पदक प्राप्त विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के जीवन-निर्माण में योगदान देने वाले अध्यापकों और अभिभावकों का भी विशेष अभिनंदन किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों में 64 प्रतिशत बेटियाँ हैं तथा पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों की तुलना में चार गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विकसित भारत के उस स्वरूप का परिचायक है जिसमें महिलाएं नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय महर्षि पतंजलि की तप, साधना और ज्ञान परंपरा को आधुनिक समाज के लिए सुलभ बना रहा है। विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की भारत-केन्द्रित शिक्षा-दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि इसमें विश्व बंधुत्व की भावना, वैदिक ज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समन्वय और वैश्विक चुनौतियों के समाधान जैसी विशेषताएँ निहित हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से वसुधैव कुटुंबकम की भावना पर आधारित जीवन-मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान-प्राप्ति नहीं है, बल्कि सदाचार, तपस्या, सरलता और कर्तव्यनिष्ठा जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को न केवल आत्म-विकास बल्कि राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। गंगा तट पर स्थित हरिद्वार की सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि ये पवित्र स्थल ज्ञान और अध्यात्म का संगम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी स्वाध्याय और तपस्या जैसे आदर्शों का पालन करते हुए स्वस्थ, संस्कारित और समरस समाज के निर्माण में योगदान देंगे। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनके देवभूमि आगमन को गर्व का क्षण बताया।

राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म का प्राण-केंद्र है। इस पवित्र धरती से प्रचलित योग और आयुर्वेद की परंपरा ने न केवल भारत को, बल्कि समूचे विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और सद्भाव का संदेश दिया है। उत्तराखंड की यह ऋषि-परंपरा आज भी हमें यह प्रेरणा देती है कि ज्ञान का सर्वोच्च उद्देश्य केवल आत्म-विकास नहीं, बल्कि विश्व-कल्याण है। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और आशा व्यक्त की कि वे दीक्षांत समारोह के पश्चात आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि आज उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने राष्ट्र, प्रदेश और समाज की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे तथा अपनी शिक्षा, प्रतिभा एवं प्रशिक्षण का उपयोग मानव-कल्याण के लिए करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने जो ज्ञान अर्जित किया, वह केवल हमारे लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण के लिए था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को स्वीकृति दिलाकर योग के विज्ञान पर किए गए हजारों वर्षों के कार्य को वैश्विक मंच प्रदान किया। विगत कुछ वर्षों में योग और आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक ब ?ी क्रांति आई है, और आज करोड़ों लोग इनके माध्यम से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का देवभूमि उत्तराखंड की सवा करोड़ देवतुल्य जनता की ओर से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सदैव अंतिम पंक्ति में ख ? व्यक्ति के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए समाज के वंचित, शोषित एवं पिछ ? वर्गों के सशक्तिकरण के लिए कार्य किया है। हाल ही में जब उन्होंने ल ?ाकू विमान 'राफेल' में उ ?ान भरी, तो पूरे देश ने उनके अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और दृ ? संकल्प का प्रेरक उदाहरण देखा। उनके व्यक्तित्व में मातृत्व की ममता, सेवा का संकल्प और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का अद्भुत संगम निहित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सभी उत्तराखंड वासियों का सौभाग्य है कि राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के इस ऐतिहासिक अवसर पर हमें राष्ट्रपति का सान्निध्य और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है।

भारतीय सेना अरुणाचल के पहाड़ों में करेगी संयुक्त सैन्य अभ्यास

इटानगर। एजेंसी । भारतीय सेना इस महीने अरुणाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में एक बड़ा संयुक्त सैन्य अभ्यास करने जा रही है। इसका नाम पूर्वी प्रचंड प्रहार है। यह थलसेना, नौसेना और वायुसेना का संयुक्त अभ्यास होगा। इसका मकसद भविष्य के युद्धों के लिए तालमेल, तकनीकी क्षमता और तेज प्रतिक्रिया की तैयारी को और मजबूत करना है। इसमें तीनों सेनाएं ड्रोन से लेकर हाई-टेक सिस्टम तक का इस्तेमाल करेंगी। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि यह अभ्यास मेचुका के पहाड़ी इलाके में होगा। उन्होंने कहा कि यह एक फॉरवर्ड-लुकिंग एक्सरसाइज है। इसमें तीनों सेनाओं के बीच जमीनी, हवाई और समुद्री मोर्चों पर इंटीग्रेशन और को-ऑर्डिनेशन को परखा जाएगा।

इस दौरान सेनाएं अपने स्पेशल फोर्सेस, ड्रोन सिस्टम, प्रिसिशन वेपन और नेटवर्क आधारित कंट्रोल सेंटर के जरिए एक साथ ऑपरेशन करने की क्षमता दिखाएंगी। यह सब कुछ रियल टाइम हाई-एल्टीट्यूड (ऊंचाई वाले) हालातों में किया जाएगा। इससे हर परिस्थिति में प्रतिक्रिया देने की तैयारी सही और सटीक हो सकेगी। लेफ्टिनेंट कर्नल रावत ने कहा कि यह एक्सरसाइज भारतीय सेनाओं के उस संकल्प को दोहराती है कि देश की रक्षा में हमेशा मिशन-रेडी और संयुक्त रूप से सक्षम रहना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अभ्यास में नई टैक्टिक्स, टेक्नोलॉजी और प्रोसेस भी भी परखी जाएंगी। इससे युद्ध के दौरान तेजी, लचीलापन और परिस्थिति के अनुसार ढलने की क्षमता को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। लेफ्टिनेंट कर्नल रावत ने बताया कि यह अभ्यास भारत की ट्राई-सर्विस तीन सेनाओं के एक साथ काम करने की दिशा में अगला बड़ा कदम है। इससे पहले 'भाला प्रहार' (2023) और 'पूर्वी प्रहार' (2024) जैसे अभ्यास सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट (म.प्र.)

Office e-mail -modgmbal@mp.gov.in

क्रमांक/ 760 /खनिज/2025 बालाघाट, दिनांक 29/10/2025

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मॉयल लिमिटेड, 1-ए मॉयल भवन काटोल रोड नागपुर (महा.) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 25.09.2025 (प्राप्ति दिनांक 09.10.2025) को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 03.12.2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
बालाघाट	लालबर्रा	कनकी	727	4.413 हे.	शासकीय	पुनर्भरण हेतु रेत	आवेदक के पक्ष में पूर्व से उत्खनिपट्टा स्वीकृत है। आवेदक द्वारा नवकरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
			कुल रकबा	4.413 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि तक (कार्यालय समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करनें हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने की आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

उप संचालक
(खनि प्रशासन)
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

G20879/25

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 6.9 अरब डॉलर की गिरावट

देश का कुल भंडार घटकर 695.355 अरब डॉलर पर आया

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार यानी फॉरेक्स रिजर्व में पिछले सप्ताह 6.925 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक की ताजा 'वीकली स्टैटिस्टिकल सप्लीमेंट' रिपोर्ट के अनुसार, 24 अक्तूबर 2025 को समाप्त सप्ताह में देश का कुल भंडार घटकर 695.355 अरब डॉलर पर आ गया। हालांकि, यह आंकड़ा अब भी सितंबर 2024 के सर्वाधिक रिकॉर्ड स्तर 704.89 अरब डॉलर के करीब बना हुआ है।

आरबीआई के अनुसार, वो विदेशी मुद्रा संपत्तियां, जो भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा हैं, घटकर 566.548 अरब डॉलर रह गईं। इसमें 3.862 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, सोने के भंडार में भी 3.010 अरब डॉलर की कमी आई और यह 105.536 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह गिरावट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और निवेशकों द्वारा सोने की मांग में बढ़ोतरी के चलते आई है।

भले ही भंडार में गिरावट आई है, लेकिन यह अब भी स्थिर और मजबूत स्थिति में है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में कहा था कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीनों से अधिक के माल आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करते हुए रुपए के मूल्य को स्थिर बनाए रखने के लिए डॉलर खरीदने या बेचने जैसी रणनीतियों का उपयोग करता है।

साल 2023 में भारततुलना ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग 58 अरब डॉलर की वृद्धि की थी, जबकि 2022 में इसमें 71 अरब डॉलर की कमी आई थी। 2024 में भंडार में 20 अरब डॉलर से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। मौजूदा वर्ष 2025 में अब तक कुल 46 अरब डॉलर की वृद्धि देखी गई है, जो यह दर्शाती है कि भारत की विदेशी मुद्रा स्थिति लंबे समय से मजबूत बनी हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता और वैश्विक लेनदेन की क्षमता का संकेतक होता है। भारत का फॉरेक्स रिज़र्व डॉलर, यूरो, येन और पाउंड स्टर्लिंग जैसी मुद्राओं में रखा जाता है। आरबीआई की यह रणनीति है कि जब रुपया कमजोर होता है तो डॉलर बेचकर उसे स्थिर किया जाए और जब रुपया मजबूत होता है तो डॉलर खरीदा जाए।

अनंत सिंह के बाद जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी की भी होगी गिरफ्तारी

पटना। एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच पटना जिले के मोकामा में हुए दुलारचंद यादव हत्याकांड में बाहुबली अनंत सिंह के बाद जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी को भी गिरफ्तार किया जाएगा। डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि मोकामा में राजद नेता यादव की हत्या मामले में उपलब्ध सबूतों के आधार पर वहां मौजूद हर एक शख्स की चुन-चुन कर गिरफ्तारी होगी। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के प्रत्याशी अनंत सिंह की गिरफ्तारी भी इसी आधार पर हुई है। इसके आधार पर जन सुराज के उम्मीदवार पीयूष को भी गिरफ्तार किया जाएगा। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुलारचंद के शरीर के ऊपर भारी चीज गुजरने से मौत की पुष्टि हुई है। संभव है कि उनके ऊपर गाड़ी चढ़ाई गई। प्रथम दृष्टया हत्या का मामला दिख रहा है, लेकिन यह एक्सीडेंटल है या जानबूझकर किया गया, यह जांच का विषय है।

मछुआरों का काम जितना दिलचस्प उनसे जुड़ी समस्याएं और संघर्ष उतना ही गंभीर

बेगूसराय। एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बेगूसराय में चुनावी सभा को संबोधित करन के बाद अपने ही अंदाज में मछुआरों से मिले और उनकी समस्याओं को जानने की कोशिश की। राहुल गांधी वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के साथ एक तालाब पर पहुंचे, फिर नाव पर सवार हुए और मछुआरों के साथ पानी में डुबकी भी लगाई।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बेगूसराय में चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद अपने खास अंदाज में जनता से जु ?ते हुए उनकी समस्याएं जानने की कोशिश की। सभा के बाद राहुल गांधी, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के साथ करीब तीन किलोमीटर दूर एक तालाब पर पहुंचे थे। यहां राहुल गांधी नाव पर सवार हुए और मछुआरों के साथ पानी में डुबकी लगाने के साथ ही तालाब में डाले गए जाल से मछलियां भी पकड़ीं। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और बेगूसराय सदर से कांग्रेस प्रत्याशी अमिता भूषण भी मौजूद रहीं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मछुआरों के साथ तालाब में मछली पकड़ने और डुबकी लगाने की तस्वीरें और वीडियो फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है। लोगों का कहना है कि राहुल गांधी लगातार लोगों से जमीनी स्तर पर जुड़ने और उनकी समस्याएं जानने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए कहा, कि बेगुसराय में मछुआरा समुदाय से मिलकर बहुत अच्छा लगा। काम उनका जितना दिलचस्प है, उससे जुड़ी उनकी समस्याएं और संघर्ष उतने ही गंभीर हैं। उन्होंने आगे लिखा, बिहार की नदियां, नहरें, तालाब और उनसे जीवन-यापन करते मछुआरे, प्रदेश की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा हैं।

इससे पहले, बेगूसराय की चुनावी सभा राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने यहां पीएम मोदी को 56 इंच की छाती वाला डरपोक बताया और बेरोजगारी मुद्दे को उठाते हुए बिहार के युवाओं से सवाल भी किया। उन्होंने कहा, देश के किसी भी प्रदेश में जब मैं जाता हूं तो वहाँ मुझे बिहार के लोग अवश्य दिखाई देते हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसे शहर बना सकते हैं, तो फिर यही सब बिहार में क्यों नहीं कर पाते हैं?

न्यूज गैलरी

सड़कों का मरम्मत कार्य प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अतिवृष्टि के कारण जिले की सड़कें क्षतिग्रस्त हुई थी, वर्षाकाल समाप्त होने के बाद कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर एम.पी.आर.डी.सी. ने अपने अधिनस्थ सड़कों का मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया है। एमपीआरडीसी के

संभागीय प्रबंधक दीपक आड़े ने बताया कि अतिवर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुई बैहर-सालेटेकरी सड़क, सिवनी-बालाघाट मार्ग एवं बैहर-मुक्की-गढ़ी मार्ग पर मरम्मत कार्य तीव्र गति से प्रारंभ कर दिया गया है। यह मरम्मत कार्य 15 दिसम्बर-2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

नागरिक आईएसआई मार्क हेलमेट ही खरीदें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार 02 नवंबर को मुख्यालय बालाघाट शहर के मुख्य सड़क मार्ग पर संचालित हेलमेट दुकानों का निरीक्षण नायब तहसीलदार मंजुला महोबिया, नापतौल विभाग के निरीक्षक कछवाहा एवं पुलिस की उपस्थिति में किया गया । अंबेडकर चौक पर संचालित

हेलमेट की दुकान, मार्केट रोड पर सचिन माहूले एवं नरेश चावलानी की दुकान का निरीक्षण किया गया । जिसमें दुकानदारों के पास आईएसआई ISI मार्क वाले स्टड्स एवं स्टीलबर्ड कंपनी के ISI मार्क वाले हेलमेट पाए गए । इसी कड़ी में गोंदिया रोड स्थित दुकान एवं पुलिस लाइन चौक पर संचालित हेलमेट की दुकान का निरीक्षण भी किया गया, जिसमें ISI मार्क वाले हेलमेट पाए गए। दुकानों पर उपस्थित विक्रेता एवं नागरिकों को हिदायत दी गई कि वह ISI मार्क देख कर ही हेलमेट खरीदें ।

प्राचीन राममंदिर रामपायली, कोटेश्वर मंदिर लांजी और हट्टा की बावड़ी हेलीकॉप्टर सेवा के नक्शे में नहीं !!

मध्यप्रदेश में पीएम श्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा का नियमित संचालन की घोषणा; बालाघाट का नाम नहीं

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

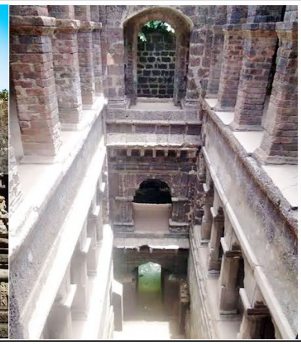

अति प्राचीन राम मंदिर रामपायली नगरी जो भगवान राम के वन पथ गमन का हिस्सा रही थी और जो शासन की राम वन पथ गमन परियोजना में शामिल भी है, वह हेलीकाप्टर सेवा से वंचित हो गयी है!! विख्यात और अति प्राचीन काल में कलचुरी राजाओं द्वारा स्थापित धार्मिक पर्यटन केंद्र कोटेश्वर महादेव मंदिर,लांजी जो अति प्राचीन और एक समय तक बालाघाट वैनगंगा नदी घाटी क्षेत्र का जिला मुख्यालय बनते बनते रह गयी, वह लंजिका नगरी और हट्टा गाँव में बने प्राचीन हट्टा की बावड़ी नामक पर्यटन केंद्र हेलीकॉप्टर सेवा के नक्शे में नहीं रह गए हैं !! राज्य शासन के तीन सेक्टरों में से किसी एक में भी बालाघाट जिले का उल्लेख नहीं है!!

इस तरह प्राकृतिक पर्यटन और धार्मिक पर्यटन के बालाघाट जिले के प्रमुख केंद्र सरकार द्वारा घोषित हेलीकाप्टर सेवा से वंचित हो गए हैं. मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर अस्तित्व में आयी योजना पीएम श्री पर्यटन हेलीकाप्टर सेवा के लिए तय किये गए तीनो सेक्टरों में से किसी भी सेक्टर में बालाघाट जिले का नाम तक नहीं है।

जहां एक तरफ सिवनी जिले का नाम है वहीं पेंच का भी सूची में नाम है. उधर मंडला जिले का नाम है वहीं कान्हा नेशनल पार्क का भी सूची में उल्लेख है. किन्तु कान्हा पार्क के साथ किसी भी सेक्टर में बालाघाट जिले का कहीं भी उल्लेख नहीं है. इस तरह बालाघाट जिले को इस महत्वपूर्ण सेवा के नक्शे से बाहर कर देना समझ से परे है।

कैसे सेक्टर तय किया गया ?

उल्लेखनीय है कि समूचे मध्यप्रदेश को तीन सेक्टरों में विभाजित कर हेलीकाप्टर पर्यटन सेवा का लाभ दिया गया. किन्तु यह स्पस्ट नहीं हैं कि किस तरह के मानदंड तय करके जिलों को इनमे सम्मिलित किया गया।

जिसमे मंडला, डिंडोरी, बैतूल, सिवनी आदि जिले को लाभ देना और बालाघाट को अलग कर देना संस्कृति विभाग के चयन प्रणाली को असहज बनाती है. छिंदवाड़ा भी इस सूची में है और विख्यात पर्यटन स्थल तामिया भी है जहां पाताल कोट आता है।

सिवनी में पेंच पार्क के अलावा कुछ भी पर्यटन लायक नहीं है. किन्तु सिवनी सूची में जगह बना सका है।

जबकि बालाघाट जिले में कान्हा किसली टाइगर रिजर्व का आधा से ज्यादा हिस्सा आता है. पार्क के टतीन गेट में से दो गेट मुक्की गेट और एक अन्य गेट आते है फिर भी कान्हा का उल्लेख है और बालाघाट मुख्यालय को छोड़ दिया गया।

इस तरह से लगता है बालाघाट जिला वासियों को प्रदेश के अन्य प्राकृतिक और धार्मिक पर्यटन स्थलों तक जाने के लिए सड़क मार्ग का ही उपयोग करना पड़ेगा. हालांकि यह प्रारंभिक चरण का बताया जा रहा है हो सकता है भविष्य में बालाघाट इस सूची में शामिल हो जाए।

हेली सेवा से पर्यटन और समय की बचत होगी

मुख्यमंत्री भी चाहते हैं कि राज्य में हवाई यात्रा केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि आनंददायक अनुभव भी बने। प्रारभिक चरण में तीन पर्यटन सेक्टर्स में हेलीकॉप्टर उड़ानें संचालित की जाएंगी। यह सुविधा न केवल समय बचाएगी, बल्कि ग्रामीण रोजगार, होम स्टे व्यवसाय और स्थानीय उत्पादों के विपणन को भी बढ़ावा देगी।जबकि बालाघाट जिले में भी केरा गाँव और पिपरटोला गाँव में होम स्टे बने हुए है।

पर्यटन के क्षेत्र में नए आयाम होंगे

योजना के मुताबिक इस पहल का उद्देश्य प्रदेश के मुख्य पर्यटन स्थलों को हवाई मार्ग से जोड़ना है। हेली सेवा से प्रदेशवासियों और पर्यटकों को आस्था, आध्यात्म, संस्कृति और पर्यटन का संगम अनुभव होगा।

सैक्टर-3 में होना था बालाघाट का नाम

इस सेक्टर में जबलपुर, बांधवगढ़, कान्हा, चित्रकूट, सरसी, परसुली, मैहर, सतना, पन्ना, खजुराहो, कटनी, रीवा, सिंगरौली, अमरकंटक, सिवनी, सीधी, मंडला, पेंच, डिंडौरी, भोपाल और इंदौर का उल्लेख है किन्तु बालाघाट को विस्मृत कर दिया गया है।

जबकि एक अरसा पहले खुद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने घोषणा किया था कि हर जिला मुख्यालय को हेलीकाप्टर सेवा से जोड़ा जायेगा. वह घोषणा भी इस योजना में कहीं नजर नहीं आया।

आर्थिक तंगी और पारिवारिक समस्या से परेशान व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पिपरिया में इसी ग्राम के एक व्यक्ति सुरेश पिता स्व. फागुलाल विश्वकर्मा 40 वर्ष ने अपने घर की छापरी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस व्यक्ति द्वारा आर्थिक तंगी और पारिवारिक समस्या के कारण फांसी लगाने की संभावना व्यक्त की गई है। बैहर पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। और मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेश विश्वकर्मा अपनी पत्नी जीरन विश्वकर्मा के साथ मजदूरी करता था। जिसके परिवार में एक लड़का दो लड़की है। सभी लोग पिपरिया में ही रहते हैं। घर में खेती-बाड़ी नहीं है ।जिसके कारण सुरेश मजदूरी करने के लिए इधर-उधर मजदूरी करने जाते रहता था। नवरात्रि के समय सुरेश विश्वकर्मा मजदूरी करने के लिए बालाघाट आया था और दीपावली त्यौहार के समय वह अपने घर ग्राम पिपरिया चला गया था और अपनी पत्नी से बोल रहा था कि काम धंधा चल नहीं रहा है कैसे करेंगे ।पत्नी ने उसे समझाई की बरसात पानी का समय है इसलिए काम नहीं चल रहा है ।फिर भी सुरेश परेशान और टेंशन में रहता था और उसका बीपी भी बढ़ गया था ।31 अक्टूबर को सुरेश को उसकी पत्नी जीवनबाई ने इलाज करवाने के लिए बैहर अस्पताल लेकर गई थी। इलाज करवाने के बाद घर आ गए थे। बताया गया है कि सुरेश विश्वकर्मा अधिक शराब पीता था घर में शांत शांत रहता था। 31 अक्टूबर की रात्रि सुरेश विश्वकर्मा ने अपने परिवार के साथ खाना खाया और सो गया था। 1 नवंबर को सुबह 6ः00 बजे घर के सामने की छपरी में सुरेश विश्वकर्मा की फांसी में लटकी हुई लाश देखी गई। जिसकी रिपोर्ट उसकी पत्नी जीरन बाई विश्वकर्मा 35 वर्ष ने बैहर पुलिस थाना में की थी।बैहर पुलिस ने सुरेश विश्वकर्मा का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। सम्भावना व्यक्त की गई है कि सुरेश विश्वकर्मा ने काम नहीं मिलने और पारिवारिक समस्या के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बैहर पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, **स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट